डीएमके के गढ़ में चुनौती देकर... 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

मुझे स्टोरी और लोगों की भावनाएं... 11

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

वर्ष - 01, अंक - 361 | गाजियाबाद / शनिवार 04 अप्रैल 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रूपए

ईरान युद्ध के बीच कुकिंग गैस पर निर्भरता घटाने की तैयारी

अब घरेलू इंडक्शन हीटर उत्पादन पर फोकस

- कतर में नेचुरल गैस प्लांट से बढ़ी दुनिया में अनिश्चितता

नई दिल्ली (एजेंसी)। केन्द्र सरकार कुकिंग गैस की खपत कम करने के लिए अब इंडक्शन हीटर और उससे जुड़े उपकरणों के घरेलू उत्पादन को बढ़ाने की योजना बना रही है। इस दिशा में शुक्रवार को उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) के सचिव, विद्युत सचिव और विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) के महानिदेशक सहित शीर्ष अधिकारियों ने एक उच्चस्तरीय बैठक की।

इस बैठक में ईरान युद्ध के कारण वैश्विक सप्लाई चेन में आई बाधाओं को देखते हुए इंडक्शन हीटर और कुकिंग उपकरणों के उत्पादन को बढ़ाने के उपायों पर चर्चा की गई, ताकि कुकिंग गैस की खपत कम की जा सके। एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, अगर यह युद्ध लंबे समय तक चलता है, तो भारत को संभावित चुनौतियों से निपटने के लिए तैयार रहना होगा।

यह बैठक ऐसे समय में हुई है जब सरकार लंबे समय तक चलने वाले संघर्ष की संभावना को देखते हुए आयात पर पड़ने वाले असर का आकलन कर रही है। खासतौर पर तेल, गैस और पेट्रोकेमिकल उत्पादों के आयात में बाधा को लेकर चिंता जताई जा रही है। सरकार पहले ही कई पेट्रोकेमिकल उत्पादों पर आयात शुल्क कम कर चुकी है, ताकि सप्लाई बनी रहे और लागत का दबाव कम किया जा सके। गौरतलब है कि कतर में एक बड़े लिक्विफाइड नेचुरल गैस (एलएनजी) प्लांट को नुकसान पहुंचने के बाद मध्य पूर्व से तेल और गैस की सप्लाई को लेकर अनिश्चितता और बढ़ गई है। इसके अलावा होर्मुज जलडमरूमध्य लगभग बंद होने की स्थिति में है, जहां से दुनिया की करीब 20 प्रतिशत ऊर्जा सप्लाई गुजरती है।

गौरतलब है कि भारत स्थिति से निपटने के लिए अब रूस के साथ-साथ नाइजीरिया और अंगोला जैसे अफ्रीकी देशों से ज्यादा कच्चा तेल खरीद रहा है। इसके अलावा भारतीय कंपनियां अमेरिका से भी गैस की आपूर्ति ले रही हैं।

पंचकूला भूखंड आवंटन मामला:

भूपेंद्र हुड्डा को राहत, आरोप खारिज

पंचकूला (एजेंसी)। एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) को भूखंड आवंटन मामले में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र हुड्डा को बड़ी राहत देते हुए शुक्रवार को पंचकूला स्थित केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की विशेष अदालत ने उन्हें और एजेएल के पूर्व अध्यक्ष मोतीलाल वोरा को आरोपमुक्त कर दिया। वोरा का छह वर्ष पहले निधन हो चुका है, जबकि 78 वर्षीय हुड्डा स्वयं अदालत में पेश हुए। इससे पहले विशेष अदालत द्वारा आरोप तय किए जाने के खिलाफ हुड्डा ने उच्च न्यायालय में याचिका दायर कर कार्रवाई पर रोक की मांग की थी। लगभग एक माह पहले न्यायाधीश त्रिभुवन दहिया की एकल पीठ ने सुनवाई के दौरान कहा था कि बिना पर्याप्त आधार के आपराधिक मुकदमा चलाना न्यायिक प्रक्रिया का दुरुपयोग है। न्यायालय ने यह भी कहा था कि प्रथम दृष्टया आरोप साबित नहीं हो रहे हैं। शुक्रवार को मामले की दोबारा सुनवाई के दौरान हुड्डा के वकील एस.पी.एस. परमार ने उनका पक्ष रखा, जिसके बाद अदालत ने यह फैसला सुनाया। यह मामला पंचकूला के सेक्टर-6 में करीब 3,360 वर्ग मीटर के सरकारी भूखंड के आवंटन से जुड़ा है। सीबीआई ने इस मामले में हुड्डा सहित एचएसवीपी के चार वरिष्ठ अधिकारियों को आरोपी बनाया था। आरोप था कि करीब 64.93 करोड़ रुपये मूल्य का भूखंड एजेएल को मात्र 69.39 लाख रुपये में आवंटित किया गया।

आतंकी साजिश का पर्दाफाश, चार गिरफ्तार

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी एंटी टेररिस्ट स्क्वॉड (एटीएस) ने पाकिस्तानी हैंडलर के इशारे पर भारत में आगजनी और तोड़फोड़ कर दहशत फैलाने की साजिश रच रहे गिरोह का पर्दाफाश किया। इस मामले में पुलिस ने गिरोह के सरगना समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार किया। यूपी डीजीपी मीडिया सेल के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों में मेरठ निवासी शाकिब (सरगना), विकास गहलावत, लोकेश उर्फ पपला पंडित उर्फ बाबू उर्फ संजू और अरबाब शामिल हैं। जांच एजेंसियों के मुताबिक, गिरोह रेलवे सिग्नल बॉक्स को नष्ट करने, गैस सिलेंडर से भरे ट्रकों में आग लगाने और राजनीतिक हस्तियों को निशाना बनाने की साजिश रच रहा था।

मालदा घटना का कथित मास्टरमाइंड गिरफ्तार

कोलकाता(एजेंसी)। पश्चिम बंगाल पुलिस ने शुक्रवार को मालदा घटना के कथित मुख्य आरोपी वकील मोफक्करुल इस्लाम को सिलीगुड़ी से 16 किमी. दूर बागडोगरा हवाई अड्डे से गिरफ्तार किया गया। इस मामले में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्य में लगे न्यायिक अधिकारियों को बुधवार को कालियाचक-2 ब्लॉक विकास कार्यालय में 'असामाजिक तत्वों' ने घंटों तक घेराव करके बंधक बनाए रखा था। इन अधिकारियों में तीन महिलाएं भी थीं।

भाजपा ऑफिस के बाहर ब्लास्ट मामले में दो गिरफ्तार

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। चंडीगढ़ के सेक्टर-37 स्थित भाजपा दफ्तर के बाहर हुए धमाके के मामले में पुलिस ने कथित तौर पर दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया। सूत्रों के अनुसार, दोनों संदिग्धों से पूछताछ जारी है। सूत्रों के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अमन और गुरतेज के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि दोनों ही मोरिंडा के आसपास के इलाके के रहने वाले हैं।

मणिपुर की डॉक्टर ने बचाई विमान में यात्री की जान

- टोक्यो से दिल्ली जा रही थी एयर इंडिया
- मुख्यमंत्री युमनम खेमचंद सिंह ने की सराहना

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर के सेनापति जिले की एक डॉक्टर ने टोक्यो से नई दिल्ली जा रही एयर इंडिया की फ़्लाइट में एक मेडिकल इमरजेंसी के दौरान 21 साल की एक यात्री की जान बचाई। इंफाल के अमेरिकन ऑन्कोलॉजी इंस्टीट्यूट, बबीना स्पेशलिटी हॉस्पिटल में क्रिटिकल केयर स्पेशलिस्ट डॉ. लोनी लिरिना उस फ़्लाइट में सफर कर रही थीं। इस दौरान एक युवा महिला को सांस लेने में बहुत ज्यादा तकलीफ होने लगी और फ्लाइट क्रू ने मेडिकल मदद के लिए अनाउंसमेंट किया। इसके तुरंत बाद, डॉ. लिरिना उस यात्री की मदद के लिए आगे आईं।

जांच करने पर, उन्होंने तुरंत ऑक्सीजन सपोर्ट, नेबुलाइजेशन और जरूरी दवाएं देने की सलाह दी, ताकि मरीज की हालत स्थिर हो सके।

संसद की तीन दिन की बैठक बुलाना सरकार का एकतरफा निर्णय: कांग्रेस

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने कहा कि कुछ राज्यों के विधानसभा चुनावों के बीच 16 अप्रैल से महिला आरक्षण विधेयक में संशोधन पर चर्चा के लिए संसद की तीन दिवसीय बैठक बुलाना सरकार का एकतरफा निर्णय है और इस बैठक को लेकर विपक्ष को नजरअंदाज कर पूरी तरह से मनमानी की गई है। कांग्रेस के संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने शुक्रवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि संसद की बैठक 16, 17 और 18 अप्रैल को बुलाई गई है। इस बारे में सरकार के साथ जो विचार विमर्श हुआ था उसमें कहा गया था कि कुछ राज्यों के विधानसभा चुनाव हो रहे हैं इसलिए 29 अप्रैल के बाद सर्वदलीय बैठक बुलाकर इस बारे में विचार किया जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि 16 मार्च को संसदीय कार्य मंत्री किरन रिजिजू ने राज्यसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को पत्र लिखकर 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023' में प्रस्तावित संशोधनों पर चर्चा की इच्छा जताई तो खड़गे ने 15 मिनट के भीतर ही पत्र का जवाब देते हुए सुझाव दिया कि अलग-अलग चर्चा करने के बजाय सभी विपक्षी दलों को एक साथ आमंत्रित कर सर्वदलीय बैठक बुलाई जाए।

हरियाणा-राजस्थान में आंधी-बारिश-ओलावृष्टि का कहर

- आईएमडी ने आज भी अलर्ट जारी किया

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा और राजस्थान में देर रात से मौसम ने करवट ली और आंधी, तेज बारिश व ओलावृष्टि ने जनजीवन को प्रभावित कर दिया। भिवानी, फतेहाबाद, नूंह, फरीदाबाद, हिसार और सरसा जैसे जिलों में भारी बारिश व ओलों की बौछार हुई, जबकि राजस्थान के जैसलमेर, बीकानेर, अजमेर, नागौर, सीकर, कुचामन-डीडवाना, जालोर, चूरू, श्रीडूंगरगढ़ और जयपुर में भी मौसम ने अचानक तेवर बदले।

खेतों में खड़ी फसलों को भारी नुकसान पहुंचा और तापमान में भारी गिरावट दर्ज की गई। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने गुरुग्राम व फरीदाबाद में तेज बारिश के साथ ओलावृष्टि का रेड अलर्ट जारी करते हुए चेतावनी दी है। हरियाणा में वीरवार देर रात से ही मौसम सक्रिय हो गया। भिवानी व फतेहाबाद में भारी बारिश ने सड़कों पर जलभराव कर दिया, जबकि नूंह व फरीदाबाद में ओलावृष्टि ने सड़कों पर सफेद चादर बिछा दी। हिसार में बूंदाबांदी ने गर्मी से राहत दी, तो फतेहाबाद में तेज आंधी ने उड़ान भरी।

सरसा में वीरवार रात को हुई तेज बारिश के दौरान एक मकान पर बिजली गिरने से एक युवती गंभीर रूप से घायल हो गई। स्थानीय निवासियों ने बताया कि ओलों ने फसलों को भारी क्षति पहुंचाई है, खासकर गेहूं व सरसों की फसलें प्रभावित हुईं।

अमेरिका ने पेटेंट वाली दवाओं पर लगाया 100 फीसदी टैरिफ

वॉशिंगटन (एजेंसी)। संयुक्त राज्य अमेरिका आयातित पेटेंट दवाओं पर 100 प्रतिशत तक शुल्क लगाएगा। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इसके पीछे राष्ट्रीय सुरक्षा जोखिमों और विदेशी आपूर्ति श्रृंखलाओं पर भारी निर्भरता को कारण बताया। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि दवाइयां और उनसे जुड़े घटक 'इतनी मात्रा में और ऐसी परिस्थितियों में अमेरिका में आयात किए जा रहे हैं कि वे संयुक्त राज्य की राष्ट्रीय सुरक्षा को नुकसान पहुँचा सकते हैं।'

यह घोषणा पेटेंट दवाओं और सक्रिय औषधीय घटकों (एपीआई) को निशाना बनाती है। आदेश के तहत, अधिकांश आयातित पेटेंट दवाओं पर 100 प्रतिशत का मूल्य-आधारित (एड वैलोरेम) शुल्क लगाया जाएगा। जो कंपनियां उत्पादन को अमेरिका में स्थानांतरित करने का वादा करेंगी, उन्हें 20 प्रतिशत का कम शुल्क देना होगा, जो चार साल बाद बढ़कर 100 प्रतिशत हो जाएगा।

घोषणा में प्रमुख व्यापारिक साझेदारों के लिए अलग-अलग शुल्क दरों का भी उल्लेख है। यूरोपीय संघ, जापान, दक्षिण कोरिया और स्विट्ज़रलैंड से आयात पर लगभग 15 प्रतिशत का कम शुल्क लगेगा, जबकि अनाथ दवाएं, परमाणु दवाएं और जीन थेरेपी जैसी कुछ विशेष श्रेणियाँ इस शुल्क से मुक्त रहेंगी। ये शुल्क 31 जुलाई 2026 से चरणबद्ध तरीके से लागू किए जाएंगे।

अमेरिकी सेना प्रमुख की छुट्टी

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के युद्ध मंत्री पीट हेगसेथ ने सेना प्रमुख जनरल रैंडी जॉर्ज को उनके पद से हटा दिया। इसके अलावा दो अन्य उच्च सैन्य अधिकारियों को भी बर्खास्त किया गया। यह फैसला राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ईरान संघर्ष को लेकर राष्ट्र के नाम संबोधन के एक दिन बाद आया। ट्रंप ने घोषणा की थी कि अमेरिका ईरान के खिलाफ सैन्य हमलों को और तेज करेगा। उन्होंने संकेत दिया कि यह संघर्ष अगले दो से तीन हफ्तों में समाप्त हो सकता है। जनरल जॉर्ज के अलावा दो अन्य उच्च पदस्थ सैन्य अधिकारियों को भी बर्खास्त किया गया है। इनमें मेजर जनरल विलियम ग्रीन जूनियर और जनरल डेविड होडने शामिल हैं।

नौसेना में शामिल हुआ युद्धपोत तारागिरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय नौसेना में शुक्रवार को नवीनतम स्टील्थ युद्धपोत 'तारागिरी' शामिल किया गया है। इस युद्धपोत को विशाखापत्तनम में दोपहर नौसेना में कमीशन किया गया। इस मौके पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह मौजूद रहे। 'तारागिरी' नामक यह युद्धपोत सुपरसोनिक मिसाइलों से लैस है। ये मिसाइल सतह से सतह पर मार कर सकती हैं। इसमें मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें और एक विशेष पनडुब्बी रोधी युद्ध प्रणाली भी है।

अत्याधुनिक युद्ध प्रबंधन प्रणाली व घातक हथियारों से लैस यह युद्धपोत दुश्मन को मुंहतोड़ जवाब देने में सक्षम है। यहां रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 'तारागिरी' को एक स्टेट ऑफ द आर्ट वॉरशिप करार दिया। उन्होंने कहा कि तारागिरी की कमीशनिंग, भारत की बढ़ती हुई सामुद्रिक शक्ति का प्रतीक है।

इस युद्धपोत का निर्माण मुंबई स्थित मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएल) द्वारा किया गया है। इसके निर्माण में 75 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी सामग्री का उपयोग किया गया है।

महाराष्ट्र के नासिक में भूकंप के झटके

नासिक (एजेंसी)। महाराष्ट्र में नासिक जिले के सुरगाणा तालुका में शुक्रवार तड़के भूकंप के झटके महसूस किए गए। पहला हल्का झटका सुबह करीब 5:29 बजे महसूस हुआ, जिसके बाद 5:30 बजे दूसरा और अधिक तीव्र झटका आया। स्थानीय लोगों के अनुसार, ये झटके लगभग चार से पांच सेकंड तक महसूस किए गए। झटकों के दौरान कुछ घरों की दीवारें और चद्दर की छतें हिलने से निवासियों में दहशत फैल गई। अचानक आए इन झटकों से घबराकर कई लोग डर के मारे अपने घरों से बाहर निकल आए। राहत की बात रही कि घटना में कोई हताहत नहीं हुआ।

बलूचिस्तान में बाढ़ का कहर, सात मरे

क्वेटा (एजेंसी)। पाकिस्तान के बलूचिस्तान में बारिश और अचानक आई बाढ़ से भारी तबाही हुई। हादसों में सात लोगों की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए। शुक्रवार को स्थानीय मीडिया की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, बारिश और अचानक आई बाढ़ से सैकड़ों घर, मवेशी और फसलें को काफी नुकसान पहुंचा है। बाढ़ की वजह से बलूचिस्तान में कच्छी, नसीराबाद, झाल मग्सी, डेरा बुगती, सिबी, हरनाई, कोहलू, तुर्बत, जाफराबाद, लोरलाई और बोलन जैसे जिले बहुत बुरी तरह से प्रभावित हुए हैं।

डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, प्रोविंशियल डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी (पीडीएमए) के मुताबिक, 100 से ज्यादा घर तबाह हो गए और 50 से ज्यादा मवेशी मारे गए। इसके अलावा, लगभग 400 एकड़ खेती की जमीन डूब गई। हरनाई और किला अब्दुल्ला में लगभग 100 घर क्षतिग्रस्त हो गए, जबकि झाल मग्सी में बाढ़ के पानी ने गंडावाह-नोटल रोड को ब्लॉक कर दिया। लोरलाई और कच्छी में बिजली गिरने से दो लोगों की, कोहलू में छत गिरने से एक व्यक्ति की और लोरलाई में दीवार गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। इसके साथ ही जाफराबाद में एक बच्चा डूब गया और केच में दो लोग बह गए। भारी बारिश की वजह से बड़ी सड़कें खराब हो गईं। हरनाई-क्वेटा और क्वेटा-संजावी नेशनल हाईवे के कुछ हिस्से बह गए और भारी बारिश की वजह से कई सड़कों पर असर पड़ा। हरनाई और चमन में नदियों में अचानक बाढ़ आ गई।

किला अब्दुल्ला में 15 महिलाओं और बच्चों को ले जा रही एक मिनी-कोच बाढ़ के पानी में फंस गई थी। हालांकि, पीडीएमए की मदद से डिप्टी कमिश्नर की देखरेख में सभी को बचा लिया गया।

भारती की सदस्यता रद्द

भोपाल (एजेंसी)। आगामी जून में मध्यप्रदेश की तीन सीटों के लिए होने वाले राज्यसभा चुनाव के पहले तीन विधायकों को लेकर कांग्रेस की मुश्किलें बढ़ती हुई दिखाई दे रही हैं। कांग्रेस के दतिया से विधायक राजेंद्र भारती को कल नयी दिल्ली की एक अदालत की ओर से तीन साल के लिए सजा सुनाए जाने के बाद मध्यप्रदेश विधानसभा ने राजेंद्र भारती की सदस्यता रद्द कर दी है। ऐसे में अब वे आगामी राज्यसभा चुनाव में मतदान नहीं कर पाएंगे। इसके पहले कांग्रेस के एक और विधायक मुकेश मल्होत्रा को भी एक मामले में उच्चतम न्यायालय राज्यसभा चुनाव में मतदान से वंचित कर चुका है।

महाराष्ट्र: हर विभाग सिर्फ 2 आईटी कंसल्टेंट कर सकेगा नियुक्त

मुंबई (एजेंसी)। मुख्यमंत्री के अधीन काम करने वाले महाराष्ट्र के सामान्य प्रशासन विभाग ने सरकारी विभागों, निगमों और प्राधिकरणों में आईटी और गैर आईटी कंसल्टेंट्स की बड़ी संख्या में हो रही नियुक्तियों पर रोक लगाने का फैसला किया है। सरकारी आदेश के अनुसार, अब कोई भी विभाग दो से ज्यादा आईटी कंसल्टेंट नियुक्त नहीं कर सकेगा। इसके अलावा, अन्य कंसल्टेंट्स की नियुक्ति भी तय प्रक्रिया का पालन करने के बाद ही की जा सकेगी। सरकार ने देखा है कि कई विभागों, क्षेत्रीय कार्यालयों और निगमों में 'सलाहकार सेवाओं' के नाम पर बड़ी संख्या में कंसल्टेंट रखे जा रहे हैं। खासकर रिटायर अधिकारियों को इन पदों पर नियुक्त करने का चलन बढ़ा है। जिन विभागों में अभी दो से ज्यादा कंसल्टेंट हैं, वे 30 अप्रैल 2026 तक काम कर सकते हैं लेकिन 1 मई 2026 से किसी भी हालत में दो से ज्यादा आईटी कंसल्टेंट नहीं रहेंगे।

गांदरबल एनकाउंटर मामला: मजिस्ट्रियल जांच का आदेश

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने गांदरबल जिले के अरहामा इलाके में हुए एनकाउंटर को लेकर मजिस्ट्रियल जांच का आदेश दिया। यह कदम उस समय उठाया गया, जब एनकाउंटर के बाद इलाके में भारी आक्रोश और विवाद पैदा हो गया। मनोज सिन्हा ने स्पष्ट किया कि जांच पूरी तरह निष्पक्ष और व्यापक होगी और हर पहलू को ध्यान में रखते हुए न्याय सुनिश्चित किया जाएगा।

दरअसल घटना 1 अप्रैल की देर शाम को गांदरबल के अरहामा में हुए एनकाउंटर में राशिद अहमद मुगल निवासी चुंटवालीवार लार की मौत हो गई थी। सुरक्षा बलों के अनुसार, एनकाउंटर में एक अज्ञात आतंकवादी मारा गया, जबकि मृतक के परिवार का दावा है कि राशिद का आतंकवाद या किसी अवैध गतिविधि से कोई संबंध नहीं था। इस बात ने पूरे इलाके में और राजनीतिक गलियारों में सवाल खड़े कर दिए। इस घटना के बाद जम्मू-कश्मीर के गृह विभाग ने गांदरबल के जिलाधिकारी को आदेश दिया कि वे मामले की निष्पक्ष मजिस्ट्रियल जांच कराएं।

बहरीन के प्रस्ताव पर यूएन में रूस-चीन और फ्रांस ने लगाया वीटा

सैन्य बल प्रयोग से होर्मुज नहीं खुलने देंगे

- 10 अस्थायी देशों में भी उभरा मतभेद

संरा (एजेंसी)। अमेरिका-इजराइल की ईरान से जंग के बीच रूस, चीन और फ्रांस ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अरब देशों के होर्मुज जलमार्ग को खुलवाने को लेकर एक अहम प्रस्ताव को रोक दिया। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक प्रस्ताव में होर्मुज स्ट्रेट को खोलने के लिए सैन्य कार्रवाई की अनुमति देने की मांग की गई थी। इन देशों के वीटो की वजह से अब बहरीन और अन्य खाड़ी देशों द्वारा समर्थित इस प्रस्ताव को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया।

अधिकारियों के अनुसार, सुरक्षा परिषद के कई स्थायी सदस्यों ने इस प्रस्ताव का विरोध किया, जिसे बहरीन ने अपने खाड़ी पड़ोसी देशों के साथ मिलकर तैयार किया था। बहरीन द्वारा तैयार प्रस्ताव में सदस्य देशों और बहुराष्ट्रीय नौसैनिक बलों को 'सभी आवश्यक साधनों' का उपयोग करने की अनुमति मांगी गई थी ताकि समुद्र में अंतरराष्ट्रीय आवाजाही को बाधित होने से बचाया जा सके। हालांकि, सुरक्षा परिषद के तीन स्थायी सदस्यों (रूस, चीन और फ्रांस) ने स्पष्ट कर दिया है कि वे सैन्य बल के उपयोग की अनुमति देने वाली किसी भी शब्दावली के पक्ष में नहीं हैं।

इस प्रस्ताव पर अब वोटिंग होने की संभावना है। हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि कूटनीतिक प्रयासों से इन तीन वीटो पावर वाले देशों को मनाया जा सकेगा या नहीं। रूस, चीन और फ्रांस सुरक्षा परिषद के पांच स्थायी सदस्यों में शामिल हैं, जिनके पास वीटो पावर है। राजनयिकों के अनुसार, इस प्रस्ताव को लेकर 10 अस्थायी सदस्यों के बीच भी मतभेद थे।

दुनिया में बढ़ रहा तेल-गैस संकट

दरअसल, 28 फरवरी, 2026 को अमेरिका और इजराइल के साथ युद्ध शुरू होने के तुरंत बाद ईरान ने इस रणनीतिक मार्ग को बंद कर दिया था। यहां से दुनिया का लगभग 20% कच्चा तेल और गैस को ले जाया जाता है। इसके बंद होने से वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति बाधित हुई है और तेल, शिपिंग तथा बीमा की लागत बढ़ गई है। इस नाकेबंदी से वैश्विक ऊर्जा बाजार बुरी तरह प्रभावित हुआ है। कतर जैसे देशों को अपना उत्पादन पूरी तरह बंद करना पड़ा है, जिससे उन्हें 20 अरब डॉलर के सालाना राजस्व का नुकसान हो रहा है।

सीमा हैदर ने अपने 6वें बच्चे का नाम भारत रखा... महिलाओं के साथ किया कुंआ पूजन

नोएडा (एजेंसी)। पाकिस्तान से भारत आईं सीमा हैदर ने अपने बेटे का नाम 'भारत' रख दिया है। गुरुवार को रबूपुरा स्थित घर पर बेटे का नामकरण हुआ। नामकरण संस्कार के पहले सीमा ने कुंआ पूजन किया। डीजे की धुन पर नाचती-गाती मोहल्ले की महिलाएं पूजन करने निकलीं। घर पर भी संगीत समारोह का आयोजन हुआ। इसके पहले रात में माता के जागरण का आयोजन किया गया था। सीमा ने कहा कि हिंदू धर्म बहुत खूबसूरत है। वे बहुत खुश हैं। उन्हें हिंदू होने पर गर्व है। सीमा हैदर ने कहा कि मैं क्रिकेट मैच में भारत को सपोर्ट करती हूं। भारत जब मैच जीतता है, तब मुझे खुशी होती है। मैच के दौरान भगवान से प्रार्थना करती हूं कि भारत की ही जीत हो। भारत के लोग बहुत ही अच्छे हैं। वापस पाकिस्तान नहीं जाना चाहती। हर समाज के लोग रबूपुरा में रहते हैं। मुझे प्यार करते हैं, सम्मान देते हैं। मुझे अपनी बहू मानते हैं। दरअसल, सीमा हैदर के छठवें बच्चे का नामकरण संस्कार हुआ। उन्होंने 18 फरवरी 2026 को नोएडा के एक अस्पताल में बच्चे को जन्म दिया था। इससे पहले एक बेटी को भी जन्म दिया था। उसका नाम मीरा रखा था। सीमा के पाकिस्तानी पूर्व पति से चार बच्चे है। जबकि भारतीय पति सचिन मीणा से 2 बच्चे हैं। सीमा, पाकिस्तान छोड़कर चार साल पहले अपने प्रेमी सचिन के पास आ गई थी। यहां आकर उसने उससे शादी कर ली।

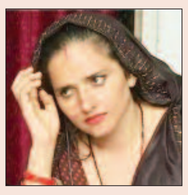

पटना में पीएमसीएच के पैथोलॉजी विभाग में भीषण आग... लाखों का सामना खाक

पटना (एजेंसी)। पटना मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (पीएमसीएच) के पैथोलॉजी विभाग में भीषण आग लगने से पूरे अस्पताल परिसर में हड़कंप मच गया। आग तेजी से फैलती हुई विभाग के बड़े हिस्से को अपनी चपेट में ले गई, जिससे मरीजों, उनके परिजनों और अस्पताल कर्मियों के बीच अफरा-तफरी का माहौल बन गया। स्थिति की गंभीरता को देखकर सभी को तुरंत सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, जिससे किसी बड़े जानमाल के नुकसान से बचाव हो सका। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की 5-6 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। खबर लिखे जाने तक आग पर पूरी तरह काबू नहीं पाया जा सका था, हालांकि दमकलकर्मी लगातार आग पर नियंत्रण पाने में जुटे रहे। एहतियात के तौर पर अस्पताल परिसर को खाली करा लिया गया और प्रशासन व पुलिस की टीमें मौके पर तैनात रहीं। इस हादसे में पैथोलॉजी विभाग के लाखों रुपये के उपकरण, मशीनें और कई महत्वपूर्ण दस्तावेज जलकर राख हो गए। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है, जिसकी पुष्टि अग्निशमन अधिकारी अजीत कुमार ने की है। राहत की बात यह रही कि इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है, लेकिन भारी आर्थिक नुकसान की आशंका है। प्रशासन द्वारा नुकसान का आकलन किया जा रहा है और आगे की जांच जारी है।

भारत में एक्स्ट्रा-मैरिटल डेटिंग ऐप्स का बढ़ता चलन, 40 लाख यूज़र्स के आंकड़े ने चौंकाया

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारत, जहाँ शादी को पारंपरिक रूप से एक पवित्र संस्था माना जाता रहा है, वहाँ अब रिश्तों की दुनिया में खामोश लेकिन बड़ा बदलाव दिख रहा है। एक्स्ट्रा-मैरिटल डेटिंग एप के ताज़ा आंकड़ों के अनुसार, देश में इसके यूजर्स की संख्या 40 लाख के पार पहुँच गई है। यह आँकड़ा शादी और वफादारी के प्रति बदलते सामाजिक दृष्टिकोण की ओर भी इशारा करता है। आंकड़ों के मुताबिक, बेंगलुरु 18 प्रतिशत यूजर्स के साथ सूची में सबसे आगे है। इसके बाद हैदराबाद (17 प्रतिशत), दिल्ली (11 प्रतिशत), मुंबई (9 प्रतिशत) और पुणे (7 प्रतिशत) का स्थान है। खास बात यह है कि अब यह चलन केवल महानगरों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि लखनऊ, सूरत, पटना और गुवाहाटी जैसे शहरों में भी तेजी से फैल रहा है। वर्ष 2024 में किए गए सर्वेक्षण में 25 से 50 वर्ष आयु वर्ग के 1,503 शादीशुदा लोगों को शामिल किया गया। इसके नतीजे बताते हैं कि 60 प्रतिशत से अधिक लोग गैर-पारंपरिक रिश्तों जैसे ओपन रिलेशनशिप को लेकर पहले से अधिक खुले हो गए हैं। यह संकेत देता है कि पारंपरिक वैवाहिक ढांचे को लेकर सोच में धीरे-धीरे बदलाव आ रहा है। जून 2025 के आंकड़ों के अनुसार, तमिलनाडु का कांचीपुरम जैसे शहर भी एक्स्ट्रा-मैरिटल अफेयर्स के प्रमुख केंद्रों में उभर रहे हैं। यूजर के हिसाब से 65 प्रतिशत पुरुष और 35 प्रतिशत महिलाएँ इन प्लेटफार्म्स का इस्तेमाल कर रही हैं। हालांकि, महिलाओं की भागीदारी में पिछले दो वर्षों में 148 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। औसतन, यूज़र्स रोजाना 1 से 1.5 घंटे इन एप पर बिताते हैं, जिसमें दोपहर 12 से 3 बजे और रात 10 बजे से आधी रात तक सबसे अधिक सक्रियता देखी जाती है।

कांग्रेस से हटकर वरिष्ठ नेता आनंद शर्मा ने पश्चिम एशिया संकट से निपटने के लिए मोदी सरकार की सराहना की

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता आनंद शर्मा ने पश्चिम एशिया में हाल के संकट पर एनडीए सरकार की नीति की सराहना कर परिपक्व और कुशल कूटनीति बता दिया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय हित को प्राथमिकता देकर स्थिति से निपटने के लिए राष्ट्रीय एकता जरुरी है। कांग्रेस नेता शर्मा ने लिखा कि भारत की प्रतिक्रिया ने संभावित जोखिमों से बचाव किया और इस राष्ट्रीय सहमति एवं दृढ़ संकल्प पर आधारित होना चाहिए। मोदी सरकार ने इस अनिश्चित और अस्थिर परिस्थिति में राजनीतिक दलों को नीतिगत निर्णयों से अवगत कराने के लिए सर्वदलीय बैठक बुलाई है। शर्मा ने कहा कि यह राष्ट्रीय संवाद जारी रहना चाहिए और संकट के समाधान में परिपक्व प्रतिक्रिया समय की मांग करती है। उन्होंने भविष्यवाणी की कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान के कारण रुपये का अवमूल्यन हो सकता है, और इस गिरावट को रोकने के लिए तत्काल कदम उठाने की जरूरत है। कांग्रेस नेता शर्मा ने कहा कि युद्ध ने ऊर्जा, आर्थिक और वैश्विक सुरक्षा चुनौतियों को और बढ़ा दिया है। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान, अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अस्थिरता और रुपये तथा अन्य मुद्राओं के अवमूल्यन से उत्पन्न होने वाली चुनौतियों से निपटना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि संकट की गंभीरता को पूरी तरह समझना होगा और नियम-आधारित बहुपक्षीय व्यवस्था और वैश्विक संकट प्रबंधन तंत्र के पतन पर विश्व मूकदर्शक नहीं बन सकता।

डीएमके के गढ़ में चुनौती देकर खुद को राज्य की राजनीति में मुख्य प्रतिद्वंद्वी बना रहे थलपति

बीते कई सालों से चेन्नई की 16 सीटें डीएमके की गढ़ रही

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु की राजनीति में एक नया तूफान उठ खड़ा हुआ है। सुपरस्टार थलापति विजय ने फरवरी 2024 में अपनी पार्टी तमिलगा वेट्री कड़गम (टीवीके) लांच की और विधानसभा चुनावों में चेन्नई को अपने अभियान का केंद्र बनाया है। चेन्नई का हर जिला लंबे समय से डीएमके का गढ़ रहा है, और यहाँ की 16 सीटें सत्ताधारी दल के कब्जे में रही हैं। विजय ने अपनी राजनीतिक रणनीति में दो सीटों से चुनाव लड़ने का फैसला किया है, तिरुचिरापल्ली (पूर्व) और पेरम्बूर। जहां तिरुचिरापल्ली उनके लिए सुरक्षित विकल्प है, वहीं पेरम्बूर सीट का महत्व इसलिए है क्योंकि यह मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन के कोलाथुर क्षेत्र से करीब है। पेरम्बूर से चुनाव लड़कर विजय सीधे डीएमके के मुखिया के सामने चुनौती पेश कर रहे हैं और खुद को उनके मुख्य प्रतिद्वंद्वी के रूप में बता रहे हैं।

विजय की रणनीति केवल व्यक्तिगत चुनौती तक सीमित नहीं है। चेन्नई में टीवीके के अन्य मजबूत उम्मीदवार भी चुनाव मैदान में हैं। महासचिव एन आनंद टी नगर से, आधव अर्जुना विल्लिवक्कम से, उप-महासचिव के राजमोहन एग्मोर से और एआईएडीएमके के पूर्व विधायक बीएस बाबू को कोलाथुर से उतारा गया है। बाबू का मुकाबला सीधे मुख्यमंत्री स्टालिन से होगा। इन उम्मीदवारों के माध्यम से टीवीके चेन्नई के विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों में अपनी पहचान मजबूत करना चाहती है।

चेन्नई पर विजय का फोकस डीएमके के लिए गंभीर चुनौती बन सकता है। डीएमके का यह गढ़ सालों से सुरक्षित माना जाता रहा है और एमजीआर या जयललिता जैसी दिग्गज हस्तियों ने भी चेन्नई में डीएमके को पूरी तरह से मात नहीं दी थी। एमजीआर ने तमिलनाडु में लगातार तीन चुनाव जीतकर राज्य में अपना दबदबा बनाया था, लेकिन चेन्नई में डीएमके पर पूर्ण नियंत्रण नहीं कर सके। जयललिता की लगातार दस साल की कोशिशों ने 2006 और 2011 में डीएमके के गढ़ को कुछ हद तक कमजोर किया था, लेकिन 2016 में डीएमके ने अपना दबदबा फिर से मजबूत किया और 2021 के विधानसभा चुनावों में डीएमके गठबंधन ने चेन्नई की सभी 16 सीटें जीत लीं।

विजय का चेन्नई पर ध्यान सिर्फ़डीएमके की सत्ता को चुनौती देने तक सीमित नहीं है। यह एआईएडीएमके को भी हाशिये पर करने की रणनीति है। एआईएडीएमके ने भाजपा के साथ गठबंधन किया है, वहीं डीएमके ने कांग्रेस को अपने साथ जोड़कर चुनावी तैयारी की है। विजय का उद्देश्य यह दिखाना है कि उनकी पार्टी केवल नए विकल्प के रूप में नहीं है, बल्कि तमिलनाडु की राजनीति में एक मुख्य विपक्षी दल के रूप में स्थापित हो सकती है। इसके लिए उन्होंने अपने प्रसिद्ध चेहरे और युवा समर्थकों को मैदान में उतारा है।

पेरम्बूर सीट का चुनाव विजय के राजनीतिक उदय का प्रतीक है। यह विधानसभा क्षेत्र सीधे डीएमके के वर्तमान विधायक आरडी शेखर के इलाके से लगता है, और यहां से विजय का मुकाबला मुख्यमंत्री स्टालिन से होगा। यह सीट विजय को डीएमके के गढ़ में अपनी ताकत दिखाने और सीधे मुकाबला करने का अवसर देती है। यह रणनीति उन्हें तमिलनाडु में करिश्माई और प्रभावशाली नेता के रूप में स्थापित करने में मदद कर सकती है।

संसद का विशेष सत्र बुलाए जाने पर मैं पीएम मोदी का धन्यवाद करता हूं : चिराग पासवान

-उम्मीद करता हूं कि विपक्ष भी महिलाओं से जुड़े इस बिल का समर्थन करेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)।केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने नारी शक्ति वंदना अधिनियम में संशोधन के संबंध में विशेष संसदीय सत्र बुलाने के एनडीए सरकार के फैसले की सराहना कर कहा कि लोक जनशक्ति पार्टी (राम विलास), ने हमेशा इसतरह के मुद्दे को बहुत महत्व दिया है। केंद्रीय मंत्री पासवान ने कहा कि महिलाएं इसकी मांग करती रही हैं और हमारी पार्टी ने लगातार इस मांग का समर्थन किया है, हमारे दिवंगत नेता राम विलास पासवान जी के समय से ही। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार द्वारा विशेष सत्र बुलाए जाने पर मैं प्रधानमंत्री मोदी जी को धन्यवाद देता हूं और आशा करता हूं कि विपक्ष भी इस बिल का समर्थन करेगा। सरकारी सूत्रों के अनुसार, मोदी सरकार अप्रैल के तीसरे सप्ताह में संसद का बजट सत्र पुनः बुलाने की तैयारी में है, ताकि लोकसभा सीटों की संख्या 543 से बढ़ाकर 816 करने का प्रस्ताव करने वाला संशोधन विधेयक पेश किया जा सके। जिसमें महिलाओं के लिए 273 सीटें आरक्षित रहेगी। एजेंडा में 2023 के नारी शक्ति वंदना अधिनियम में संशोधन और परिसीमन आयोग विधेयक को पेश करना भी शामिल हो सकता है। केंद्र सरकार परिसीमन और सीट पुनर्वितरण के लिए 2011 की जनगणना को आधार बनाना चाहती है।

इजरायल यात्रा के दौरान सैन्य कार्रवाई को लेकर पीएम मोदी की नहीं हुई चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। न प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हालिया इजरायल यात्रा को लेकर संसद में उठे सवालों के बीच सरकार ने स्थिति स्पष्ट कर दी है। राज्यसभा में इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग के सांसद अब्दुल वहाब द्वारा पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए सरकार ने उन अटकलों को सिरे से खारिज कर दिया है, जिनमें दावा किया जा रहा था कि भारत को ईरान पर होने वाले सैन्य हमले की पहले से जानकारी थी। विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने सदन में लिखित जवाब देते हुए स्पष्ट किया कि प्रधानमंत्री की 25-26 फरवरी की इजरायल यात्रा के दौरान ऐसी किसी सैन्य कार्रवाई या हमले को लेकर कोई चर्चा नहीं हुई थी।

सांसद अब्दुल वहाब ने विदेश मंत्रालय से प्रधानमंत्री की यात्रा के दौरान हुए समझौतों का ब्यौरा मांगा था और साथ ही यह भी पूछा था कि क्या सरकार को यात्रा के अगले ही दिन ईरान पर होने वाले अमेरिकी और इजरायली हमलों का पूर्वानुमान था। विदेश राज्य मंत्री ने बताया कि इजरायल के प्रधानमंत्री के निमंत्रण पर की गई इस राजकीय यात्रा का मुख्य उद्देश्य द्विपक्षीय साझेदारी को मजबूत करना था। इस दौरान दोनों देशों के बीच कृत्रिम बुद्धिमत्ता, साइबर सुरक्षा, कृषि, मत्स्य पालन, शिक्षा, वित्तीय सेवाओं और डिजिटल भुगतान जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में कई समझौतों और समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा संपन्न होने के ठीक बाद 28 फरवरी को इजरायल और अमेरिका ने ईरान के भीतर कई ठिकानों पर बड़े हमले किए थे, जिससे पश्चिम एशिया में तनाव चरम पर पहुंच गया। इस संयोग के कारण यह सवाल उठने लगे थे कि क्या रणनीतिक साझेदारी के चलते भारत को इसकी पूर्व सूचना दी गई थी। हालांकि, भारतीय विदेश मंत्रालय के साथ-साथ इजरायल ने भी इन दावों को गलत बताया है। इजरायली विदेश मंत्री गिदोन सार ने भी स्पष्ट किया कि ईरान पर हमले का निर्णय प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा के बाद शनिवार तड़के लिया गया था, क्योंकि अमेरिका और ईरान के बीच चल रही वार्ता गुरुवार को विफल हो गई थी। सरकार ने दोहराया है कि भारत के इजरायल के साथ संबंध लोकतांत्रिक मूल्यों और आर्थिक प्रगति के साझा एजेंडे पर आधारित हैं। 2026 के लिए दोनों देशों ने आपसी सहयोग को और गहरा करने का एक व्यापक खाका तैयार किया है। फिलहाल, पश्चिम एशिया में जारी जंग के बीच भारत ने साफ कर दिया है कि उसका ध्यान क्षेत्रीय स्थिरता और द्विपक्षीय विकास पर केंद्रित है, न कि किसी सैन्य अभियान की पूर्व जानकारी या भागीदारी पर।

क्या वह विश्वस्तर के बाबा वेंगा हो गए हैं, जो इस तरह की भविष्यवाणी कर रहे

-एनसीपी के विधायक के बीजेपी में जाने का राउत ने फोड़ा बम, बीजेपी ने किया पलटवार

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र की राजनीति में ऑपरेशन टाइगर की आहट और शिंदे की अगुवाई वाली शिवसेना के मंत्री की डिनर डिप्लोमेसी के बीच संजय राउत ने दावा किया था कि राज्य की सियासत में जल्द भूचाल आएगा। राउत ने भविष्यवाणी करते हुए कहा था कि आगामी दिनों में शिंदे गुट और एनसीपी (अजीत गुट) के 25 से 30 विधायक बीजेपी में शामिल हो जाएंगे। बीजेपी ने संजय राउत के बयान पर पलटवार किया है। इसमें बीजेपी ने उन्हें यूबीटी पर फोकस करने की नसीहत दी है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक संजय राउत के इस बयान पर बीजेपी ने शिवसेना यूबीटी के राज्यसभा सदस्य संजय राउत पर हमला बोलते हुए पूछा है कि क्या वह विश्वस्तर के बाबा वेंगा हो गए हैं, जो इस तरह की भविष्यवाणी कर रहे हैं। दरअसल सांसद संजय राउत अपने फायरब्रांड अंदाज के लिए जाने जाते हैं। हाल ही उनकी एक किताब रिलीज हुई थी। इसमें उन्होंने अरविंद केजरीवाल समेत कपिल सिब्बल को बुलाया था। उन्होंने इस किताब में भी कई धमाके किए हैं, हालांकि ताजा भविष्यवाणी पर बीजेपी ने राउत को घेरा। बीजेपी ने कहा कि भोंदूबाबा खरात जैसे लोगों को ठगते थे, वैसे ही संजूबाबा राउत भविष्यवाणी के नाम पर लोगों को गुमराह कर रहे हैं। बीजेपी में कौन सा दल विलय होगा या कौन कहां जाएगा, इस पर बोलने के बजाय अपने गुट पर ध्यान दें।

नवनाथ बन ने कहा कि संजय राउत चाहते हैं कि उद्धव ठाकरे विधानमंडल में जाएं, लेकिन वे वास्तव में जाएंगे या नहीं, यह कांग्रेस तय करेगी। कांग्रेस की कृपा होगी तभी उद्धव ठाकरे को विधायकी मिलेगी। यूबीटी अस्तित्व में आने से पहले शिवसेना बीजेपी के साथ थी, तब स्वाभिमान और सम्मान था, लेकिन अब आपने अपना स्वाभिमान कांग्रेस के पास गिरवी रख दिया है। विधायकी के लिए सोनिया गांधी के सामने जाकर मुजरा करना पड़ेगा। बन ने कहा था कि देवेंद्र फडणवीस ने क्या बोलना चाहिए, यह बताने के चक्कर में राउत को नहीं पड़ना चाहिए। यूबीटी गुट कांग्रेस में विलय होने वाला है और इसकी जिम्मेदारी संजय राउत ने ली है, ऐसा आरोप भी उन्होंने लगाया।

ममता की बढ़ेगी चिंता... भाईजान औवेसी ने बंगाल चुनाव में उतार दिए 12 प्रत्याशी

नई दिल्ली (एजेंसी)। (ईएमएस)। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) ने शुक्रवार को आगामी पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों के लिए अपने 12 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की है। औवेसी की पार्टी ने रघुनाथगंज से इमरान सोआंकी, आसनसोल उत्तर से दानिश अजीज, कंडी से मिस्बाहुल इस्लाम खान, सुजापुर से रेजाउल करीम और मोथाबारी से एडवोकेट मोहम्मद मुस्तहिद हक को चुनावी मैदान में उतारा है। नलहाटी से हाजी अंसार एसके साहब और मोरारी से तासीर एसके साहब को अपना प्रत्याशी बनाया है। बारासात से एआईएमआईएम ने मोनाएम सरदार को और करांडीघी से महबूब आलम को उम्मीदवार बनाया है। सूती से असदुल एसके, बसीरहाट दक्षिण से शबाना परवीन और हबरा से आसिक राज ममोंडल को मनोनीत किया गया है। बात दें कि एआईएमआईएम, तृणमूल कांग्रेस के पूर्व नेता हुमायूं कबीर द्वारा गठित आम जनता उन्नयन पार्टी (एजेयूपी) के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ रही है। एआईएमआईएम-एजेयूपी गठबंधन से मुस्लिम बहुल निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान हिस्सेदारी पर असर पड़ने की उम्मीद है। आगामी चुनाव को मुख्य रूप से सत्तारूढ़ अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बीच सीधा मुकाबला माना जा रहा है।

आनंद विहार नमो भारत स्टेशन पर शुरू हुआ सबसे बड़ा ईवी चार्जिंग स्टेशन, 10 वाहन एक साथ होंगे चार्ज

नई दिल्ली (शिखर समाचार)
राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम ने सतत भविष्य की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाते हुए दिल्ली मेरठ नमो भारत कॉरिडोर के आनंद विहार नमो भारत स्टेशन पर अब तक का सबसे बड़ा फास्ट इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) चार्जिंग स्टेशन शुरू कर दिया है। यह अत्याधुनिक सुविधा इलेक्ट्रिक वाहन धारकों को तेज और सुविधाजनक चार्जिंग उपलब्ध कराएगी, जिससे उनकी यात्रा और भी आसान हो सकेगी। साथ ही यह पहल एनसीआर क्षेत्र में स्वच्छ और हरित परिवहन को बढ़ावा देने के साथ प्रदूषण नियंत्रण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इस चार्जिंग स्टेशन पर 480 किलोवाट क्षमता की 10 हाई-वोल्टेज चार्जिंग यूनिट्स स्थापित की गई हैं, जिनकी मदद से एक ही समय में 10 इलेक्ट्रिक वाहनों को चार्ज किया जा सकता है। ये यूनिट्स चौपहिया वाहनों को लगभग 30 मिनट में 80 प्रतिशत तक चार्ज करने में सक्षम हैं। इसके अलावा भारी व्यावसायिक ई-वाहनों के लिए भी विशेष चार्जिंग पॉइंट्स उपलब्ध कराए गए हैं।

इलेक्ट्रिक वाहन उपयोगकर्ता ElectreeFi मोबाइल एप के माध्यम से इस सुविधा का लाभ उठा सकते हैं। गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड किए जाने वाले इस ऐप के जरिए उपयोगकर्ता पंजीकरण कर आसानी से चार्जिंग स्लॉट बुक कर सकते हैं। ऐप के माध्यम से रीयल-टाइम में चार्जिंग की स्थिति की निगरानी और डिजिटल भुगतान की सुविधा भी उपलब्ध है। आनंद विहार में इस सुविधा के शुरू होने के साथ अब साहिबाबाद, गुलधर, दुहाई, मुरादनगर, मोदीनगर साउथ, मोदीनगर नॉर्थ और मेरठ साउथ सहित कॉरिडोर के कुल आठ स्टेशनों पर ई-वाहन चार्जिंग सुविधा उपलब्ध हो गई है। इन स्टेशनों पर फास्ट और सामान्य दोनों प्रकार के चार्जिंग स्टेशन लगाए गए हैं। यह सुविधा उन यात्रियों के लिए विशेष रूप से लाभकारी साबित होगी, जो नमो भारत स्टेशनों तक पहुंचने के लिए अपने निजी इलेक्ट्रिक वाहनों का उपयोग करते हैं। अब वे स्टेशन पर ही अपने वाहन को आसानी से चार्ज कर सकेंगे। साथ ही आसपास के निवासियों को भी इसका सीधा लाभ मिलेगा, जिससे इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग को बढ़ावा मिलेगा। एनसीआरटीसी का यह प्रयास न केवल यात्रियों को आधुनिक सुविधाएं प्रदान करता है, बल्कि देश में स्वच्छ ऊर्जा और सतत विकास के लक्ष्यों को हासिल करने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण पहल है। आने वाले समय में कॉरिडोर के अन्य स्टेशनों पर भी इस तरह की सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा।

जनपथ स्थित हैंडलूम हाट में गांधी बुनकर मेला नेशनल हैंडलूम एक्सपो 2026 का आयोजन

नई दिल्ली (शिखर समाचार)
भारत की हस्तनिर्मित विरासत और पारंपरिक कौशल को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से गांधी बुनकर मेला नेशनल हैंडलूम एक्सपो 2026 का आयोजन नई दिल्ली के हैंडलूम हाट, जनपथ में 25 मार्च से 7 अप्रैल 2026 तक आयोजित किया जा रहा है। इस भव्य आयोजन का संचालन असम एपेक्स वीवर्स एंड आर्टिसन्स को-ऑपरेटिव फेडरेशन लिमिटेड द्वारा किया जा रहा है।
14 दिवसीय इस एक्सपो में देशभर से आए बुनकरों, कारीगरों और शिल्प समुदायों को एक साझा मंच प्रदान किया जा रहा है, जहाँ वे अपनी पारंपरिक कला, सांस्कृतिक पहचान और पीढ़ियों से संचित कौशल का प्रदर्शन कर रहे हैं। राजधानी के प्रमुख स्थल जनपथ स्थित हैंडलूम हाट इस दौरान भारत की विविध शिल्प परंपराओं की जीवंत झलक प्रस्तुत कर रहा है।
एक्सपो में हस्तशिल्प, हथकरघा वस्त्र, जूट उत्पाद, पारंपरिक परिधान, सांस्कृतिक विरासत से प्रेरित गृह सज्जा सामग्री और उपयोगी उपहारों की विस्तृत श्रृंखला प्रदर्शित की जा रही है। यहाँ देश के विभिन्न राज्यों की विशिष्ट शिल्प पहचान एक ही छत के नीचे देखने को मिल रही है, जो दर्शकों और खरीदारों के लिए आकर्षण का केंद्र बनी हुई है।
आयोजकों के अनुसार गांधी बुनकर मेला केवल एक प्रदर्शनी नहीं, बल्कि एक जीवंत सांस्कृतिक मंच है, जहाँ शिल्प को परंपरा, पहचान और आजीविका से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। यह आयोजन उन कारीगरों को सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है, जो वर्षों से बुनाई, नक्काशी और हस्तनिर्माण की परंपराओं को जीवित रखे हुए हैं। उनके उत्पाद न केवल वस्तुएं हैं, बल्कि उनकी मेहनत, अनुभव और सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक भी हैं।
यह एक्सपो सांस्कृतिक कार्यकर्ताओं, डिजाइनरों, खरीदारों और आम नागरिकों के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान कर रहा है, जहाँ वे पारंपरिक शिल्प को आधुनिक संदर्भ में समझ और सराह सकते हैं।
यह मेला शिल्प प्रेमियों और आम जनता के लिए एक खास अनुभव बनकर उभर रहा है, जहाँ भारतीय परंपरा और कला का सुंदर संगम देखने को मिल रहा है।

उम्र के आधार पर तय होगा नाबालिग सोशल मीडिया पर सक्रिए रहेंगे या नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार बच्चों और किशोरों द्वारा सोशल मीडिया के बढ़ते इस्तेमाल और उससे जुड़े जोखिमों को देखते हुए नए दिशा-निर्देश तैयार करने पर विचार कर रही है। सरकार का उद्देश्य सोशल मीडिया पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने के बजाय एक ऐसा संतुलित मॉडल विकसित करना है, जिसमें उम्र के आधार पर अलग-अलग स्तर की पहुंच और सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। इस महत्वपूर्ण विषय पर उद्योग जगत के प्रतिनिधियों और तकनीकी विशेषज्ञों के साथ गहन चर्चा का दौर जारी है।

प्रस्तावित नियमों के तहत मुख्य रूप से पेरेंटल कंट्रोल यानी अभिभावकों के नियंत्रण को मजबूत करने, स्क्रीन टाइम की एक निश्चित सीमा तय करने और कुछ संवेदनशील फीचर्स पर रोक लगाने जैसे सुझावों पर ध्यान दिया जा रहा है। वर्तमान में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर उम्र की जांच के पुख्ता इंतजाम न होने के कारण बच्चे गलत जानकारी देकर आसानी से अकाउंट बना लेते हैं, जिसे रोकने के लिए सरकार अब अधिक प्रभावी और तकनीकी रूप से उन्नत पहचान प्रणालियों पर विचार कर रही है। हालांकि, अभी यह तय होना बाकी है कि न्यूनतम उम्र सीमा 13 वर्ष रखी जाए या इसे बढ़ाकर 16 वर्ष किया जाए। इस योजना के क्रियान्वयन में सबसे बड़ी चुनौती ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के बीच देखी जा रही है, जहां अक्सर एक ही मोबाइल फोन पूरे परिवार द्वारा साझा किया जाता है। विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसी स्थिति में उपयोगकर्ता की सटीक उम्र की पहचान करना और नियमों को कड़ाई से लागू करना काफी जटिल होगा। साथ ही, यदि उम्र सीमा 16 या 18 वर्ष तय की जाती है, तो डिजिटल पहुंच सीमित होने और गोपनीयता (प्राइवेसी) से जुड़े नए कानूनी सवाल भी खड़े हो सकते हैं। सरकार का प्राथमिक लक्ष्य बच्चों को ऑनलाइन उपलब्ध हानिकारक सामग्री और साइबर खतरों से सुरक्षित रखना है। इसके लिए आईटी नियमों में आवश्यक संशोधन किए जा सकते हैं ताकि प्लेटफॉर्म्स की जवाबदेही तय की जा सके। फिलहाल, सभी संबंधित पक्षों से राय ली जा रही है और एक व्यापक विचार-विमर्श के बाद ही इस दिशा में अंतिम निर्णय लिया जाएगा, ताकि डिजिटल सुरक्षा और सूचना तक पहुंच के बीच एक सही संतुलन बना रहे।

आधुनिक स्वरूप में सजा थाना लिंक रोड, ट्रांस हिंडन जोन में पुलिसिंग को मिली नई रफ्तार

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। कमिश्नरेट गाजियाबाद के ट्रांस हिंडन जोन के अंतर्गत थाना लिंक रोड अब पूरी तरह आधुनिक और सुसज्जित स्वरूप में तैयार होकर जनता की सेवा के लिए समर्पित हो गया है। नए रूप में विकसित यह थाना न केवल देखने में आकर्षक है, बल्कि यहां की व्यवस्थाएं भी पूरी तरह से नागरिकों की सुविधा और त्वरित न्याय प्रणाली को ध्यान में रखकर तैयार की गई हैं।

थाना परिसर को अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस किया गया है, जिसमें डिजिटल रिकॉर्ड प्रबंधन, सीसीटीवी निगरानी, सुव्यवस्थित कार्यालय कक्ष, बेहतर प्रतीक्षालय, स्वच्छ पेयजल, महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों के लिए विशेष सुविधाएं शामिल हैं। इसके अलावा शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया को भी पहले से अधिक सरल और पारदर्शी बनाया गया है, जिससे आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

पुलिस आयुक्त रविंद्र जे. गौड़ ने कहा कि कमिश्नरेट प्रणाली के तहत पुलिसिंग को आधुनिक, पारदर्शी और जनहितैषी बनाना प्राथमिकता है। थाना लिंक रोड का यह नया स्वरूप उसी दिशा में एक मजबूत कदम है, जिससे जनता को बेहतर और त्वरित सेवाएं मिल सकेंगी।

अतिरिक्त पुलिस आयुक्त केशव चौधरी ने बताया कि थानों को आधुनिक संसाधनों से सुसज्जित कर पुलिस की कार्यक्षमता को बढ़ाया जा रहा है, जिससे अपराध नियंत्रण और कानून व्यवस्था को और प्रभावी बनाया जा सके। वहीं

अतिरिक्त पुलिस आयुक्त राजकिरण अय्यर ने कहा कि पुलिस-जन संवाद को मजबूत करना और नागरिकों को सहज वातावरण उपलब्ध कराना इस पहल का मुख्य उद्देश्य है।

डीसीपी सिटी धवन जायसवाल ने बताया कि थाना लिंक रोड को एक ह्लजन सेवा केंद्रह्व के रूप में विकसित किया गया है, जहां हर शिकायत को प्राथमिकता के आधार पर दर्ज कर उसका त्वरित निस्तारण सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि नए स्वरूप के साथ पुलिस स्टाफ को व्यवहारिक और तकनीकी रूप से और अधिक सक्षम बनाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

स्थानीय नागरिकों और व्यापारियों ने इस पहल का स्वागत करते हुए इसे एक सराहनीय कदम बताया है। उनका कहना है कि आधुनिक सुविधाओं से युक्त इस थाना परिसर से पुलिस के प्रति विश्वास बढ़ेगा और लोगों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए बेहतर माहौल मिलेगा।

कमिश्नरेट गाजियाबाद का यह प्रयास पुलिसिंग के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण सुधार के रूप में देखा जा रहा है, जो आने वाले समय में अन्य थानों के लिए भी एक प्रेरणा बनेगा।

निजी विद्यालयों में महंगी किताबों पर रोक की मांग, सांसद ने मुख्यमंत्री से की मुलाकात

मोदीनगर (शिखर समाचार)। बागपत मोदीनगर क्षेत्र से सांसद डॉ राजकुमार सांगवान ने लखनऊ पहुंचकर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भेंट कर निजी विद्यालयों द्वारा महंगी पुस्तकों के माध्यम से अभिभावकों पर डाले जा रहे आर्थिक बोझ का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। उन्होंने मुख्यमंत्री को पत्र सौंपते हुए बताया कि प्रदेश के अधिकांश निजी विद्यालयों में राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) की सस्ती एवं मानक पाठ्यक्रम की पुस्तकों के स्थान पर निजी प्रकाशकों की महंगी पुस्तकें अनिवार्य रूप से लागू की जा रही हैं, जिससे अभिभावकों का आर्थिक शोषण हो रहा है। सांसद ने अपने पत्र में उल्लेख किया कि इस स्थिति का सबसे अधिक असर मध्यम एवं निम्न आय वर्ग के परिवारों पर पड़ रहा है, जिन्हें हर वर्ष भारी खर्च वहन करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि शिक्षा परिषद के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद विद्यालय प्रबंधक एनसीईआरटी की पुस्तकों को दरकिनार कर निजी प्रकाशकों की अत्यधिक महंगी संदर्भ पुस्तकें लागू कर रहे हैं, जिनकी कीमतें कई गुना अधिक हैं। उन्होंने यह भी बताया कि कई निजी विद्यालय प्रबंधन और चुनिंदा पुस्तक विक्रेताओं के बीच मिलीभगत के चलते अभिभावकों को केवल निर्धारित दुकानों से ही पुस्तकें खरीदने के लिए बाध्य किया जा रहा है। इन पुस्तकों पर किसी प्रकार की छूट भी उपलब्ध नहीं कराई जाती, जबकि इनकी शैक्षिक उपयोगिता भी सीमित पाई जाती है। इससे अभिभावकों में रोष व्याप्त है और वे स्वयं को असहाय महसूस कर रहे हैं। सांसद ने मुख्यमंत्री से मांग की कि निजी विद्यालयों को एनसीईआरटी पाठ्यक्रम की पुस्तकों को प्राथमिकता देने के लिए कठोर निर्देश जारी किए जाएं। साथ ही निजी प्रकाशकों की पुस्तकों के लिए एक निश्चित मूल्य निर्धारित करने की व्यवस्था लागू की जाए, ताकि अनावश्यक मुनाफाखोरी पर रोक लग सके। इसके अतिरिक्त अभिभावकों की शिकायतों के त्वरित निस्तारण हेतु जिला स्तर पर निगरानी समिति गठित करने की भी मांग की गई।

इस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया और कहा कि अभिभावकों के हितों की रक्षा के लिए उचित कदम उठाए जाएंगे।

गैस सिलेंडर पर प्रशासन सख्त : कालाबाजारी रोकने को कमेटी गठित, हेल्पलाइन जारी

हापुड़ (शिखर समाचार)। जिले में रसोई गैस सिलेंडरों की किल्लत और कालाबाजारी पर रोक लगाने के लिए जिला प्रशासन ने सख्त कदम उठाए हैं। इस दिशा में तीन सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया है, साथ ही उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए हेल्पलाइन नंबर भी जारी किए गए हैं। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अब किसी भी उपभोक्ता या सामाजिक/धार्मिक आयोजन में गैस की कमी नहीं होने दी जाएगी।

जानकारी के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चल रहे युद्ध के प्रभाव को देखते हुए गैस आपूर्ति में संभावित दिक्कतों और कालाबाजारी को रोकने के लिए यह व्यवस्था लागू की गई है। प्रशासन द्वारा गठित कमेटी उपभोक्ताओं की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करेगी।

जिला पूर्ति अधिकारी डॉ. सीमा बालियान ने बताया कि जिले में फिलहाल गैस की कोई कमी नहीं है। यदि किसी उपभोक्ता को समस्या होती है तो वह टोल फ्री नंबर 0 1 2 2 2 3 0 4 8 3 4 , 01222304835 और 1077 पर शिकायत दर्ज करा सकता है।

उन्होंने यह भी बताया कि शादी विवाह, धार्मिक और सामाजिक आयोजनों के लिए अब पहले से ही सिलेंडर की मांग की जा सकती है। इसके लिए तहसील स्तर पर कमेटी गठित कर दी गई है, जिसमें तहसीलदार, पूर्ति निरीक्षक और क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी शामिल हैं। संबंधित व्यक्ति अपनी तहसील में आवेदन देकर आवश्यक सिलेंडर प्राप्त कर सकते हैं।

शामली में जल्द खुलेगा पासपोर्ट कार्यालय, लोगों को मिलेगी बड़ी राहत

शामली (शिखर समाचार)। जनपद शामली के लोगों के लिए एक बड़ी सुविधा जल्द ही शुरू होने जा रही है। अब पासपोर्ट बनवाने के लिए नागरिकों को गाजियाबाद के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे, क्योंकि शामली में ही पासपोर्ट कार्यालय का शुभारंभ होने जा रहा है।

लघु उद्योग भारती के मंडल अध्यक्ष अंकित गोयल ने गाजियाबाद स्थित क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी अनुज स्वरूप से उनके कार्यालय में मुलाकात कर शामली में पासपोर्ट कार्यालय खोले जाने की प्रक्रिया शुरू होने पर आभार व्यक्त किया। इस दौरान क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी अनुज स्वरूप ने बताया कि विदेश मंत्रालय से शामली में पासपोर्ट कार्यालय खोलने की अनुमति मिल चुकी है और इसके लिए आवश्यक प्रक्रियाएं प्रारंभ कर दी गई हैं। उन्होंने जानकारी दी कि कार्यालय के लिए बिजली कनेक्शन, विद्युत फिटिंग, वाई फाई सुविधा तथा फर्नीचर की व्यवस्था के लिए निविदा जारी कर दी गई है। सभी आवश्यक कार्य पूर्ण होते ही पासपोर्ट कार्यालय का शुभारंभ कर दिया जाएगा।

अनुज स्वरूप ने यह भी बताया कि कार्यालय में तीन अधिकारियों और कर्मचारियों का स्थायी स्टाफ तैनात किया जाएगा, जिससे कार्य सुचारू रूप से संचालित हो सके। अंकित गोयल ने कहा कि पासपोर्ट कार्यालय खुलने से शामली के नागरिकों को बड़ी राहत मिलेगी। इससे समय और धन दोनों की बचत होगी और लोगों को अपने ही जनपद में यह महत्वपूर्ण सेवा आसानी से उपलब्ध हो सकेगी।

परोपकार ही सबसे बड़ा धर्म : मुनि विशद सागर

शामली (शिखर समाचार)। शहर की जैन धर्मशाला में आयोजित धार्मिक सभा में कैराना से पधारे मुनि 108 विशद सागर महाराज ने अपने प्रवचनों में परोपकार को मानव जीवन का सर्वोच्च धर्म बताया। उन्होंने कहा कि सच्चा धर्म बाहरी आडंबरों में नहीं, बल्कि मन, वचन और कर्म की शुद्धता में निहित होता है। शुक्रवार को आयोजित सभा में मुनिराज ने भगवान महावीर के सिद्धांत परस्परोपग्रहो जीवानाम का उल्लेख करते हुए कहा कि सभी जीव एक-दूसरे के लिए सहायक हैं और यही सच्चे धर्म की आधारशिला है। उन्होंने बताया कि जब व्यक्ति दूसरों के दुख को अपना समझकर उनकी सहायता करता है, तभी वह वास्तविक धर्म का पालन करता है।

प्रवचन के दौरान मुनि विशद सागर महाराज ने भोला राम नामक एक गरीब युवक की प्रेरणादायक कथा सुनाई। कथा के माध्यम से उन्होंने समझाया कि किस प्रकार उस युवक ने अपनी कठिनाइयों को दरकिनार कर दूसरों की सहायता को प्राथमिकता दी। गुरु की कृपा

से उसे ऐसे समाधान प्राप्त हुए, जिससे न केवल अन्य लोगों का जीवन सुधरा बल्कि उसकी अपनी दरिद्रता भी समाप्त हो गई। मुनिराज ने कहा कि दया, सेवा और त्याग ही धर्म के सच्चे स्वरूप हैं। जो व्यक्ति निस्वार्थ भाव से दूसरों के हित में कार्य करता है, वही सच्चा धर्मात्मा कहलाता है। उन्होंने उपस्थित लोगों से आह्वान किया कि वे अपने जीवन में परोपकार की भावना को अपनाएं और समाज के कमजोर एवं जरूरतमंद वर्गों की सहायता के लिए आगे आएं।

मोदीनगर में हिस्ट्रीशिटर राहुल पर चली ताबड़तोड़ गोलियां, अस्पताल में भर्ती

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। थाना मोदीनगर क्षेत्र में हिस्ट्रीशिटर राहुल चौधरी उर्फ राहुल जाट पर नकाबपोश बदमाश ने ताबड़तोड़ फायरिंग की। फायरिंग में हिस्ट्रीशिटर राहुल के कई गई गोलियां लगी और वह खुद अपनी गाड़ी चला कर अस्पताल पहुंचा। उसको गंभीर अवस्था में अस्पताल में भर्ती कर गया, जहां इस समय उसका इलाज चल रहा है। हिस्ट्रीशिटर राहुल पर फायरिंग से जुड़ा एक सीसीटीवी वीडियो सामने आया है। सीसीटीवी में दिख रहा है कि राहुल कुछ सामान लेकर अपनी गाड़ी स्कॉर्पियो में बैठता है। इसी दौरान एक नकाबपोश उसकी गाड़ी के पास पहुंचता है और उसके ऊपर ताबड़तोड़ गोलियां चलानी शुरू कर देता है। गोली चलाते हुए ही राहुल गाड़ी लेकर मौके से निकल जाता है। एसीपी मोदीनगर भास्कर वर्मा ने बताया कि राहुल चौधरी उर्फ राहुल जाट के ऊपर थाना मोदीनगर में ऊपर कई आपराधिक मुकदमे दर्ज है। वर्तमान में वह राजनगर में रह रहा है और यहां मोदीनगर में अपने कुछ साथियों से मिलने आया था। इसी दौरान उसने एक ढाबे से कुछ सामान दिया और अपनी गाड़ी पर जाकर बैठने लगा। इसी दौरान एक व्यक्ति उसकी गाड़ी के पास पैदल पहुंचा और उसके ऊपर गोलियां चलानी शुरू कर दी। राहुल खुद गाड़ी चला कर मौके से निकाला और संजय नगर में एक अस्पताल में जाकर भर्ती हो गया। सीसीटीवी व अन्य माध्यमों से गोली चलाने वाले की पहचान करने का कार्य किया जा रहा है और जल्दी उसे गिरफ्तार किया जाएगा। राहुल इस समय अस्पताल में भर्ती है और उसका इलाज चल रहा है।

न्याय सबके लिए: गाजियाबाद में विधिक जागरूकता कार्यक्रम ने दी अधिकारों की नई रोशनी

आरव शर्मा

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए), गाजियाबाद द्वारा शुक्रवार को एक महत्वपूर्ण विधिक जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें समाज के कमजोर वर्गों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने और न्याय तक उनकी पहुंच आसान बनाने पर विशेष जोर दिया गया।

कार्यक्रम का संचालन सचिव संजय सिंह द्वितीय द्वारा किया गया, जिन्होंने प्रतिभागियों को सरल एवं प्रभावी भाषा में विभिन्न विधिक योजनाओं, निःशुल्क सहायता सेवाओं और सरकारी प्रावधानों की विस्तृत जानकारी दी।

हर वर्ग को न्याय दिलाने की पहल

इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं, बच्चों, आर्थिक रूप से कमजोर व्यक्तियों, अनुसूचित जाति जनजाति वर्ग, दिव्यांगों और वरिष्ठ नागरिकों को उनके कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक करना तथा उन्हें न्याय प्राप्त करने में सहयोग प्रदान करना रहा।

योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी गई

निःशुल्क विधिक सहायता योजना

कानूनी सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 के अंतर्गत संचालित इस योजना के तहत पात्र व्यक्तियों को मुफ्त वकील, कोर्ट फीस में छूट, कानूनी सलाह एवं पूरे केस में सहायता प्रदान की जाती है।

लोक अदालत योजना

लोक अदालत के माध्यम से आपसी सहमति से विवादों का त्वरित और सरल निपटारा किया जाता है। इसमें बिजली बिल, बैंक ऋण, पारिवारिक विवाद और दुर्घटना

मुआवजा जैसे मामलों का समाधान बिना कोर्ट फीस के किया जाता है।

पीड़ित क्षतिपूर्ति योजना

अपराध से प्रभावित व्यक्तियों को आर्थिक सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से यह योजना संचालित है, जिसमें गंभीर चोट, मृत्यु और महिला अपराध पीड़ितों को विशेष सहायता दी जाती है।

महिला एवं बाल संरक्षण योजनाएं

महिलाओं को घरेलू हिंसा, दहेज उत्पीड़न और कार्यस्थल पर उत्पीड़न से सुरक्षा दी जाती है, वहीं बच्चों के लिए बाल श्रम निषेध, बाल विवाह रोकथाम और शिक्षा के अधिकार को सुनिश्चित किया जाता है।

विधिक जागरूकता अभियान

स्कूल, कॉलेज, ग्राम पंचायत और शहरी क्षेत्रों में नियमित रूप से कैंप आयोजित कर लोगों को उनके अधिकारों की जानकारी दी जाती है।

कानूनी हेल्पलाइन (15100)

इस हेल्पलाइन के माध्यम से घर बैठे कानूनी सलाह, मार्गदर्शन और शिकायत दर्ज कराने की सुविधा उपलब्ध है।

जेल विधिक सेवा योजना

जेल में बंद बंदियों को मुफ्त वकील, केस की जानकारी और अपील में सहायता प्रदान की जाती है।

सिविल एवं पारिवारिक विवाद सहायता

तलाक, भरण पोषण, संपत्ति और श्रम विवादों में पैनल अधिवक्ताओं द्वारा निःशुल्क सहायता उपलब्ध कराई जाती है।

कार्यक्रम की प्रमुख उपलब्धियां

सभी योजनाओं की स्पष्ट एवं व्यवहारिक जानकारी दी गई

प्रतिभागियों को उदाहरणों के माध्यम से समझाया गया

लोगों की जिज्ञासाओं का समाधान किया गया

विधिक सहायता प्राप्त करने की प्रक्रिया को सरल बनाया गया

यह कार्यक्रम समाज के लिए अत्यंत उपयोगी और प्रभावशाली साबित हुआ। डीएलएसए द्वारा संचालित योजनाएं आम नागरिकों को न्याय दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। प्रशिक्षण सत्र ने प्रतिभागियों को न केवल जागरूक किया, बल्कि उन्हें अपने अधिकारों के प्रति सजग भी बनाया।

कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, गाजियाबाद एवं सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया गया।

खोड़ा में विशेष समुदाय से जुड़ी पत्नी ने गला दबाकर की पति की हत्या, गिरफ्तार

मृतक - बिजेंद्र

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। थाना खोड़ा क्षेत्र के शंकर विहार कॉलोनी में उस समय अफरा तफरी हो गई, जब लोगों को बिजेंद्र की मौत की सूचना मिली। बिजेंद्र की संदिग्ध मौत की सूचना पुलिस को दी गई, जिसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंच कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। बिजेंद्र की गला दबाकर हुई हत्या में पुलिस ने आरोपी पत्नी सोनिया को गिरफ्तार कर लिया है। खास बात यह है कि बिजेंदर और साजिया की लगभग 11 साल पहले लव मैरिज हुई थी, वही दोनों के दो बच्चे भी हैं। बिजेंद्र के चचेरे भाई ने बताया कि दोनों के बीच हमेशा तनाव का माहौल बना रहता था और अक्सर किसी न किसी बात पर लड़ाई होती रहती थी। जब वह घर पहुंचा दो उसे समय भी दोनों के बीच लड़ाई चल रही थी। कमरे से तेज गानों की आवाज आ रही थी, जिस कारण उन दोनों की आवाज स्पष्ट साफ नहीं थी। कुछ देर बाद सोनिया कमरे से निकली और घर के बाहर चली गई। उन्होंने जब कमरे में जाकर देखा तो वहां पर बिजेंद्र बेहोश हालत में पड़ा हुआ था। उन्होंने तत्काल में इस संबंध में पुलिस को सूचना दी। उसने बताया कि इन दोनों की 11 साल पहले लव मैरिज हुई थी। बिजेंद्र की पत्नी सोनिया विशेष समुदाय से जुड़ी हुई थी और शराब की आदि थी। पुलिस ने मृतक के भाई की शिकायत पर मुकदमा दर्ज करके आरोपी पत्नी को गिरफ्तार कर लिया गया है और बीएनएस की धारा के तहत कार्यवाही की जा रही है।

मिशन शक्ति फेज 5 : महिलाओं व बालिकाओं को किया जागरूक, सुरक्षा का संदेश

हापुड़ (शिखर समाचार)। महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा एवं सम्मान को लेकर चलाए जा रहे मिशन शक्ति फेज 5 के तहत महिला थाना टीम ने जिले में व्यापक जागरूकता अभियान चलाया। महिला थाना प्रभारी निरीक्षक अरूणा राय ने अपनी टीम के साथ बाजार और स्कूलों में पहुंचकर महिलाओं और बालिकाओं को सुरक्षा संबंधी जानकारी दी। इस दौरान विभिन्न सरकारी योजनाओं और हेल्पलाइन नंबरों के बारे में विस्तार से बताया गया। अभियान के दौरान बालिकाओं को आपात स्थिति में सहायता के लिए विमेन पावर लाइन 1090, पुलिस सेवा 112, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, चाइल्ड लाइन 1098, एम्बुलेंस सेवा 102 व 108 की जानकारी दी गई। साथ ही उनसे उनकी समस्याओं के बारे में भी पूछा गया, हालांकि किसी ने कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई। अरूणा राय ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं के मन से भय को समाप्त करना और उन्हें उनके अधिकारों के प्रति जागरूक बनाना है। उन्होंने कहा कि गांवों और स्कूलों में लगातार अभियान चलाकर बालिकाओं को निडर बनने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत सूचना पुलिस को देने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इसके साथ ही कन्या सुमंगला योजना, आयुष्मान भारत योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, बैंकिंग कॉरेस्पोंडेंट सखी और राष्ट्रीय पोषण मिशन जैसी योजनाओं की भी विस्तृत जानकारी दी गई।

एम्बुलेंस कर्मियों का सम्मान, बेहतर स्वास्थ्य सेवा के लिए बढ़ाया हौसला

हापुड़ (शिखर समाचार)। जिले में मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से ईएमटी (इमरजेंसी मेडिकल टेक्नीशियन) दिवस मनाया गया। इस अवसर पर धौलाना ब्लॉक स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और सीएमओ कार्यालय में 102 एवं 108 एम्बुलेंस कर्मियों को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. वेद प्रकाश अग्रवाल ने चयनित एम्बुलेंस कर्मियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान करते हुए उनके समर्पण और सेवा भावना की सराहना की। इस दौरान जिला प्रभारी सौरभ शर्मा भी मौजूद रहे। जिला प्रभारी सौरभ शर्मा ने कहा कि आपातकालीन सेवाओं में ईएमटी की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण होती है। वे हर परिस्थिति में मरीजों को समय पर सहायता पहुंचाकर उनकी जान बचाने में अहम योगदान देते हैं। उन्होंने कहा कि यह सम्मान कर्मियों के मनोबल को बढ़ाता है और उन्हें और बेहतर कार्य करने के लिए प्रेरित करता है।

खड़े वाहनों में लगी भीषण आग, क्रेन व कार समेत कई वाहन जलकर राख

हापुड़ (शिखर समाचार)। थाना धौलाना क्षेत्र के यूपीएसआईडीसी स्थित चौकी चौराहा के पास खड़े वाहनों में अचानक भीषण आग लग गई, जिससे हाइड्रा क्रेन, फ्रोंक्स कार समेत कई वाहन जलकर खाक हो गए। जानकारी के अनुसार सड़क किनारे खड़ी हाइड्रा क्रेन, फ्रोंक्स कार, बाइक और अन्य वाहनों में अचानक आग भड़क उठी। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया, जिससे आसपास अफरा-तफरी मच गई।

सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। फायर स्टेशन प्रभारी सचिन बालियान ने बताया कि आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है। घटना में एक हाइड्रा क्रेन, फ्रोंक्स कार, हीरो ग्लैमर बाइक और एक खोखा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए।

सरकार पुलिस में 81 हजार पदों पर भर्ती निकालेगी

सीएम योगी बोले: ये साल युवाओं के लिए बेहद महत्वपूर्ण, सभी भर्ती टाइम पर होंगी

लखनऊ ((एजेंसी))। यूपी पुलिस में 81 हजार से अधिक पदों पर भर्ती निकाली जाएगी। इसका ऐलान खुद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया। वे पुलिस विभाग के कामकाज की समीक्षा कर रहे थे। सीएम ने कहा- उत्तर प्रदेश पुलिस में शामिल होने की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए 2026-27 बेहद महत्वपूर्ण रहने वाला है। इस एक वर्ष में यूपी पुलिस में 81 हजार से अधिक पदों पर भर्ती की तैयारी की जा रही है। मुख्यमंत्री ने कानून-व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए निर्देश दिए। उन्होंने यह भी कहा कि राजभवन, मुख्यमंत्री आवास, पुलिस मुख्यालय सहित लखनऊ में लंबे समय से तैनात पुलिसकर्मियों का ट्रांसफर होना चाहिए। सीएम ने अधिकारियों से नतीजे देने वाली कार्यशैली अपनाने और हर स्तर पर जवाबदेही सुनिश्चित करने को कहा है। बैठक में अफसरों ने सीएम को बताया- उपनिरीक्षक, सिपाही, रेडियो सहायक परिचालक, कंप्यूटर ऑपरेटर ग्रेड-ए और पुलिस उपनिरीक्षक (गोपनीय) सहित कई कैटेगरी में 81 हजार से अधिक पदों पर भर्ती प्रस्तावित है। इनमें से कुछ की प्रक्रिया शुरू भी हो गई है। योगी ने उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड को निर्देश दिए कि सभी सीधी भर्तियां पूरी पारदर्शिता, निष्पक्षता और तय आरक्षण प्रावधानों के हिसाब से समय पर पूरी कराई जाएं। उन्होंने भर्ती प्रक्रिया को तकनीक आधारित बनाने पर जोर दिया, ताकि युवाओं का विश्वास और मजबूत हो सके। पीआरवी-112 सेवा की समीक्षा के दौरान सीएम योगी ने पीआरवी की रणनीतिक लोकेशन तय करने और लगातार मूवमेंट सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा, औसतन 6 मिनट के रिस्पांस टाइम को और कम किया जाए। इसके लिए डेटा आधारित पेट्रोलिंग, बेहतर फील्ड समन्वय और जरूरत के अनुसार अतिरिक्त चार पहिया और दो पहिया वाहन उपलब्ध कराने को कहा गया। हॉटस्पॉट आधारित पेट्रोलिंग के तहत हर 15 दिन में रूट चार्ट की समीक्षा के निर्देश भी दिए गए। अग्निशमन एवं आपात सेवा की समीक्षा में बताया गया कि 2025-26 में करीब 42 हजार आग की घटनाओं पर काबू पाया गया। 10 हजार से अधिक आपात मामलों में कार्रवाई की गई। इस दौरान लगभग 800 करोड़ रुपए की संपत्ति बचाई गई। मुख्यमंत्री ने हर जिले में हाइड्रोलिक फायर टेंडर उपलब्ध कराने और ह्यएक तहसील-एक फायर टेंडर लक्ष्य को प्राथमिकता से पूरा करने के निर्देश दिए। साइबर क्राइम मुख्यालय की समीक्षा में बताया गया कि 2025-26 में 425.7 करोड़ रुपए सुरक्षित कराए गए। कुल 3.91 लाख शिकायतें मिलीं, जबकि 3.14 लाख पर कार्रवाई हुई। इनमें 1.14 लाख क्टएक ब्लॉकिंग और 1.99 लाख अन्य डिवाइस कार्रवाई शामिल है। 7287 मामलों में कानूनी कार्रवाई की गई। साइबर हेल्पलाइन 1930 की कॉल हैंडलिंग क्षमता बढ़कर 1709 से 7467 कॉल प्रतिदिन हो गई है। कुल कॉल्स में करीब 59% मामलों का निस्तारण किया गया। 65,608 पुलिसकर्मियों को प्रशिक्षण दिया गया। 84,705 प्रमाणपत्र जारी किए गए। मुख्यमंत्री ने साइबर अपराध के खिलाफ तकनीक आधारित और त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। सतर्कता अधिष्ठान यानी विजिलेंस की समीक्षा में 414 लंबित जांचों का जिक्र किया गया। इनमें से 340 जांचों के निस्तारण का लक्ष्य तय किया गया है। मुख्यमंत्री ने भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति अपनाने और ट्रैप व सर्च कार्रवाई तेज करने के निर्देश दिए। कारागार प्रशासन की समीक्षा में न्यायालय पेशी के लिए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया। पुलिस रेडियो विभाग में 75 जिलों में ई-ऑफिस लागू करने की प्रक्रिया जारी है, जिनमें 63 जिलों में डिजिटलीकरण पूरा हो चुका है। 936 प्रधान परिचालकों का प्रशिक्षण भी जल्द शुरू होगा। आर्थिक अपराध अनुसंधान संगठन में सेंट्रल क्रैक टीम और केस मैनेजमेंट सिस्टम से जांच मजबूत करने की जानकारी दी गई। प्रशिक्षण निदेशालय के तहत 60 हजार से अधिक आरक्षियों को प्रशिक्षण दिया गया, जबकि 2026-27 में 4500 उपनिरीक्षकों का प्रशिक्षण प्रस्तावित है। उक्क की समीक्षा में विवेचना प्रणाली को और प्रभावी बनाने के निर्देश दिए गए। पुलिस आवास निगम ने 350 करोड़ रुपये से 142 निर्माण कार्य पूरे किए हैं, जबकि 2026-27 में 226 कार्य पूरे करने का लक्ष्य रखा गया है। नागरिक सुरक्षा विभाग में सभी जिलों में इकाइयों का गठन किया गया है। 7500 स्वयंसेवकों की भर्ती की गई है। राजकीय रेलवे पुलिस ने ऑपरेशन मुस्कान के तहत 2325 बच्चों को परिजनों से मिलाया। मुख्यमंत्री ने यात्रियों की सुरक्षा के लिए तकनीकी निगरानी और मजबूत करने के निर्देश दिए।

अब छोटे और पिछड़े जिलों में खुलेंगे बड़े औद्योगिक केंद्र

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में औद्योगिक विकास को संतुलित करने के लिए छोटे व पिछड़े जिलों में औद्योगिक क्षेत्रों के विकास की रणनीति बनाई गई है। उप्र राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) ने बलिया, हाथरस, फतेहपुर, बाराबंकी और चित्रकूट जैसे जिलों में बड़े औद्योगिक केंद्र विकसित करने के लिए हालिया फैसलों के साथ पहले के निर्णयों को भी जमीन पर उतारना शुरू कर दिया है। राज्य सरकार पहले से ही औद्योगिक निवेश एवं रोजगार प्रोत्साहन नीति-2022 के तहत छोटे और पिछड़े जिलों में निवेश करने वाले उद्यमियों को अतिरिक्त सब्सिडी, सस्ती जमीन और स्टांप ड्यूटी में छूट जैसे लाभ दे रही। ओडीओपी योजना के जरिये स्थानीय उत्पादों पर आधारित उद्योगों को बढ़ावा देने की दिशा में भी काम हो रहा है। यूपीसीडा के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पहले चरण में कई छोटे जिलों में मिनी औद्योगिक एस्टेट और फ्लैटेड फैक्टरी कॉम्प्लेक्स विकसित करने की योजनाओं को विस्तार देते हुए बड़े औद्योगिक क्षेत्रों का विकास किया जा रहा है। अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास के अपर मुख्य सचिव आलोक कुमार ने बताया कि बलिया, हाथरस, फतेहपुर, बाराबंकी और चित्रकूट के औद्योगिक क्षेत्रों के प्रस्तावों पर विचार करते हुए कुछ शर्तों में ढील दी गई है। तलपट (लेआउट) मानचित्रों में संशोधन के निर्देश देते हुए उन्हें स्वीकृति दे दी गई है। इससे परियोजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी आएगी। पहले से बंद औद्योगिक इकाइयों और कताई मिलों की जमीन के पुन: उपयोग में लाने का फैसला भी लागू करना शुरू कर दिया गया है। बड़े शहरों पर औद्योगिक दबाव कम करने की रणनीति : छोटे जिलों में उद्योग स्थापित करने से न सिर्फ स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ेंगे, बल्कि बड़े शहरों पर बढ़ता औद्योगिक दबाव भी कम होगा। यही नहीं पूर्वांचल और बुंदेलखंड जैसे क्षेत्रों में निवेश का संतुलित वितरण सुनिश्चित होगा। सूत्रों के अनुसार आने वाले समय में छोटे जिलों में निवेशकों के लिए विशेष रोड शो और निवेश आमंत्रण कार्यक्रम भी होंगे।

यूपी के एक्सप्रेसवे पर सफर करना महंगा: 5 से 85 रुपए तक अधिक टोल देने होंगे

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी के एक्सप्रेसवे पर फरार्टा भरने वालों के लिए 1 अप्रैल 2026 सफर महंगा हो गया है। उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी (UPEIDA) ने टोल की नए रेट लागू कर दिए हैं। आगरा-लखनऊ, पूर्वांचल या बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे के टोल पर 5 रुपए से 85 रुपए तक की बढ़ोत्तरी की गई है।

लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर दोपहिया, तीनपहिया वाहनों का टोल 5 रुपए महंगा किया गया है। जबकि कार, जीप, वैन के लिए 10 रुपए अधिक टोल देना होगा। इसके अलावा भारी वाहनों पर 85 रुपए टोल अधिक देने होंगे। पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर छोटे वाहनों (दोपहिया और तिपहिया) के लिए राहत दी गई है। यहां टू-व्हीलर और थ्री व्हीलर वाहनों के लिए टोल टैक्स में कोई बढ़ोतरी नहीं की गई है। यात्रियों को पहले की तरह ही 350 रुपए का पेमेंट करना होगा। गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे का इस्तेमाल करने वाले कार चालकों के लिए थोड़ी बुरी खबर है। पिछले साल की तुलना में इस साल कार के टोल टैक्स में 10 रुपए की वृद्धि की गई है।

राप्ती नदी में डूबे चार किशोरों के शव मिले

किनारे पर चार साइकिल और कपड़े पड़े थे, दो दिन चला तलाशी अभियान

एजेंसी

गोरखपुर। खोराबार थाना इलाके के मिजार्पुर घाट स्थित पीपा पुल के पास राप्ती नदी में नहाने गए तीन अन्य किशोरों का शव शुक्रवार को बरामद कर लिया गया। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की चार टीमें लगातार नदी में सर्च अभियान चला रही थीं। किशोरों का मिलते ही घर में कोहराम मच गया, परिजनों को रो-रोकर बुरा हाल है। जानकारी के अनुसार, कैंट थाना क्षेत्र के रानीडीहा शिवमंदिर टोला निवासी अमन उर्फ बीरू राजभर (15), मालवीय नगर निवासी विवेक निषाद (15), जंगल सिकरी निवासी गगन पासवान (15) और रानीडीहा निवासी अनिकेत यादव (13) अपने साथी राजकरन उर्फ टाइमपास के साथ बुधवार दोपहर करीब 3:30 बजे साइकिल से मिजार्पुर घाट पहुंचे थे। पांचों किशोर पीपा पुल के पास राप्ती नदी में नहाने लगे। इसी दौरान चार गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे, जबकि राजकरन किसी तरह अपनी जान बचाकर बाहर निकल आया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग, ग्राम प्रधान और पुलिस मौके पर पहुंची। खोराबार और कैंट पुलिस ने तत्काल एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीम को बुलाया, जिन्होंने देर रात तक सर्च ऑपरेशन चलाया। मौके से चार साइकिल, कपड़े और एक मोबाइल फोन बरामद हुआ है। सर्च अभियान दोबारा शुरू किया गया। इसी दौरान विवेक निषाद का शव घटना स्थल से 100 मीटर दूरी पर बरामद कर लिया गया, जबकि अन्य तीन किशोरों का शव शुक्रवार सुबह टीम ने घटाना स्थल से एक किमी दूर बरामद कर ली है। थाना प्रभारी सुधांशु सिंह के अनुसार, शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। विवेक निषाद का शव मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। जैसे ही सूचना घर पहुंची, परिजन बदहवास हालत में घटनास्थल की ओर दौड़ पड़े। मां का रो-रोकर बुरा हाल था, वह बार-बार बेटे का नाम लेकर बेहोश हो जा रही थी। पिता सतीश, जो पेशे से ऑटो चालक हैं, बेटे के शव को देख फूट-फूटकर रो पड़े। आसपास खड़े लोगों की आंखें भी नम हो गईं। विवेक तीन भाइयों में सबसे बड़ा था। उसके दो छोटे भाई सुंदर और समीर अभी इस सदमे को समझ भी नहीं पा रहे हैं। परिवार के लोगों ने बताया कि वह कक्षा 6 का छात्र था और पढ़ाई में अच्छा था। घर की जिम्मेदारियों में भी हाथ बंटाता था। उधर, अन्य तीन लापता किशोरों के घरों में भी मातम पसरा हुआ है। परिजन टकटकी लगाए नदी की ओर देख रहे हैं, इस उम्मीद में कि उनका बेटा सकुशल लौट आए। हर गुजरते पल के साथ उनकी बेचैनी और बढ़ती जा रही है। गांव में सन्नाटा पसरा है और हर आंख नम है।

अखिलेश केदारेश्वर मंदिर के बहाने हिंदुओं को साधेंगे

4 महीने बाद 'कुंभ अभिषेकम्' होगा, चुनाव में सपा को कितना फायदा

इटावा (एजेंसी)। केदारेश्वर महादेव मंदिर बनकर तैयार हो चुका है। सावन की शिवरात्रि (11 अगस्त, 2026) को केदारेश्वर मंदिर पर 'कुंभ अभिषेकम्' का आयोजन होगा। अखिलेश, पत्नी डिंपल यादव के साथ खुद यहां पूजा करेंगे। उत्तराखंड के केदारनाथ धाम की तर्ज पर तैयार हो रहा यह मंदिर यमुना नदी के किनारे 50 बीघा क्षेत्र में फैला है। मंदिर में रामनवमी पर रामलला की मूर्ति स्थापित करके अखिलेश यादव ने एक बार फिर इसको चर्चा में ला दिया है। जानकार मानते हैं कि अखिलेश मंदिर के जरिए एंटी-हिंदू नरेटिव को कमजोर करना चाहते हैं। खुद को धार्मिक आस्था से जुड़ा नेता दिखाकर भाजपा की बढ़त को चुनौती देना चाहते हैं। पॉलिटिकल एक्सपर्ट कहते हैं- यूपी में पूरी राजनीति हिंदुत्व पर केंद्रित हो चुकी है। ऐसे में सभी दल हिंदुत्व की तरफ सॉफ्ट दिखने की कोशिश कर रहे हैं। सपा की कोशिश भी इसी डायरेक्शन में हो रही है। क्या साफ्ट हिंदुत्व की तरफ शिफ्ट होने में केदारेश्वर मंदिर मददगार साबित होगा? क्या 2027 के विधानसभा चुनाव में इसका सियासी फायदा होगा? क्या अखिलेश चुनाव से पहले इमेज रि-ब्रांडिंग की कोशिश कर रहे हैं?पिछले लोकसभा और विधानसभा चुनावों का ट्रेंड ऐसा रहा है कि सपा को यादव और मुस्लिम वोट मिलते रहे हैं। अखिलेश 9 साल से मुख्यमंत्री की कुर्सी से दूर हैं। वह जानते हैं कि गैर यादव ङइउ और सामान्य हिंदू वोटर के सपोर्ट के बिना वो 2027 के विधानसभा चुनाव में जीत हासिल नहीं कर सकते। एक्सपर्ट मानते हैं कि अखिलेश यादव पर मुस्लिम सपोर्टर की छवि एक दिन में नहीं बनी। ऐसा सपा की सोशल इंजीनियरिंग की वजह से हुआ। लंबे समय तक सपा मुस्लिम-यादव वोटबैंक पर टिकी रही। भाजपा ने भी इस नरेटिव को चुनाव कैंपेन के दौरान गढ़ना शुरू किया, सपा पर तुष्टिकरण के आरोप लगाए। 1993 का विधानसभा चुनाव से लेकर 2024 के लोकसभा चुनाव तक ऐसा ही चल रहा है। भाजपा ने हर बार सपा के एकतरफा यादव-मुस्लिम को दिए जाने वाले समर्थन को प्रमुख मुद्दा बनाया है। 90 के दशक में जब राम मंदिर आंदोलन ने जोर पकड़ा। आडवाणी, जोशी और उमा भारती रथ लेकर निकले, तो मुलायम सिंह ने उनका विरोध किया था। मुलायम सिंह ने मुस्लिमों को भरोसा दिलाया कि उनके होते हुए बाबरी मस्जिद पर परिंदा पर नहीं मार सकता। कार सेवकों पर गोली चलाने के बाद उनकी छवि मुल्ला मुलायम की बन गई थी। इसके बाद से सपा को मुस्लिम वोट एकजुट मिलने लगे थे।सपा की कई सीटों पर मुस्लिम उम्मीदवारों को टिकट देने की रणनीति रहती है। भले ये जिताऊ कैंडिडेट पर दांव लगाने की पॉलिटिक्स हो। लेकिन, मैसेज यही जाता है कि सपा कैंडिडेट डिक्लेयर करते वक्त एक खास वर्ग का ध्यान रखती है। यूपी में मुस्लिम वोट अक्सर ह्नभाजपा को हराने वालेह्व उम्मीदवार की ओर जाता है। कई चुनावों में यह वोट सपा के पक्ष में एकजुट हुआ।

रामनवमी पर रामलला की मूर्ति लगाई

केदारेश्वर मंदिर का पूरा स्वरूप दिखने लगा है। मंदिर में रामलला की मूर्ति लगाई जा चुकी है। केदारनाथ धाम की तर्ज पर तैयार हो रहा यह मंदिर यमुना नदी के किनारे और लायन सफारी के सामने करीब 50 बीघा जमीन पर तैयार किया गया है। मंदिर का शिलान्यास अखिलेश यादव ने मार्च, 2021 में किया था। शुरू में 40-50 करोड़ रुपए खर्च होने की बात कही गई थी, लेकिन बाद में दायरा बढ़ता गया। मंदिर ट्रस्ट की देख-रेख में 100 से ज्यादा मजदूर और शिल्पकार बचे हुए काम पूरे कर रहे हैं। मुख्य संरचना, गर्भगृह, प्रवेश द्वार, नंदी की विशाल प्रतिमा और आसपास की संरचनाएं तैयार हैं। फिनिशिंग, रंग-रोगन, विद्युत व्यवस्था और सजावट का काम जुलाई, 2026 तक पूरे होने हैं। यहां श्रद्धालु आने लगे हैं, पूजा-पाठ भी हर रोज हो रहा है।

संक्षिप्त डायरी

पिता से मारपीट करते थे बेटे, विरोध पर काट दिया था चाचा का उस्तरे से गला, तीन सगे भाइयों को उम्रकैद

आगरा (एजेंसी)। उस्तरे से गला रेतकर सगे चाचा की हत्या करने के मामले में पांच साल बाद फैसला आया है। एडीजे-8 संजय के. लाल ने थाना सैंया क्षेत्र के गांव सौरा निवासी गिरीश, मनीष और अमित (तीनों सगे भाइयों) को उम्रकैद की सजा सुनाई। साथ ही तीनों पर एक-एक लाख रुपये जुमार्ना भी लगाया है। थाना सैंया में दर्ज प्राथमिकी के अनुसार, गांव सौरा निवासी विनीत कुमार ने तहरीर दी थी। आरोप लगाया कि उनके ताऊ घूरे लाल के पुत्र गिरीश, मनीष और अमित आए दिन उनकी पिटाई कर रुपये मांगते थे। अपने बुजुर्ग भाई घूरे लाल की दयनीय हालत देखकर पिता मुकेश चंद विरोध करते थे। डांटने से नाराज होकर आरोपियों ने पिता मुकेश चंद को गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी थी।पिता 4 अक्तूबर 2020 को खेतों की तरफ गए थे। वहां आरोपियों ने उन्हें बाजरे के खेत पर घेरकर गिरा लिया। आरोपी मनीष ने उनके पैर और अमित ने हाथ पकड़ लिए। गिरीश ने पिता मुकेश चंद का उस्तरे से गला रेत दिया। उनकी मौके पर ही मौत हो गई थी। मां इमरती और भाई ने देखकर शोर मचाया, तब तक आरोपी भाग गए थे। अभियोजन पक्ष की तरफ से अदालत में आठ गवाह पेश किए गए। बचाव पक्ष की तरफ से भी तीन गवाह पेश हुए।

गैस सिलिंडर के लिए अब होने लगी मारपीट

अलीगढ़ (संवाददाता)। गभाना स्थित इंडेन गैस एजेंसी पर 1 अप्रैल की रात सिलिंडर न मिलने से नाराज युवकों ने जमकर उत्पात मचाया। युवकों पर एजेंसी के कर्मचारियों के साथ मारपीट, एजेंसी संचालिका के साथ अभद्रता करते हुए लूटपाट की कोशिश का आरोप है। घटना के विरोध में बृहस्पतिवार को एजेंसी बंद रही। पीड़ित पक्ष ने अलीगढ़ गैस डिस्ट्रीब्यूटर्स एसोसिएशन के पदाधिकारियों के साथ जिला पूर्ति अधिकारी सत्यवीर सिंह से मुलाकात की। घटना के संबंध में थाना गभाना में तहरीर दे दी गई है।अलीगढ़ निवासी एजेंसी संचालिका कमलेश सारस्वत के अनुसार, घटना 1 अप्रैल रात करीब 9 बजे की है। जब वे काम समेटकर घर जाने की तैयारी कर रही थीं, तभी गभाना निवासी कुछ युवक कार्यालय में घुस आए और तुरंत गैस सिलिंडर की मांग करने लगे। संचालिका ने जब स्टॉक उपलब्ध न होने की बात कही, तो आरोपी आगबबूला हो गए। आरोप है कि दबंगों ने गाली-गलौज शुरू कर दी और महिला संचालिका के साथ अभद्रता और लूटपाट की कोशिश की। जब वहां मौजूद कर्मचारी अभिषेक और भूपेंद्र उर्फ लालू बीच-बचाव करने आए तो आरोपियों ने उनके साथ बेरहमी से मारपीट की। दबंगों ने जाते-जाते गैस गोदाम में आग लगाने की धमकी भी दी। कर्मचारी अभिषेक की हालत गंभीर देखते हुए उसे इलाज के लिए अलीगढ़ के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस घटना से आक्रोशित होकर बृहस्पतिवार को एजेंसी संचालिका ने जिला गैस एसोसिएशन के पदाधिकारियों के साथ जिला पूर्ति अधिकारी सत्यवीर सिंह से मुलाकात की। कमलेश सारस्वत ने डीएसओ को बताया कि आरोपी आए दिन एजेंसी पर आकर बेवजह दबाव बनाते हैं। सुरक्षा के अभाव में काम करना मुश्किल हो गया है। जब तक आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई नहीं होती और सुरक्षा सुनिश्चित नहीं की जाती, तब तक कार्य करना असुरक्षित है।

अयोध्या में बुर्का पहनकर लूट करने वाली लड़की हिंदू निकली

अयोध्या (एजेंसी)। ज्वेलरी शॉप में बुर्का पहनकर लूट करने वाली हिंदू लड़की और उसके दोस्त को पुलिस ने गुरुवार देर रात गिरफ्तार कर लिया। लड़की का नाम पायल (25) और उसके दोस्त का नाम राहुल (27) है। वारदात के वक्त राहुल दुकान से कुछ दूर बाइक लेकर खड़ा था। पायल दुकान से भागकर राहुल के साथ भाग निकली थी। पुलिस जांच में पता चला कि राहुल ने बाजार से नकली पिस्टल और बुर्का खरीदा था। पायल बुर्का पहनकर दोपहर 12.30 बजे दुकान पर पहुंची। पिस्टल दिखाकर 3.6 लाख का सोने का हार और चेन लूटकर फरार हो गई। पहचान छिपाने के लिए दोनों ने बुर्के में वारदात को अंजाम देने का प्लान बनाया था। मामला गुरुवार को रुदौली कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला कोठी बाजार का है। दुकान में लगे 6 सीसीटीवी कैमरों में पूरी वारदात कैद हो गई थी। कैमरे में जिस बाइक से दोनों फरार हुए थे, उसका नंबर कैद हो गया था। इसे ट्रेस कर पुलिस दोनों तक पहुंची। अउॠ जोन लखनऊ प्रवीण कुमार ने बताया- दोनों अयोध्या से बाहर भागने की फिराक में थे। तभी दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया। बुर्का पहनकर लूट करने वाली लड़की का नाम पायल है। उसके साथ जो लड़का था, उसका नाम राहुल है। दोनों बंटी और बबली बनकर घटना को अंजाम दे रहे थे। दोनों दोस्त हैं। खिलौने की पिस्टल दिखाकर लूट की गई थी। रुदौली कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला कोठी बाजार के रहने वाले महेश सोना-चांदी के व्यापारी हैं। उनकी घर से 900 मीटर दूर अग्रवाल कॉम्प्लेक्स में महेश ज्वेलर्स नाम से दुकान है। गुरुवार को मथाना निवादा ग्राम पंचायत के अहिबरन का पुरवा गांव की रहने वाली पायल और परान का पुरवा निवासी दोस्त राहुल के साथ पहुंची थी। पायल ने बुर्का पहन रखा था। उसके पास एक पिट्ठू बैग था। राहुल दुकान से कुछ दूरी पर रुक गया। पायल पैदल ही दुकान के अंदर चली गई। उसने महेश से कहा- मुझे सोने का हार और चेन खरीदनी है। महेश ने उसके सामने एक सोने का हार और सोने की चेन रख दी। इसके बाद पायल ने महेश से पानी मांगा। महेश ने दुकान में काम करने वाले अंकित कुमार को पानी और समोसा लाने के लिए भेज दिया। कुछ देर बाद अंकित समोसा और पानी लेकर आ गया। मगर पायल ने समोसा खाने से मना कर दिया। पानी की बोतल ले ली। पायल ने महेश से कहा- मैं समोसा नहीं खाती हूं। मेरे लिए मिठाई मंगवा दीजिए। महेश ने अंकित को बर्फी लेने भेज दिया। अंकित बर्फी लेने चला गया। इस दौरान दुकान के कर्मचारी मनीराम ने हार और चेन को उठाकर काउंटर पर रख दिया। तभी पायल खड़ी हुई और दुकान के अंदर इधर-उधर घूमने लगी।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने राष्ट्रीय जनगणना 2027 में लिया हिस्सा, डिजिटल स्व-गणना प्रक्रिया पूरी

नई दिल्ली (शिखर समाचार)। ओम बिरला ने अपने सरकारी आवास पर डिजिटल माध्यम से स्व-गणना की प्रक्रिया पूरी कर राष्ट्रीय जनगणना 2027 के प्रथम चरण में सक्रिय भागीदारी दर्ज की। इस अवसर पर उन्होंने देशवासियों से भी इस ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण राष्ट्रीय अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने का आह्वान किया।

ओम बिरला ने कहा कि जनगणना किसी भी राष्ट्र के विकास की आधारशिला होती है। यह केवल जनसंख्या की गणना तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे प्राप्त आंकड़े देश की नीतियों, योजनाओं और संसाधनों के बेहतर प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि भारत के इतिहास में पहली बार जनगणना पूरी तरह डिजिटल माध्यम से कराई जा रही है, जो देश की तकनीकी प्रगति और आधुनिक सोच का प्रतीक है।

उन्होंने बताया कि स्व-गणना प्रणाली के माध्यम से अब नागरिक स्वयं अपने घर और परिवार की जानकारी दर्ज कर सकते हैं। इससे न केवल प्रक्रिया अधिक सरल और सुविधाजनक बनी है, बल्कि आंकड़ों की शुद्धता और विश्वसनीयता भी सुनिश्चित होगी। उन्होंने कहा कि यह व्यवस्था पारदर्शिता को बढ़ावा देगी और सरकारी योजनाओं का लाभ सही पात्रों तक पहुंचाने में मददगार सिद्ध होगी। इस दौरान भारत के

महारजिस्ट्रार और जनगणना आयुक्त का कार्यालय के प्रमुख मृत्युंजय कुमार नारायण भी उपस्थित रहे और उन्होंने स्व-गणना प्रक्रिया में सहयोग प्रदान किया। उन्होंने इस पहल को समय की मांग बताते हुए कहा कि इससे देश में आंकड़ा संग्रहण और प्रबंधन की प्रणाली और अधिक मजबूत होगी।

ओम बिरला ने ह्यजनगणना से जनकल्याणह्ल के लक्ष्य को दोहराते हुए कहा कि सटीक और विश्वसनीय आंकड़े ही प्रभावी शासन की नींव होते हैं। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे स्वयं अपनी जानकारी दर्ज करें और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें, ताकि देश के समग्र विकास में सभी की भागीदारी सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कहा कि डिजिटल जनगणना की यह पहल भारत को तकनीकी रूप से सशक्त बनाने के साथ-साथ पारदर्शी और जवाबदेह शासन व्यवस्था को भी नई दिशा प्रदान करेगी, जिससे एक मजबूत और समृद्ध भारत के निर्माण का मार्ग प्रशस्त होगा।

सैनी समाज सेवा समिति की नई कार्यकारिणी का गठन, पदाधिकारियों ने ली शपथ

शामली (शिखर समाचार)। शहर के हनुमान रोड स्थित एक रेस्तरां में सैनी समाज सेवा समिति की बैठक आयोजित की गई, जिसमें नई कार्यकारिणी की घोषणा के साथ शपथ ग्रहण समारोह संपन्न हुआ। शुक्रवार को अधिष्ठापन अधिकारी श्यामलाल सैनी ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस दौरान रामनिवास सैनी को अध्यक्ष, कृपाल सैनी व जनेश्वर सैनी को उपाध्यक्ष, प्रवीन सैनी को महामंत्री, सुनील कुमार सैनी को कोषाध्यक्ष, रामकुमार सैनी एवं पूरनचंद सैनी को सचिव नियुक्त किया गया। इसके अलावा श्यामालाल सैनी को वरिष्ठ विधि सलाहकार, सचिन सैनी को विधि सलाहकार, दीपक सैनी को संगठन मंत्री, पवन सैनी को उप संगठन मंत्री तथा अमित सैनी को मीडिया प्रभारी मनोनीत किया गया।

कार्यक्रम के दौरान सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों का फूल मालाओं से स्वागत किया गया। इस अवसर पर पदाधिकारियों ने समाज सेवा को समर्पित रहते हुए कार्य करने का संकल्प लिया।

बैठक की अध्यक्षता संरक्षक मोहनलाल सैनी ने की, जबकि संचालन सुभाषचंद सैनी द्वारा किया गया।

हनुमान जन्मोत्सव पर हवन-यज्ञ, सुंदरकांड पाठ व विशाल भंडारे का आयोजन

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार)। हनुमान जन्मोत्सव के पावन अवसर पर नगर के शीतला माता मंदिर परिसर में श्रद्धा, आस्था और भक्ति का अनुपम संगम देखने को मिला। बालाजी सत्संग मंडल, नगीना के तत्वावधान में आयोजित इस एक दिवसीय धार्मिक कार्यक्रम में हवन-यज्ञ, सुंदरकांड पाठ, हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ एवं विशाल भंडारे का आयोजन अत्यंत श्रद्धा और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर धर्मलाभ अर्जित किया। कार्यक्रम का संचालन संदीप जैन, चांदपुर के सानिध्य में हुआ। प्रारंभ में शीतला माता मंदिर के पुजारी पंडित अजय तिवारी ने विधि विधान के साथ संकट मोचन हवन यज्ञ संपन्न कराया। इस दौरान यजमान के रूप में सुमित अग्रवाल व उनकी धर्मपत्नी इतिका अग्रवाल तथा अमित गुप्ता व उनकी धर्मपत्नी नीतू गुप्ता ने आहुति देकर परिवार

एवं समाज की सुख-समृद्धि की कामना की।

हवन यज्ञ के उपरांत झालू से आई भजन कीर्तन मंडली द्वारा सुंदरकांड का भावपूर्ण पाठ किया गया, जिससे पूरा वातावरण भक्तिरस में सराबोर हो गया। श्रद्धालु भजनों पर झूमते नजर आए और पूरे परिसर में जय श्रीराम व बजरंगबली के जयकारों की गूंज सुनाई दी। इसके पश्चात बालाजी महाराज को विधिवत भोग अर्पित किया गया तथा कन्याओं को श्रद्धापूर्वक प्रसाद ग्रहण कराया गया।

अंत में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ प्राप्त किया। इस अवसर पर संदीप जैन, विशाल त्यागी, मुकुल गुप्ता, सुमित अग्रवाल, अमित गुप्ता, विपिन कुमार, विकास मित्तल, हिमांशु, संजीव अग्रवाल, राजीव अग्रवाल, गोविंद, मनोज गुप्ता, अरुण कुमार बिश्नोई, सुशील कुमार अग्रवाल, अंजु बिश्नोई, जूही बिश्नोई, सोनिया सचदेवा व स्वाति गुप्ता सहित क्षेत्र के सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित रहे।

अमर्यादित टिप्पणी पर रालोद में उबाल, आरोपी के खिलाफ एफआईआर की मांग

खतौली/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। भारत रत्न एवं पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह पर की गई अमर्यादित टिप्पणी को लेकर राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) कार्यकताओं में तीव्र आक्रोश व्याप्त हो गया। इस संबंध में रालोद नेताओं और कार्यकताओं ने खतौली थाने पहुंचकर आरोपी के खिलाफ तहरीर देते हुए मुकदमा दर्ज करने और सख्त कार्रवाई की मांग की। तहरीर देने वालों में क्षेत्रीय महासचिव हस्तिनापुर क्षेत्र धर्मेन्द्र तोमर, व्यापार प्रकोष्ठ के नगर अध्यक्ष अंतरिक्ष गर्ग, नगर अध्यक्ष नौशाद मोनी सहित अन्य कार्यकर्ता शामिल रहे। सभी ने एक स्वर में घटना की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि किसान नेता और देश के पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह के प्रति इस प्रकार की आपत्तिजनक टिप्पणी किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जा सकती।

रालोद नेताओं ने प्रशासन से मांग की कि मामले को गंभीरता से लेते हुए आरोपी के खिलाफ तत्काल कानूनी कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं पर रोक लग सके। उन्होंने यह भी कहा कि चौधरी चरण सिंह केवल एक नेता नहीं, बल्कि किसानों के सम्मान और स्वाभिमान के प्रतीक हैं, इसलिए उनके खिलाफ की गई टिप्पणी पूरे समाज का अपमान है। कार्यकताओं ने चेतावनी दी कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं की गई तो वे आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे। इस दौरान बड़ी संख्या में रालोद कार्यकर्ता उपस्थित रहे और उन्होंने जोरदार तरीके से अपना विरोध दर्ज कराया।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के बाद जेवर में विकास की रफ्तार तेज

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के उद्घाटन के बाद जेवर क्षेत्र में विकास की गति तेज होती नजर आ रही है। क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में उत्साह का माहौल है और जेवर अब तेजी से एक विश्वस्तरीय पहचान की ओर बढ़ रहा है। इसी क्रम में 03 अप्रैल 2026 को जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने ग्राम रामपुर बांगर, सिरसा माचीपुर, बल्लभनगर उर्फ करौंल एवं डुढ़ेरा में करीब 1 करोड़ 86 लाख रुपये की लागत से विभिन्न विकास कार्यों का शुभारंभ किया। इन कार्यों में सड़क निर्माण, नाली एवं जल निकासी जैसी बुनियादी सुविधाओं का विकास शामिल है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों को नई पहचान मिलने की उम्मीद है।

विधायक ने कहा कि बीते वर्षों में जेवर विधानसभा क्षेत्र में अभूतपूर्व विकास कार्य कराए गए हैं। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के शुरू होने से क्षेत्र आर्थिक रूप से सशक्त होगा और रोजगार व निवेश के नए अवसर पैदा होंगे। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि क्षेत्र के विकास में कोई कमी नहीं आने दी जाएगी और हर गांव तक मूलभूत सुविधाएं पहुंचाना प्राथमिकता में शामिल है। उन्होंने प्रदेश और केंद्र सरकार की योजनाओं का उल्लेख करते हुए

कहा कि विकास का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। एयरपोर्ट परियोजना के चलते जेवर अब वैश्विक मानचित्र पर अपनी मजबूत पहचान बना रहा है।

कार्यक्रम के अंत में विधायक ने जेवर स्थित खंड विकास कार्यालय पहुंचकर आम लोगों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान बिजली, जल निकासी और अन्य स्थानीय समस्याओं को लेकर शिकायतें सामने आईं, जिनके समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए।

11 कुंडीय महायज्ञ व विशाल भंडारे में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

शामली। (शिखर समाचार) शहर के करनाल रोड स्थित बालाजीधाम मंदिर में 11 कुंडीय महायज्ञ एवं विशाल भंडारे का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें हजारों की संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। श्रद्धालुओं ने महायज्ञ में आहुति देकर परिवार की सुख शांति और समृद्धि की कामना की तथा भंडारे में प्रसाद ग्रहण कर धर्मलाभ अर्जित किया।

गुरुवार देर रात आयोजित इस कार्यक्रम का शुभारंभ नगर पालिका चेयरमैन अरविंद संगल ने हनुमान की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। इसके पश्चात विधिवत रूप से 11 कुंडीय महायज्ञ प्रारंभ हुआ, जिसमें विभिन्न परिवारों ने यजमान के रूप में भाग लेकर धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराया।

मंदिर के पुजारी प्रियांशु शर्मा एवं पंडित प्रशांत शर्मा ने वैदिक

मंत्रोच्चार के साथ पूरे विधि-विधान से यज्ञ संपन्न कराया। यज्ञ के समापन पर पूणार्हुति दी गई और उसके उपरांत बालाजी की भव्य महाआरती का आयोजन हुआ, जिसमें श्रद्धालु भक्ति भाव से शामिल हुए।

इसके बाद आयोजित विशाल भंडारे में शहर एवं आसपास के क्षेत्रों से पहुंचे हजारों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। पूरे परिसर में श्रद्धा, आस्था और भक्ति का वातावरण बना रहा। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष वरुण संगल, सचिव धनंजय, कोषाध्यक्ष मुकेश गर्ग, वैभव संगल, मनीष भटनागर, अरुण मित्तल, शोभित गर्ग, अनुराग, राजीव गोयल, अंकित मित्तल, सुरेंद्र बंसल, अनिल, राहुल तायल सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

निजी विद्यालयों की फीस वृद्धि व महंगी किताबों के विरोध में कांग्रेस ने किया आंदोलन का ऐलान

शामली (शिखर समाचार)। जनपद में निजी विद्यालयों द्वारा फीस में बढ़ोतरी और निजी प्रकाशकों की महंगी किताबें लागू किए जाने के विरोध में कांग्रेस ने आंदोलन की चेतावनी दी है। शुक्रवार को कांग्रेस कार्यालय में आयोजित मासिक समीक्षा बैठक में जिला कोऑर्डिनेटर ज्ञानेंद्र सिंह राघव और जिलाध्यक्ष अखलाक प्रधान ने विद्यालय संचालकों पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि सीबीएसई बोर्ड से जुड़े निजी विद्यालयों के संचालक अधिकारियों के साथ मिलीभगत कर एनसीईआरटी की पुस्तकों के स्थान पर निजी प्रकाशनों की महंगी किताबें लागू कर रहे हैं। इतना ही नहीं, बुक सेलरों से गठजोड़ कर अभिभावकों को एक ही दुकान से पूरा कोर्स खरीदने के लिए बाध्य किया जा रहा है। इसके चलते नर्सरी से कक्षा 12

तक की किताबों का कोर्स तीन हजार से लेकर दस हजार रुपये तक बेचा जा रहा है, जिससे अभिभावकों पर आर्थिक बोझ बढ़ रहा है। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि कुछ विद्यालयों द्वारा 15 से 40 प्रतिशत तक फीस में वृद्धि कर दी गई है, जो महंगाई और बेरोजगारी के इस दौर में अभिभावकों का सीधा आर्थिक शोषण है। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे को लेकर जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा जाएगा और आवश्यकता पड़ने पर धरना प्रदर्शन भी किया जाएगा।

बैठक में यह भी कहा गया कि कांग्रेस पार्टी लगातार जनहित के मुद्दों को उठाती रही है और आगे भी आम जनता के हितों के लिए संघर्ष जारी रहेगा। कार्यकताओं से आह्वान किया गया कि वे बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करें और अधिक से अधिक लोगों को पार्टी से जोड़ें। बैठक में अरविंद कुमार, जावेद, साबिर अली, संदीप शर्मा, फरमान और जुबेर सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ताला तोड़कर लाखों की चोरी, 7 लाख नकदी सहित जेवरात पर हाथ साफ तीन दिन बाद दर्ज हुई रिपोर्ट

दादरी (शिखर समाचार)। दादरी कोतवाली क्षेत्र के नई आबादी मोहल्ले में चोरों ने एक बंद घर को निशाना बनाते हुए लाखों की चोरी की वारदात को अंजाम दिया। फैजान मदरसे के पास स्थित मकान में ताला तोड़कर घुसे चोर सोने चांदी के जेवरात, करीब सात लाख रुपये की नकदी और अन्य कीमती सामान लेकर फरार हो गए।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, मकान मालिक शाहिद अपने परिवार के साथ बाहर गए हुए थे। इसी दौरान 31 मार्च की रात अज्ञात चोरों ने घर का ताला तोड़कर वारदात को अंजाम दिया। घटना की सूचना पुलिस को दी गई, जिसके बाद मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल की गई। हालांकि, इस मामले में रिपोर्ट तीन दिन बाद कोतवाली में दर्ज कराई गई।

पुलिस ने बताया कि दो संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है और जल्द ही घटना का खुलासा करने का दावा किया गया है।

जर्जर हाईटेंशन लाइन बनी जानलेवा, ग्रामीणों ने सीएम पोर्टल पर लगाई गुहार

रबूपुरा (शिखर समाचार)। क्षेत्र के गांवों में घरों के ऊपर से गुजर रही जर्जर हाईटेंशन लाइनें ग्रामीणों के लिए खतरा बनी हुई हैं। लगातार हादसों और जनहानि के बावजूद बिजली विभाग की अनदेखी से नाराज ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल पर शिकायत दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों का आरोप है कि कई स्थानों पर बिजली के खंभे क्षतिग्रस्त होकर झुक चुके हैं और तार बेहद खतरनाक स्थिति में लटक रहे हैं। कई लोगों की जान जा चुकी है, जबकि कई लोग करंट की चपेट में आकर

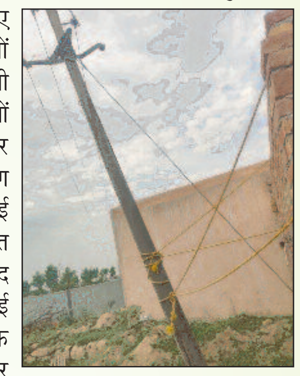

दिव्यांग हो चुके हैं। आछेपुर गांव के राजवीर सिंह, मोमराज सिंह, प्रमोद सिंह समेत अन्य ग्रामीणों का कहना है कि बार-बार शिकायत करने के बावजूद कोई सुनवाई नहीं हो रही है। अब उन्होंने सीएम पोर्टल के माध्यम से समस्या के स्थायी समाधान की मांग उठाई है।

भक्ति और उल्लास के साथ मनाया गया हनुमान जन्मोत्सव, बच्चों ने दी शानदार प्रस्तुतियां

दादरी (शिखर समाचार)। कटहेरा रोड स्थित सिटी हार्ट अकादमी स्कूल में हनुमान जन्मोत्सव बड़े ही धूमधाम और भक्ति भाव के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय प्रबंधन द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इस अवसर पर 21 बार हनुमान चालीसा का पाठ किया गया तथा बच्चों ने रामायण के विभिन्न पात्रों की आकर्षक प्रस्तुतियां देकर सभी का मन मोह लिया। भजन, नाटक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से बच्चों ने धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक मूल्यों को प्रदर्शित किया।

विद्यालय प्रबंधन ने बताया कि ऐसे आयोजनों से बच्चों में नैतिक शिक्षा और भारतीय संस्कृति के प्रति जागरूकता बढ़ती है। कार्यक्रम में क्षेत्र के कई गणमान्य लोग भी उपस्थित रहे।

प्रसिद्ध व्यापारी व समाजसेवी हाजी इस्लामुद्दीन कुरैशी का निधन, शहर में शोक की लहर

हापुड़ (शिखर समाचार)। शहर के जाने माने नमक व्यापारी और समाजसेवी हाजी इस्लामुद्दीन कुरैशी का लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। उनके इंतकाल की खबर से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई।

हाजी इस्लामुद्दीन कुरैशी सादगीपूर्ण जीवन और समाजसेवा के लिए जाने जाते थे। वे मोमिन चैरिटेबल ट्रस्ट के वरिष्ठ सदस्य रहे और गरीब व जरूरतमंद बच्चों की शिक्षा में उनका विशेष योगदान रहा। उन्होंने हमेशा इंसानियत और सेवा के मूल्यों को अपनाते हुए समाज में अपनी अलग पहचान बनाई। सामाजिक और कौमी मुद्दों में भी वे सक्रिय रहे और मुल्क और मिल्लत बचाओ अभियान में भाग लेते हुए जेल भी गए। उनकी नमाज ए जनाजा मौलाना सैयद अरशद मदनी द्वारा अदा कराई गई, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने शामिल होकर उन्हें भावभीनी विदाई दी। विभिन्न राजनीतिक और सामाजिक हस्तियों ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। परिवार की ओर से लोगों से मरहूम के लिए दुआ करने की अपील की गई है।

ऑनलाइन भुगतान के नाम पर 30 हजार की ठगी, तीन सप्ताह बाद भी पुलिस खाली हाथ

शामली (शिखर समाचार)। शहर कोतवाली क्षेत्र में ऑनलाइन भुगतान के नाम पर ठगी का मामला सामने आया है, जिसमें पुलिस तीन सप्ताह बीतने के बाद भी घटना का खुलासा नहीं कर सकी है। पीड़ित ने शुक्रवार को कोतवाली पहुंचकर मामले की जांच तेज कर आरोपियों की जल्दगिरफ्तारी की मांग की।

मोहल्ला शिव मूर्ति, गांधी चौक निवासी संजय कुमार के अनुसार 18 मार्च को सुबह करीब 11:30 बजे उसकी दुकान पर बाइक सवार तीन अज्ञात युवक पहुंचे। युवकों ने 100-100 रुपये के नए नोटों की तीन गड्डियां मांगीं। इस पर दुकानदार ने उन्हें कुल 30 हजार रुपये नकद दे दिए। आरोप है कि इसी दौरान एक युवक ने ऑनलाइन भुगतान करने की बात कहते हुए मोबाइल के माध्यम से पैसे भेजने का दावा किया और तीनों युवक मौके से फरार हो गए। बाद में जब दुकानदार ने अपना फोनपे खाता जांचा तो उसमें कोई रकम प्राप्त नहीं हुई। ठगी का एहसास होने पर पीड़ित ने आरोपियों की काफी तलाश की, लेकिन उनका कोई सुराग नहीं लग सका। पूरी वारदात दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है।

पीड़ित का कहना है कि घटना को तीन सप्ताह बीत चुके हैं, लेकिन कोतवाली पुलिस ने अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की है। उन्होंने पुलिस प्रशासन से मामले का शीघ्र खुलासा कर आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की है।

संपादकीय

ईरान अमेरिका तनाव और ट्रंप का टैरिफ बमः वैश्विक अर्थव्यवस्था के सामने खड़ा नया संकट

दुनिया एक बार फिर अनिश्चितता के दौर से गुजर रही है। पश्चिम एशिया में ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव ने पहले ही वैश्विक शांति और स्थिरता पर सवाल खड़े कर दिए हैं, वहीं इसी बीच डोनाल्ड ट्रंप द्वारा दोबारा टैरिफ को हथियार के रूप में इस्तेमाल करने के संकेतों ने अंतरराष्ट्रीय व्यापार और आर्थिक संतुलन को लेकर नई चिंताएं पैदा कर दी हैं। यह केवल दो देशों के बीच की तनातनी नहीं है, बल्कि इसका प्रभाव पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था, ऊर्जा बाजार, आपूर्ति श्रृंखलाओं और कूटनीतिक समीकरणों पर पड़ने वाला है।

ईरान और अमेरिका के बीच टकराव कोई नया नहीं है, लेकिन हालिया घटनाक्रम ने इसे और अधिक जटिल बना दिया है। तेल आपूर्ति से लेकर सामरिक जलमार्गों की सुरक्षा तक, हर पहलू पर तनाव का असर साफ दिखाई दे रहा है। यदि यह टकराव युद्ध का रूप लेता है, तो इसका सबसे बड़ा प्रभाव तेल की कीमतों पर पड़ेगा, जिससे दुनिया भर में महंगाई बढ़ सकती है। भारत जैसे विकासशील देशों के लिए यह स्थिति विशेष रूप से चुनौतीपूर्ण होगी, क्योंकि यहां ऊर्जा आयात पर भारी निर्भरता है।

इसी बीच ट्रंप का टैरिफ बम इस संकट को और गहरा कर सकता है। ट्रंप पहले भी अपने कार्यकाल में चीन, यूरोप और अन्य देशों के खिलाफ टैरिफ बढ़ाकर वैश्विक व्यापार में उथल-पुथल मचा चुके हैं। अब एक बार फिर उनके द्वारा टैरिफ को नीति के रूप में आगे बढ़ाने की संभावना यह संकेत देती है कि आने वाले समय में व्यापारिक युद्ध और तेज हो सकते हैं। यदि ऐसा होता है, तो वैश्विक व्यापार की गति धीमी पड़ सकती है, निवेश प्रभावित हो सकता है और रोजगार के अवसरों में कमी आ सकती है।

टैरिफ का सीधा असर केवल व्यापारिक आंकड़ों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि यह आम लोगों के जीवन को भी प्रभावित करता है। जब आयातित वस्तुएं महंगी होती हैं, तो उनका असर उपभोक्ता कीमतों पर पड़ता है। कंपनियां लागत बढ़ने के कारण उत्पादन घटा सकती हैं या कीमतें बढ़ा सकती हैं, जिससे आम आदमी की जेब पर बोझ बढ़ता है। इसके अलावा, छोटे और मध्यम उद्योगों के लिए यह स्थिति और भी कठिन हो जाती है, क्योंकि वे बड़े कॉर्पोरेट की तरह झटकों को सहने में सक्षम नहीं होते।

ईरान-अमेरिका तनाव और टैरिफ युद्ध का संयोजन वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं को भी प्रभावित कर सकता है। कोविड-19 के बाद से ही दुनिया आपूर्ति संकट से उबरने की कोशिश कर रही थी, लेकिन यदि व्यापारिक प्रतिबंध और सैन्य तनाव बढ़ते हैं, तो यह संकट और गहरा सकता है। इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल, दवाइयों और ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में इसका असर साफ देखा जा सकता है।

इस पूरे परिदृश्य में कूटनीति की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण हो जाती है। यदि बड़े देश अपने हितों को लेकर आक्रामक रुख अपनाते हैं, तो छोटे और विकासशील देशों के लिए संतुलन बनाए रखना मुश्किल हो जाता है। भारत जैसे देशों को इस स्थिति में बेहद सावधानी से कदम उठाने होंगे, ताकि वे न केवल अपने आर्थिक हितों की रक्षा कर सकें, बल्कि वैश्विक मंच पर संतुलित भूमिका भी निभा सकें।

ट्रंप की नीतियों की सबसे बड़ी विशेषता उनकी अनिश्चितता रही है। उनके फैसले अक्सर पारंपरिक कूटनीतिक और आर्थिक मानकों से अलग होते हैं, जिससे बाजारों में अस्थिरता बढ़ जाती है। निवेशक और कंपनियां लंबे समय की योजना बनाने में हिचकिचाने लगते हैं, जिसका असर आर्थिक विकास पर पड़ता है। यदि टैरिफ को बार-बार हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जाता है, तो यह वैश्विक व्यापार प्रणाली के लिए एक स्थायी खतरा बन सकता है।

~ मौलिक चिंतन ~

आज वक्त की चाल को नहीं समझ पाए, तो कल का पछतावा तय है।

~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~

© विनय संकोची

ईरान ने सारी दुनिया को बताई अपनी ताकत

सनत जैन

ईरान ने यूएई में स्थापित अमेजॉन का सर्विस डाटा सेंटर चेतावनी देने के दूसरे दिन ही उड़ा दिया। ईरान ने यह हमला ड्रोन से किया था, जो बिल्कुल सटीक था। इसमें कंपनी को काफी नुकसान हुआ। सरवर नष्ट हो जाने के कारण कंपनी की सारी सेवाएं प्रभावित हो गईं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप हाल ही में घोषणा कर चुके हैं कि वह युद्ध को खत्म करने जा रहे हैं, लेकिन इसके साथ ही जिस तरह से ईरान के ऊपर हमले हो रहे हैं उसको लेकर ईरान ने काफी आक्रामक रुख अपनाया हुआ है। जहां-जहां पर अमेरिकी सेवाएं संचालित हो रही हैं वहां-वहां पर ईरान ड्रोन से हमले कर रहा है। ईरान की इस कार्यवाही से सारी दुनिया के देश हैरान हैं। ईरान का शाहिद नामक ड्रोन इस समय चचाओं में है। इस ड्रोन को लेकर सारी दुनिया के देशों में जिज्ञासा बनी हुई है। इसने वेब सेंटर में घुसकर जिस तरह से सटीक निशाने पर हमला किया वह आश्चर्यजनक था। ईरान अब खुलकर चेतावनी देकर जिस तरह से हमले कर रहा है उसके सामने अमेरिका और इजरायल का सुरक्षा तंत्र पूरी तरह से विफल साबित हो रहा है। सारी दुनिया के देशों में तेल संकट के साथ-साथ अब खाद्य संकट की भी चर्चा हो रही है। करीब 96 देश अभी तेल संकट से जूझ रहे हैं। जो खबरें आ रही हैं उसमें 125 से अधिक देशों में हार्मोज से जहाजों की आवाजाही में रुकावट से जो संकट पैदा हुआ है उससे अब तेल के साथ-साथ खाद्य संकट भी देखने को मिल रहा है। रही सही कसर जिस तरह से ईरान अमेरिकी कंपनियों पर हमला कर रहा है उससे खाड़ी देशों के साथ-साथ अन्य देशों को भी उसका नुकसान उठाना पड़ रहा है। जिस तरह के समाचार आ रहे हैं उसमें 100 से अधिक देश अमेरिका-इजरायल और ईरान युद्ध के कारण बुरी तरह से परेशान हैं। अमेरिका और इजरायल ने अपनी सभी शक्तियों का प्रदर्शन करने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी। बी-2 बंबर से सेकड़ों स्थानों पर हमला करके ईरान को भारी नुकसान पहुंचाया। अब ईरान खुलकर इसका बदला ले रहा है। ईरान के ड्रोन और मिसाइल जिस तरह से सटीक निशाना लगाकर खाडी के देशों में अमेरिका और इजरायल के सैन्य ठिकानों के साथ-साथ अब उनके महत्वपूर्ण कारोबार को नष्ट कर रहे हैं इसके कारण सारी दुनिया के देशों में एक नई दहशत फैल गई है। ईरान ने जिस तरह से अमेरिका के संचार माध्यमों को नष्ट किया है तथा जिस तरह से ईरान हमले करके तकनीकी आधार पर अमेरिका और इजरायल को धता बता रहा है उससे सारी दुनिया के देश हैरान हैं। ईरान की तकनीकी जिस तरह से इजरायल और अमेरिका का मुकाबला करते हुए जो ईरानी नवीन प्रयोग हो रहे हैं उससे सबसे ज्यादा परेशानी टेक कंपनियों को हो रही है। उनके सुरक्षित कंप्यूटर नेटवर्क को हैक करते हुए ईरान द्वारा हमले किए जा रहे हैं, जिसके कारण ईरान का दबदबा बढ़ता चला जा रहा है जिस तरह से ईरान ने अब सरवर और इंटरनेट के जरिए सेवाओं पर निशाना साधना शुरू कर दिया है उसके कारण सभी देशों की परेशानी बढ़ती चली जा रही है। वर्तमान में बैंकिंग एवं अन्य सेवाएं इंटरनेट से जुड़ी हुई हैं। एक बहुत बड़ा डाटा सर्वर से जुड़ा हुआ है। यदि उसमें कोई खराबी आती है तो करोड़ों लोगों पर इसका प्रभाव पड़ता है। ईरान ने पिछले एक माह में जिस तरह से इस युद्ध को लड़ा है उसने सारी दुनिया के देश हैरानी में हैं। ईरान के सस्ते ड्रोन और मिसाइलें अत्याधुनिक संचार माध्यमों से लैस स्थलों को जिस तरह से वह अपने निशाने पर लेकर नुकसान पहुंचा रहे हैं उसने पूरी दुनिया के युद्ध समीकरण को बदल दिया है। तकनीकी क्षेत्र में इजराइल और अमेरिका को चुनौती, ईरान द्वारा दी जा रही है। इसकी कल्पना भी इस युद्ध के पहले किसी देश ने नहीं की थी। पिछले एक माह में ईरान ने जिस तरह से वैश्विक राजनीति और सोच को परिवर्तित किया है उसके बाद ऐसा लगता है सारी दुनिया में अब नए समीकरण बनना शुरू हो गए हैं। इसमें अमेरिका अलग-अलग पड़ता चला जा रहा है। हार्मोज को खुलवाने के लिए भारत, फ्रांस, ब्रिटेन इत्यादि लगभग 45 देश जिस तरह से ईरान के साथ बात कर रहे हैं उससे एक बात स्पष्ट है भविष्य में अमेरिका का जो एकाधिकार था वह अब नहीं रहेगा। अमेरिका और इजरायल में जिस तरह से डोनाल्ड ट्रंप और नेतन्याहु के खिलाफ जनता सड़कों पर आ रही है, यूरोप और नाटो देश जिस तरह से अमेरिका से दूरियां बना रहे हैं, ईरान के साथ उनकी नजदीकियां बढ़ रही हैं। ऐसी स्थिति में अभी तक अमेरिका का जो वर्चस्व सारी दुनिया में था, वह वर्चस्व अब समाप्त होते हुए दिख रहा है। ईरान भी एक प्रमुख राष्ट्र के रूप में अपनी जगह बनाता हुआ नजर आ रहा है।

विवाह संस्था और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के बीच नई खाई

ललित गर्ग

आधुनिकता के संक्रमणकालीन दौर में सबसे अधिक यदि कोई संस्था प्रश्नों के घेरे में है, तो वह विवाह और रिश्तों की पारंपरिक अवधारणा है। बदलती जीवनशैली, आर्थिक आत्मनिर्भरता, तकनीक, वैश्वीकरण और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की बढ़ती चेतना ने रिश्तों की परिभाषा, अपेक्षाएँ और संरचना-सब कुछ बदल दिया है। यही कारण है कि आज रिश्तों से जुड़े प्रश्न केवल सामाजिक विमर्श का विषय नहीं रहे, बल्कि अदालतों तक पहुँच रहे हैं। हाल ही में इलाहाबाद उच्च न्यायालय के दो फैसलों ने व्यक्तिगत स्वतंत्रता और विवाह संस्था के बीच उत्पन्न हो रही नाजुक खाई को उजागर किया है। एक निर्णय में न्यायालय ने कहा कि वयस्कों के बीच आपसी सहमति से बना लिव-इन रिलेशनशिप, भले ही एक साथी विवाहित हो, अपराध नहीं है; वहीं दूसरे मामले में न्यायालय ने ऐसे ही एक जोड़े को संरक्षण देने से इनकार कर दिया और कहा कि व्यक्तिगत स्वतंत्रता के नाम पर पति या पत्नी के कानूनी अधिकारों को कमजोर नहीं किया जा सकता। यह विरोधाभास वास्तव में न्यायिक असंगति से अधिक एक कानूनी रिक्तता और सामाजिक संक्रमण का संकेत है। वास्तव में एक हकीकत यह भी है कि भारतीय समाज में वैवाहिक अधिकारों और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के बीच संतुलन बनाने वाले एक प्रभावी ढांचे की लंबे समय से आवश्यकता महसूस की जाती रही है। हमें मौजूदा परिदृश्य में यह बात स्वीकार करनी होगी कि यद्यपि विवाह संस्था संरक्षण की हकदार है, फिर भी पुरुष या स्त्री की व्यक्तिगत स्वतंत्रता को अनिश्चित काल तक इसके अधीन बंधक बनाकर नहीं रखा जा सकता है। निश्चित ही भारतीय संविधान का अनुच्छेद 21 प्रत्येक व्यक्ति को जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार देता है और इसी के दायरे में न्यायालयों ने समय-समय पर लिव-इन रिलेशनशिप को अपराध की श्रेणी से बाहर माना है। लेकिन दूसरी ओर, भारतीय कानून विवाह को एक कानूनी और सामाजिक संस्था के रूप में सर्वोच्च प्राथमिकता देता है, जिसमें अधिकार और दायित्व दोनों शामिल हैं। यही वह बिंदु है जहाँ व्यक्तिगत स्वतंत्रता और वैवाहिक अधिकारों के बीच टकराव उत्पन्न होता है। न्यायालय लिव-इन संबंधों को अपराध नहीं मानता, परंतु उनके सभी परिणामों को वैध मानने में संकोच करता है। यह स्थिति न केवल कानूनी भ्रम उत्पन्न करती है, बल्कि सामाजिक असुरक्षा भी पैदा करती है। वास्तव में समस्या न्यायिक निर्णयों की नहीं, बल्कि स्पष्ट विधायी ढाँचे की कमी की है। यदि व्यापक सामाजिक परिप्रेक्ष्य में देखें तो भारतीय समाज इस समय एक बड़े संक्रमणकाल से गुजर रहा है। एक ओर सदियों से स्थापित पारंपरिक जीवन मूल्य हैं, जिनमें विवाह केवल एक अनुबंध नहीं बल्कि एक संस्कार, सामाजिक स्वीकृति और पारिवारिक व्यवस्था का आधार है; दूसरी ओर आधुनिक जीवन की वास्तविकता है, जहाँ व्यक्ति की स्वतंत्रता, आत्म-विकास, करियर, आर्थिक स्वायत्तता और व्यक्तिगत संतुष्टि को भी समान महत्व दिया जा रहा है। विशेष रूप से महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता ने रिश्तों की शक्ति-संतुलन व्यवस्था को बदल दिया है। अब रिश्ते केवल सामाजिक दबाव से नहीं, बल्कि आपसी समझ और संतुष्टि के आधार पर टिके रहते हैं। परिणामस्वरूप, रिश्तों की स्थायित्व की अवधारणा बदल रही है और प्रतिबद्धता अब आजीवन वचन से अधिक एक निरंतर पुनर्मूल्यांकन की प्रक्रिया बनती जा रही है।

पिछली पीढ़ियों में विवाह जीवन का अनिवार्य चरण माना जाता था। हमारे माता-पिता और दादा-दादी के लिए विवाह केवल दो व्यक्तियों का नहीं, बल्कि दो परिवारों का संबंध था और जीवन भर साथ निभाना ही उसका लक्ष्य था। लेकिन आधुनिक पीढ़ी रिश्तों को अलग दृष्टि से देख रही है। आज के युवा पहले शिक्षा, करियर और आर्थिक स्थिरता को प्राथमिकता देते हैं, उसके बाद रिश्तों के बारे में निर्णय लेते हैं। कुछ लोग विवाह से पहले साथ रहने का विकल्प चुनते हैं, कुछ रिश्तों को नाम देने से भी बचते हैं और कुछ लोग विवाह के बजाय साझेदारी को अधिक उपयुक्त मानते हैं। इसका अर्थ यह नहीं कि आधुनिक पीढ़ी रिश्तों को महत्व नहीं देती, बल्कि इसका अर्थ यह है कि वे रिश्तों में स्वतंत्रता, सम्मान, संवाद और समानता को अधिक महत्व देते हैं। रिश्तों में सबसे बड़ा परिवर्तन लिंग भूमिकाओं के बदलाव से भी आया है। पहले पुरुष कमाने वाला और महिला घर संभालने वाली मानी जाती थी, लेकिन आज दोनों काम करते हैं, दोनों निर्णय लेते हैं और दोनों भावनात्मक सहयोग चाहते हैं। आधुनिक रिश्तों में समानता, खुलकर संवाद और साझा जिम्मेदारियों पर जोर है। हालांकि पुरुष और महिलाओं की अपेक्षाएँ पूरी तरह समान नहीं होतीं-अक्सर महिलाएँ भावनात्मक सहयोग और संवाद को अधिक महत्व देती हैं, जबकि पुरुष स्वतंत्रता और बौद्धिक जुड़ाव को महत्वपूर्ण मानते हैं लेकिन इन अंतरों को समझकर ही मजबूत रिश्ते बनाए जा सकते हैं।

आज आत्म-प्रेम और आत्म-देखभाल को स्वार्थ नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवन का आधार माना जाने लगा है। तकनीक और सोशल मीडिया ने भी रिश्तों की प्रकृति को गहराई से प्रभावित किया है। सोशल मीडिया ने लोगों को जोड़ने का काम किया है, लेकिन इसके साथ तुलना की संस्कृति भी बढ़ी है। अब लोग अपने रिश्तों की तुलना दूसरों की ऑनलाइन तस्वीरों और पोस्ट से करने लगे हैं, जिससे असंतोष और अवास्तविक अपेक्षाएँ बढ़ती हैं। कई बार डिजिटल दुनिया में मिलने वाला ध्यान वास्तविक रिश्तों की आत्मीयता को कम कर देता है। ऑनलाइन फ्लर्टिंग, डिजिटल बेवफाई और लगातार उपलब्ध रहने की अपेक्षा जैसी नई समस्याएँ भी सामने आई हैं। इसलिए आज डिजिटल सीमाएँ भी उतनी ही आवश्यक हो गई हैं जितनी व्यक्तिगत सीमाएँ।

ऑनलाइन डेटिंग ने रिश्तों की दुनिया को पूरी तरह बदल दिया है। जीवनसाथी ढूँढना पहले परिवार, समाज या परिचितों के माध्यम से होता था, लेकिन अब मोबाइल एप और वेबसाइटों के माध्यम से लोग साथी ढूँढते हैं। इससे विकल्प बढ़े हैं, लेकिन साथ ही रिश्तों की स्थिरता कम हुई है। ह्लस्वाइप संस्कृतिह्व ने रिश्तों को कई बार उपभोक्ता वस्तु की तरह बना दिया है, जहाँ विकल्प हमेशा खुले रहते हैं और प्रतिबद्धता कठिन हो जाती है। इसके बावजूद, यह भी सत्य है कि कई सफल विवाह और रिश्ते भी ऑनलाइन माध्यम से ही बने हैं। इसलिए समस्या तकनीक में नहीं, बल्कि उसके उपयोग की मानसिकता में है। आज की तेज रफ्तार दुनिया में रिश्तों को समय देना भी एक बड़ी चुनौती बन गया है। करियर, प्रतिस्पर्धा, आर्थिक दबाव, सोशल मीडिया और व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाएँ-इन सबके बीच रिश्ते अक्सर प्राथमिकता सूची में नीचे चले जाते हैं। लेकिन यह भी एक सत्य है कि अंततः मनुष्य को भावनात्मक सहारा, अपनापन और संबंधों की ही आवश्यकता होती है। इसलिए आधुनिक जीवन में रिश्तों को बनाए रखने के लिए संवाद, समय, सम्मान और समझ पहले से कहीं अधिक आवश्यक हो गए हैं।

विभिन्न पीढ़ियों के बीच रिश्तों को लेकर दृष्टिकोण में भी बड़ा अंतर दिखाई देता है। पुरानी पीढ़ी स्थायित्व और त्याग को महत्व देती है, जबकि नई पीढ़ी संतुष्टि और स्वतंत्रता को। पुरानी पीढ़ी रिश्ते बचाने के लिए समझौता करती थी, नई पीढ़ी रिश्ते में सम्मान और खुशी नहीं मिलने पर उसे छोड़ने का साहस रखती है। दोनों दृष्टिकोणों में अपनी-अपनी सच्चाई है। इसलिए आवश्यकता पीढ़ियों के संघर्ष की नहीं, बल्कि संवाद और समझ की है। वास्तव में विवाह बनाम स्वतंत्रता का प्रश्न किसी एक पक्ष की जीत या हार का प्रश्न नहीं है। यह समाज के विकास और परिवर्तन का स्वाभाविक चरण है। विवाह संस्था समाज के लिए आवश्यक है, क्योंकि वह स्थिरता, परिवार और सामाजिक व्यवस्था का आधार है। लेकिन व्यक्तिगत स्वतंत्रता भी उतनी ही आवश्यक है, क्योंकि बिना स्वतंत्रता के कोई भी रिश्ता केवल बंधन बन जाता है। इसलिए आवश्यकता इस बात की है कि कानून, समाज और परिवार-तीनों मिलकर ऐसा संतुलन बनाएं, जिसमें विवाह संस्था भी सुरक्षित रहे और व्यक्ति की स्वतंत्रता भी सुरक्षित रहे। निश्चिततौर पर यह स्वीकार करना होगा कि जब रिश्ते टूट जाते हैं, तो व्यक्तियों को गरिमा के साथ आगे बढ़ने की अनुमति देना समाज के लिए खतरा नहीं है, बल्कि यह सामाजिक व्यवस्था का एक आवश्यक अनुकूलन है। दुनिया तेजी से बदल रही है, संस्कृतियाँ एक-दूसरे से जुड़ रही हैं और सोच भी बदल रही है। ऐसे समय में हमें परंपरा और आधुनिकता के बीच संघर्ष नहीं, बल्कि समन्वय का मार्ग खोजना होगा। रिश्तों का भविष्य न पूरी तरह परंपरागत होगा, न पूरी तरह आधुनिक, बल्कि दोनों के संतुलन से ही एक नई सामाजिक व्यवस्था का निर्माण होगा, जहाँ विवाह भी सम्मानित होगा और स्वतंत्रता भी सुरक्षित होगी।

होर्मुज जलडमरूमध्य का संकट वैश्विक कूटनीति,ऊर्जा सुरक्षा और भारत की संतुलित रणनीति

बिनोद कुमार सिंह

संक्षेप में होर्मुज जलडमरूमध्य का यह संकट हमें यह सिखाता है कि आज की दुनिया में स्थिरता केवल राष्ट्रीय सीमाओं तक सीमित नहीं रह सकती।जब तक वैश्विक स्तर पर सहयोग, संवाद और संतुलन नहीं होगा, तब तक इस प्रकार के संकट बार-बार सामने आते रहेंगे।

वर्तमान परिपेक्ष में दुनिया में यदि कोई एक समुद्री मार्ग वैश्विक अर्थव्यवस्था की धड़कन को नियंत्रित करता है, तो वह है होर्मुज जलडमरूमध्य।फारस की खाड़ी को अरब सागर से जोड़ने वाला यह संकरा मार्ग केवल भौगोलिक सीमाओं का हिस्सा नहीं,बल्कि वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति का सबसे संवेदनशील द्वार बन चुका है।जब भी इस क्षेत्र में हलचल होती है, उसकी गूंज केवल पश्चिम एशिया तक सीमित नहीं रहती, बल्कि एशिया, यूरोप और अफ्रीका तक महसूस की जाती है। हाल के घटनाक्रमों ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि होर्मुज में उत्पन्न संकट किसी एक देश या क्षेत्र का मसला नहीं,बल्कि पूरी दुनिया की आर्थिक स्थिरता से जुड़ा हुआ प्रश्न है।यही कारण है कि ब्रिटेन की पहल पर 60 से अधिक देशों की भागीदारी के साथ एक उच्चस्तरीय ऑनलाइन बैठक आयोजित की गई। यह केवल एक कूटनीतिक औपचारिकता नहीं थी,बल्कि वैश्विक चिंता और सामूहिक समाधान की तलाश का संकेत भी था।इस बैठक में भारत की भागीदारी विशेष रूप से महत्वपूर्ण रही। भारत की उपस्थिति ने यह स्पष्ट किया कि वह अब केवल एक क्षेत्रीय शक्ति नहीं,बल्कि वैश्विक विमर्श को दिशा देने वाला जिम्मेदार देश बन चुका है।भारत का प्रतिनिधित्व विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने किया,जिन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों में निर्बाध आवागमन और नौवहन की स्वतंत्रता किसी भी वैश्विक व्यवस्था की आधारशिला है।सच्चाई यह है कि होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाला तेल केवल ईंधन नहीं, बल्कि विश्व अर्थव्यवस्था का प्रवाह है।प्रतिदिन लगभग 20 प्रतिशत वैश्विक तेल आपूर्ति इसी मार्ग से गुजरती है।ऐसे में जब इस क्षेत्र में जहाजों पर हमले होते हैं,नाविक फंसते हैं और आवागमन बाधित होता है, तो उसका असर सीधे वैश्विक बाजारों पर दिखाई देता है।आज की स्थिति में 25 से अधिक जहाजों को निशाना बनाए जाने और हजारों नाविकों के फंसे होने की घटनाएं केवल आंकड़े नहीं, बल्कि वैश्विक असुरक्षा की कहानी कहती हैं।इस बैठक की अध्यक्षता करते हुए यवेट कूपर ने इस संकट के लिए ईरान को जिम्मेदार ठहराया और इसे वैश्विक आर्थिक सुरक्षा पर सीधा आघात बताया।उनके अनुसार, इस स्थिति ने न केवल तेल और गैस

की आपूर्ति को प्रभावित किया है,बल्कि जेट ईंधन,उर्वरक और अन्य आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता को भी संकट में डाल दिया है।इस वैश्विक्र संकट का सबसे बड़ा प्रभाव उन देशों पर पड़ रहा है,जो इस संघर्ष का हिस्सा नहीं हैं,लेकिन इसकी कीमत चुका रहे हैं। एशिया और अफ्रीका के विकासशील देश,जिनकी अर्थव्यवस्था पहले से ही दबाव में है,इस अस्थिरता के कारण और अधिक कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं।भारत के लिए यह स्थिति और भी अधिक गंभीर है।देश की ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा खाड़ी क्षेत्र से आता है और होर्मुज उसका प्रमुख मार्ग है।ऐसे में इस क्षेत्र में किसी भी प्रकार की बाधा भारत की ऊर्जा सुरक्षा को सीधे प्रभावित करती है।विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने भी यह स्पष्ट किया कि भारत इस संकट को केवल एक क्षेत्रीय विवाद नहीं, बल्कि अपनी आर्थिक स्थिरता और ऊर्जा सुरक्षा से जुड़ा विषय मानता है।वर्तमान की स्थिति संवेदनशीलता इस बात से भी समझी जा सकती है कि हाल के हमलों में भारतीय नाविकों की जान गई है।यह केवल एक मानवीय त्रासदी नहीं,बल्कि भारत की समुद्री सुरक्षा और वैश्विक उपस्थिति के लिए एक गंभीर चेतावनी भी है।ऐसे समय में भारत ने जिस परिपक्वता का परिचय दिया है,वह उसकी विदेश नीति की गहराई को दशार्ता है।भारत ने स्पष्ट रूप से कहा है कि इस संकट का समाधान युद्ध या सैन्य कार्रवाई में नहीं, बल्कि संवाद और कूटनीति में निहित है।यह दृष्टिकोण भारत की ह्लरणनीतिक स्वायत्तताह्व की नीति के अनुरूप है,जिसमें वह किसी शक्ति गुट का हिस्सा बने बिना अपने हितों को संतुलित ढंग से साधता है।कीर स्टार्मर की पहल पर आयोजित इस बैठक में भारत ने यह संदेश दिया कि तनाव को कम करना और सभी पक्षों को वार्ता की मेज पर लाना ही इस संकट से बाहर निकलने का एकमात्र रास्ता है।यह रुख न केवल व्यावहारिक है,बल्कि अंतरराष्ट्रीय मानकों और सिद्धांतों के अनुरूप भी है।अंतर्राष्ट्रीय समुद्री कानून, विशेषकर संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून सम्मेलन (UNCLOS),यह सुनिश्चित करता है कि किसी भी देश को अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों में बाधा उत्पन्न करने का अधिकार नहीं है।ऐसे में होर्मुज का संकट इन सिद्धांतों की भी परीक्षा ले रहा है। यदि यह स्थिति लंबे समय तक बनी रहती है,तो यह वैश्विक व्यापार व्यवस्था के लिए खतरनाक उदाहरण बन सकती है।इस संकट का प्रभाव केवल तेल और गैस तक सीमित नहीं है। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला,जो पहले ही कई झटकों से कमजोर हो चुकी है, अब एक और बड़े दबाव का सामना कर रही है। परिवहन लागत में वृद्धि,वस्तुओं की कमी और महंगाई का बढ़ता दबाव-ये सभी संकेत एक व्यापक आर्थिक संकट की ओर इशारा कर रहे हैं।भारत के सामने इस चुनौती से निपटने के लिए बहुस्तरीय रणनीति अपनाने की आवश्यकता है।ऊर्जा स्रोतों का विविधीकरण, सामरिक भंडारण को मजबूत करना,अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ाना और समुद्री सुरक्षा क्षमताओं को सुदृढ़ करना - ये सभी कदम समय की मांग हैं।

संक्षेप में होर्मुज जलडमरूमध्य का यह संकट हमें यह सिखाता है कि आज की दुनिया में स्थिरता केवल राष्ट्रीय सीमाओं तक सीमित नहीं रह सकती।जब तक वैश्विक स्तर पर सहयोग, संवाद और संतुलन नहीं होगा, तब तक इस प्रकार के संकट बार-बार सामने आते रहेंगे।

भारत ने इस कठिन समय में जिस संयम,संतुलन और दूरदर्शिता का परिचय दिया है, वह उसे एक जिम्मेदार और परिपक्व वैश्विक शक्ति के रूप में स्थापित करता है। अब आवश्यकता इस बात की है कि पूरा विश्व एकजुट होकर इस संकट का स्थायी समाधान खोजे, ताकि होर्मुज जलडमरूमध्य जैसी जीवनरेखा भविष्य में किसी भी प्रकार के तनाव का शिकार न बने और वैश्विक शांति व समृद्धि का मार्ग अविरल बना रहे।

हेल्थ प्लस

अखरोट खाएं दिल बचाएं

अब दिल के डॉक्टर अपने मरीजों को स्वस्थ हृदय के लिए सीमित मात्रा में अखरोट खाने की सलाह देने लगे हैं। अध्ययनों से पता लगा है कि जब रोगियों को अन्य वसा के स्थान पर 13 अखरोट नित्य खाने को दिए गए तो उनके हृदय की रक्तवाहिनियां पहले से अधिक लचीली हो गई जिससे हृदय में रक्त संचार बेहतर हुआ। अखरोट में कोलेस्ट्रॉल कम करने वाला एल्फा लिनोलिक एसिड, विटामिन ई और रक्तचाप कम करने वाला अमीनो एसिड एल आर्जीनिन होते हैं। इसलिए जिन लोगों को कोलेस्ट्रॉल थोड़ा अधिक हो, उन्हें अन्य वसा कम करके सीमित मात्रा में अखरोट खाने से लाभ होगा।

मधुमेह में फायदेमंद पालक

पालक और अन्य हरी सब्जियां रक्त में शर्करा के स्तर को कम करने में सहायक होते हैं ,क्योंकि पालक और अन्य सागों में शर्करा कम होती है इसलिए इसको खाने से शर्करा का स्तर बिल्कुल नहीं बढ़ता। इसके अतिरिक्त इसमें मैग्नीशियम होता है ,जो मधुमेह के खतरों को कम करता है। तीसरी पालक में अल्फा लिपोइक एसिड होता है जो बीमारियों से बचाने वाले एंटी ऑक्सीडेंट है। चौथे हर साग में रेशा अधिक और कैलॉरी कम होती है इसलिए रक्त शर्करा पर नियंत्रण रखने हेतु पालक और अन्य साग नियमित खाइए।

चोकर खाएं, स्वस्थ रहें

बेकार की वस्तु समझकर फेंक दिया जाने वाला चोकर बड़े काम की चीज है। चोकर में अनेक विटामिन और पौष्टिक तत्त्व होते हैं। चोकर को आटे से निकालकर हम शरीर के लिए लाभदायक पौष्टिक तत्त्वों से वंचित हो जाते हैं।

मोटा खाना,मोटा पहनना भारतीय जीवन शैली का मूल मंत्र रहा है। तभी तो हमारे पूर्वज दीर्घायु होते थे और लंबा, स्वस्थ जीवन जीते थे।

आज हर व्यक्ति की पसंद बारीक पिसा और छना हुआ आटा है, क्योंकि ऐसे आटे की रोटी नरम और देखने में साफ-सुथरी होती है, लेकिन बहुत कम लोगों को पता है कि ऐसे आटे से बनी रोटी कब्जकारक होती है।

आटे का चोकर अन्त:स्त्रावी ग्रंथियों के नैसर्गिक क्रिया कलाप में मदद करता है। चोकर युक्त रोटियों को चबाने में ज्यादा श्रम लगता है, लेकिन इससे हमारी पाचन क्रिया में मदद मिलती है। चोकर सेवन से जठराग्नि प्रदीप्त होती है। अपच आदि विकारों से छुटकारा मिलता है।

चोकर युक्त आटे में विटामिन बी कॉम्पलेक्स प्रचुर मात्रा में होता है। जब गेहूं को पीसकर बारीक आटा बना दिया जाता है, तब यह विटामिन नष्ट हो जाता है। इसके अतिरिक्त अन्य पोषक तत्त्व भी नष्ट हो जाते हैं।

चोकर प्रोटीन का भी बढ़िया स्त्रोत है। यदि चोकर को छानकर आटे से अलग कर दिया जाए, तो आटा प्रोटीन से रहित हो जाता है। चोकर युक्त आटे से बनी रोटियां स्वादिष्ट तो होती ही है जीवनी शक्ति को भी बढ़ाती है।नवीन अनुसंधानों से ज्ञात हुआ है कि चोकर सहित आटे से बनी रोटियों का सेवन करने से पेप्टिक अल्सर नहीं होता। चोकर में मौजूद प्रोटीन पेप्टिक अल्सर से बचाव करता है। चोकरयुक्त आटे से बनी रोटियां खाने से कब्ज से छुटकारा मिलता है।

मैदे के ज्यादा सेवन से दांतों को नुकसान पहुंचता है, वहीं चोकरयुक्त रोटियां खाने से दांतों एवं मसूढ़ों को लाभ मिलता है। बार-बार होने वाला जुकाम, सिरदर्द, भूख की कमी तथा दांतों से एनामेल हटना आदि का उपचार चोकर से हो सकता है।

चोकर मधुमेह रोगियों के लिए काफी लाभदायक होता है। मैदे से बनी चीजों को खाने से डायबिटीज और हृदय रोगों से ग्रसित होने की संभावना होती है जबकि चोकरयुक्त रोटियां लगातार कुछ दिन सेवन करने से इन रोगों का नाश होता है।

खाद्य पदार्थों को बहुत अधिक कूटने, पीसने, तलने, भूलने आदि से उनका स्वाद तो बढ़ जाता है, लेकिन इन प्रक्रियाओं से उनके प्राकृतिक गुण खत्म हो जाते हैं। ऐसे खाद्य पदार्थों के सेवन से शरीर का पूर्ण विकास नहीं हो पाता।

चोकर में अल्सर पैदा करने वाले तत्त्वों को कमजोर करने की क्षमता होती है। इस तथ्य की पुष्टि वैज्ञानिकों ने भी की है। आहार पर अनुसंधान कर रहे यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ लंदन के सर्जरी विभाग के कंसल्टेंट फिजीशियन फैंक आई टोवे के शोध से स्पष्ट हो गया है कि गेहूं की रोटियां खाने वाले उत्तरी भारत के लोगों को दक्षिणी भारत के लोगों की तुलना में पेट का अल्सर कम होता है। ऐसा चोकर के कारण होता है, क्योंकि चोकर में अल्सर पैदा करने वाले तत्त्वों को कमजोर करने की क्षमता होती है। चोकयुक्त रोटियां खाने से चेहरे का फीकापन, चक्कर आना, सांस फूलना आदि परेशानियां दूर होती हैं।

प्रख्यात जर्मन प्राकृतिक चिकित्सक प्रोफेसर अर्नाल्ड इहरिट ने 'म्यूकसलेस डाइट हीलिंग सिस्टम' में बताया है कि चोकरयुक्त आटे की रोटियां कम हानिकारक होती है ,क्योंकि उनका पिचकने वाला गुण नष्ट हो जाता है। मोटे पिसे तथा बिना छने आटे की रोटियां आंतों की पुरस्सरण गति को बढ़ा देती है जिससे कब्ज नहीं होता। इसलिए कब्ज के रोगियों के लिए चोकरयुक्त आटे की रोटियां लाभदायक होती है।

संतुलित रक्तचाप

पछले दिनों हुई रिसर्च में पता चला है कि दिल की अधिकतर बीमारियों के लिए उच्च रक्तचाप यानी हाई ब्लड प्रेशर ही जिम्मेदार है। उच्च रक्तचाप पर नियंत्रण सही जीवनशैली अपना कर ही किया जा सकता है। इसके लिए नियमित रूप से रक्तचाप परीक्षण तो करवाएं ही साथ ही व्यायाम को भी अपनी जीवनशैली का हिस्सा बनाएं। इसके अलावा वजन नियंत्रित रखना तंबाकू, एल्कोहॉल का सेवन न करना, वसायुक्त भोजन न खाना, सोडियम और सैच्यूरेटेड फैट युक्त भोजन का सेवन कम करना और फलों व सब्जियों को प्राथमिकता देना भी इसके लिए जरूरी होता है।

दिन में सोने से मधुमेह का खतरा

जो लोग नियमित रूप से दिन में सोते हैं उन्हें टाइप-2 मधुमेह होने का खतरा होता है। यह बात हाल ही में जारी एक अध्ययन में कही गई है। यूनिवर्सिटी ऑफ बर्घिंगम के शोधकर्ताओं ने अपने अध्ययन में कहा है कि जो लोग दिन में सोते हैं उनमें मधुमेह होने का खतरा 26 प्रतिशत तक बढ़ जाता है। डॉक्टर शहराद ताहेरी ने कहा कि आज के समय में जिस तरह लोग टाइप 2 मधुमेह से ग्रसित हो रहे हैं, यह महत्वपूर्ण हो जाता है कि इसे रोकने के लिए जरूरी कदम उठाए जाएं।

अध्ययन के अनुसार इस स्थिति के लिए खानपान के प्रति लापरवाही, मोटापा और रात को कम सोना भी जिम्मेदार होता है। दिन में सोने वालों को रात में नींद ढंग से नहीं आती। शोधकर्ताओं ने चीन में 16480 लोगों की सोने की आदतों का अध्ययन किया जिसमें से 68 प्रतिशत लोग नियमित रूप से दिन में सोते थे। शोधकर्ताओं ने माना कि हफ्ते में एक दिन भी सोना मधुमेह के लिए जिम्मेदार हो सकता है। शोधकर्ताओं ने कहा कि अध्ययन के दौरान मधुमेह के लिए जिम्मेदार अन्य चीजों को भी ध्यान में रखा गया लेकिन दिन में सोना भी टाइप 2 मधुमेह के लिए जिम्मेदार होता है।

रिएक्शन से फायदे

जिंदगी जीने के लिए एक्सरसाइज, योगा, संतुलित भोजन के महत्व के बारे में अब तक आपने बहुत बार सुना होगा। क्या आप जानते हैं कि किसी बात पर आपकी प्रतिक्रिया भी आपकी जिंदगी और स्वास्थ्य को बहुत गहराई तक प्रभावित करती है।

हाल ही में एडिनबर्ग यूनिवर्सिटी में संपन्न हुई एक रिसर्च में इस बात का खुलासा हुआ है कि जो लोग अपने आसपास के वातावरण में त्वरित प्रतिक्रियाएं देते हैं, वे लंबा और स्वस्थ जीवन व्यतीत करते हैं। हम किसी बात पर कैसे रिएक्ट करते हैं, यह हमारा सेंट्रल नर्वस सिस्टम तय करता है।

वातावरण या माहौल के मुताबिक हमारी प्रतिक्रियाएं शरीर के भीतर स्थित सिस्टम इंटीग्रिटी को प्रदर्शित करती है। किसी बात पर हमारा मस्तिष्क जिस तरह की प्रतिक्रिया के आदेश अन्य अंगों को देता है, वो अंग कितने त्वरित अंदाज में प्रतिक्रिया दर्शाते हैं, यह हमारे अंदरूनी तंत्र के सामंजस्य पर निर्भर करता है।

यदि सामंजस्य बेहतर है तो हम शीघ्रता से प्रतिक्रिया देंगे। यदि सामंजस्य में कही कोई कमी है तो प्रतिक्रिया देने में सामान्य से अधिक वक्त लगेगा। कभी-कभी ऐसा होना सामान्य बात है। इस बात का अकसर दोहराव किसी असामान्यता का संकेत हो सकता है।

क्या कहती है रिसर्च

एडिनबर्ग यूनिवर्सिटी और मेडिकल रिसर्च काउंसिल ग्लास्गो ने इस विषय पर 20 साल तक शोध करने के बाद ये परिणाम निकाले कि-

- जो लोग त्वरित प्रतिक्रियाएं देते हैं, वे स्वस्थ और लंबा जीवन जीते हैं।
- इन लोगों को दिल की बीमारियां होने की संभावना बहुत कम होती है।
- ऐसे लोग कार्यक्षेत्र में बेहतर परफॉर्म करते हैं।
- तनाव से जल्दी बाहर निकलने में सक्षम होते हैं।

फ्लॉस से मसूढ़ों की सफाई

नायलोन का धागा करता है मसूढ़ों की बीमारी दूर

क्या आप जानते हैं कि नायलोन का एक पतला सा धागा न केवल आपके दांतों की सफाई करता है, बल्कि मसूढ़ों की कई बीमारियों से बचाने में भी मदद करता है।

दांतों के क्षय तथा अन्य बीमारियों से रक्षा के लिए चिकित्सक अक्सर मरीजों को फ्लॉस कराने [नायलोन के पतले धागे की सहायता से दांतों की सफाई] की सलाह देते हैं। हाल में किए गए एक नए अध्ययन से पता चला है कि फ्लॉस मसूढ़ों की विभिन्न बीमारियों को दूर रखने में भी सहायक होता है।

न्यूयॉर्क के विश्वविद्यालय द्वारा किए गए इस अध्ययन में 12 से 21 वर्ष आयु वर्ग के 51 जुड़वां लोगों को शामिल किया गया। दो सप्ताह के परीक्षण के बाद इन जोड़ों के दांतों से सैंपल लिए गए। पाया गया कि जिन युवाओं ने ब्रश के साथ फ्लॉस किया था, उनके दांतों में जीवाणुओं की संख्या अपने उस साथी की अपेक्षा कम थी जिसने केवल ब्रश से दांत साफ किए थे।

'पीरियोंडोंटोलॉजी जर्नल' के संपादक केनेथ कार्नमैन ने बताया कि इस अध्ययन से पता चलता है कि फ्लॉसिंग मुंह के स्वास्थ्य के लिए बेहतर है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ
कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-3-6-8

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो
अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। विद्यार्थियों को लाभ। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। शुभांक-6-7-9

मिथुन — का की कू घ ड छ के को हा
समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। शुभांक-3-4-8

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो
मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। संतान की उन्नति के योग हैं। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। शुभांक-4-8-9

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे
संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। महत्त्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-6-8-9

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
पुराने मित्र से मिलन होगा। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। व्यापार में वृद्धि होगी। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। शुभांक-4-2-9

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते
माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। शुभांक-6-8-9

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू
नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। स्वास्थ्य का पाया कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-2-6-7

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे
कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। शुभांक-3-7-9

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी
कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। साथी अथवा यार दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। किसी कार्य विशेष के लिए यात्रा आवश्यक होगी। शुभांक-6-7-8

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा
शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते हैं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। आलस्य का त्याग करें। काम पर पैनी नजर रखिए। सब्र का फल मीठा होता है अत: धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। शुभांक-2-5-7

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची
पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। सफलता मिलेगी। शुभांक-3-7-8

काकुरो पहेली - 3848

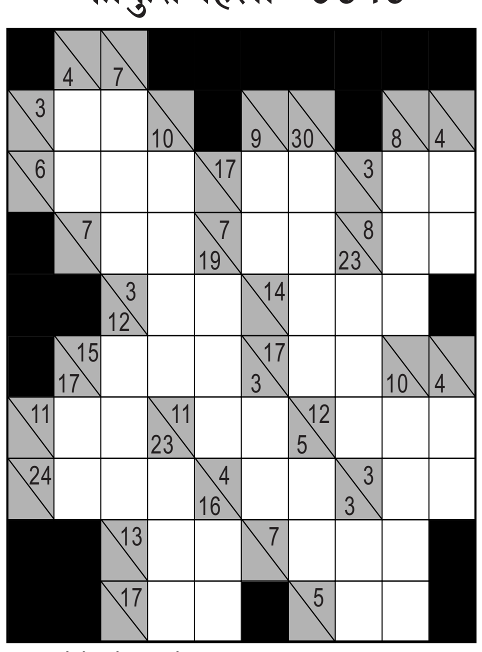

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

15 → 1 2 3 4 5; 24 ↓ 7 8 9

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 3847 का हल

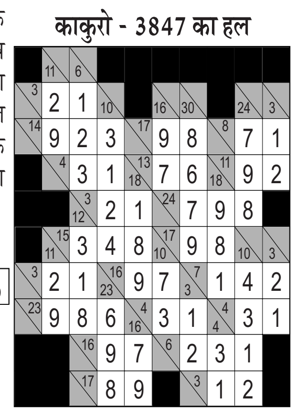

हंसी के फूव्वारें

एक सखी-मेरे पति प्रतिदिन सैकड़ों लोगों को भोजन करवाते हैं.

दूसरी- हां बहन, ऐसे देवता स्वरूप लोग होते ही कितने हैं. वैसे वे करते क्या हैं?

पहली सहेली-वे होटल में वेटर हैं.

□ □ □

प्रबन्धक-फिलहाल मैं तुम्हें हजार रुपये महीना दे सकता हूँ. छह महीने बाद बारह सौ दूंगा.

प्रत्याशी-ठीक है मैं छह महीने बाद ही आ जाऊंगा.

□ □ □

मां ने दूध में डबलरोटी खाने को दी. थोड़ी देर में बालक रोने लगा तब मां ने पूछा, 'क्यों क्या हुआ? रो क्यों रहे हो?'

बालक ने रोते हुए कहा, 'सारा दूध तो डबलरोटी पी गई मैं क्या पिऊं?'

□ □ □

अपने पिता के साथ चिड़ियाघर देखते हुए बच्चा शेर के पिंजरे के सामने आकर सोचने लगा. बाप ने कारण पूछा तो बच्चे ने कहा, 'कुछ नहीं पिताजी,मैं सोच रहा था कि अगर शेर ने पिंजरे से निकलकर आपको खा लिया तो मैं कौन से नम्बर की बस में घर जाऊंगा.'

□ □ □

पत्नी-तुमने अपना वादा तोड़ दिया.

नेता-कोई बात नहीं जल्दी ही नया वादा कर लूंगा.

फिल्म वर्ग पहेली- 3848

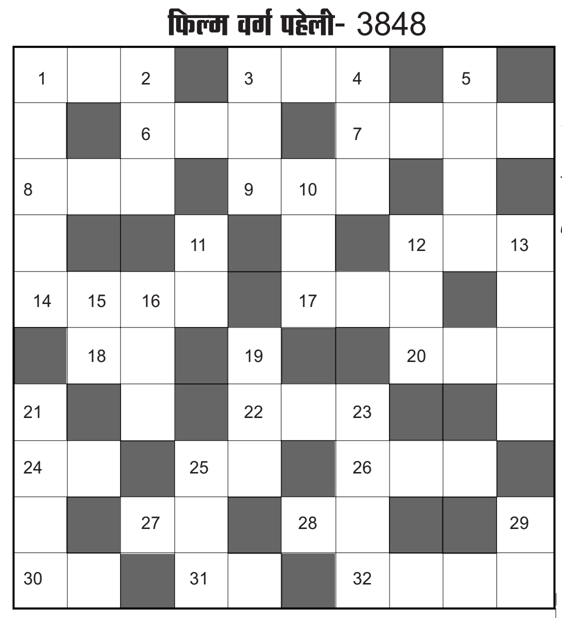

बायें से दायें:-

१. 'सारे शहर में आप सा कोई' गीत वाली फिल्म-३
३. 'जब जब प्यार पे पहरा हुआ' गीत वाली की फिल्म-३
६. मिथुन, मधु, रंभा की 'तुम्हें हम बहुत प्यार करने लगे' गीत वाली फिल्म-३
७. 'तेरी प्यारी प्यारी' गीत वाली राजेंद्र कुमार, बी. सरोजादेवी की फिल्म-४
८. बॉबी देओल, रानी मुखर्जी की 'आँखों के रस्ते दिल में' गीत वाली फिल्म-३
९. राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-३
१४. 'सरकाय लेओ खटिया' गीत वाली गोविंदा, करिश्मा की फिल्म-२,२
१७. फिल्म 'शहीद' में नायिका ?-३
१८. 'आई बहार खिलते हैं दिल' गीत वाली सलमान, रेवती की फिल्म-२
२०. शशिकपूर, रेखा की 'जाने कैसे बीतेंगी ये बरसातें' अभिनीत फिल्म-३
२२. 'मच गया शोर सारी' गीत वाली अमिताभ, परवीन की फिल्म-३
२४. ऋषि, टीना की 'एक हसीना थी एक दीवाना था' गीतवाली फिल्म-२
२५. धर्मेन्द्र, मनोजकुमार, सायराबनो की फिल्म-२
२६. रणधीरकपूर, रेखा की 'हो देख तुझको दिल ने कहा' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'मैं नये जमाने की' गीत वाली अजय देवगन, रवीना की फिल्म-२
२८. अक्षयकुमार, रवीना टंडन की 'दीवाने हैं दीवानों से तू' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'आइये आ जाइये, आ ही जाइये' गीत वाली अनिलकपूर, जैकीश्रॉफ, मनीषा, सोनाली, रेखा की फिल्म-२
३१. राजेश खन्ना, राखी, शर्मिला की 'नी मैं यार मनाना' गीत वाली फिल्म-२
३२. अमिताभ, जीनत की फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'बचपन की मोहब्बत को' गीत वाली भारतभूषण, मीना की फिल्म-२,३
२. सुनील दत्त, मीना की फिल्म-३
३. 'ऐ जिंदगी गले लगा ले' गीत वाली कमल हासन, श्रीदेवी की फिल्म-३
४. लकी अली, मीरा की 'जाना है जाना है चलते ही' गीत वाली फिल्म-३
५. 'मेरे सपनों की रानी कब' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-४
१०. नसीरूद्दीनशाह, शबाना की 'सीली हवा छू गई' गीत वाली फिल्म-३
११. 'ऐसी रंग दे पिया' गीत वाली राजेश खन्ना, हेमा मालिनी की फिल्म-२
१२. सनी, अमृता की 'ये मेरी जिंदगी बेजान लाश थी' गीत वाली फिल्म-३
१३. 'ठहरो तो सही सोचो तो' गीत वाली गोविंदा, मनीषा कोइराला की फिल्म-४
१५. 'एक लड़की बस गई' गीतवाली फिल्म-२
१६. 'भोर आई गया अंधियारा' गीत वाली राजेश खन्ना, जया की फिल्म-३
१९. कमल सदाना, काजोल की 'जब ना माना दिल दीवाना' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'आशायें खिलें दिल की' गीत वाली नसीर, श्रेयस, श्वेता की फिल्म-४
२३. अनिलकपूर, फरहा की 'पूछ रही है लड़की हैदराबादी' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'आपका खत मिला' गीत वाली जीतेंद्र, रामेश्वरी, सारिका की फिल्म-३
२९. संजयदत्त, अभिषेक, जायेदखान, ईशा देओल, राइमासेन, शिल्पा की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3847

उ	त्स	व		चि	रा	ग		खौ	फ
स्ता		च	रि	त्र		म	स्त		र
द	म	न		ले	कि	न		शा	दी
	र्या		रे	खा			ना	गि	न
अं	दा	ज			प्या	सा		र्द	
गू		मा	चि	स		ज	ख्मी		जं
र	वी	ना		ल	गा	न		जं	ग
	र		हे	मा			सी		ली
बे	ता	बी		न	या	ज	मा	ना	
टा		ना	ना		दे			म	स्ती

सूडोकु -3848

	8	1				2	5	
2								9
5			1		7	4		
9	5			4			2	
		3	9		6	7		
	7			8			1	5
		7	2		5			1
6								7
	1	5				6	9	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3847 का हल

5	9	4	2	3	6	1	8	7
8	7	3	1	4	5	2	9	6
6	1	2	8	7	9	3	5	4
1	6	7	9	8	2	4	3	5
3	8	5	4	1	7	6	2	9
2	4	9	6	5	3	7	1	8
7	5	6	3	9	1	8	4	2
4	2	1	5	6	8	9	7	3
9	3	8	7	2	4	5	6	1

शब्द पहेली - 3848

बाएँ से दाएँ

1.मूर्ख,बुद्धिहीन-4
3.रुई की फसल-3
5.वंश,खानदान-2
6.आह,पीड़ा भरी ध्वनि-3
7.जी,इच्छा,चित्त-2
9.पहनना-3
11.दास,नौकर,सेवक-5
14.अग्नि,आग-3
16.चयनित,स्वीकृत-4
17.जाति,संप्रदाय-2
18.उस समय-2
19.आदत,व्यवहार-4
23.माला का मोती-3
24.लालन-पालन-5
27.पूर्णिमा-3
28.वश,अधीन-2
30.खबर देने वाला-3
31.खदान,माइन-2
32.आश्रय,पनाह-3
33.संपत्ति-4

ऊपर से नीचे

1.घोड़े के पांव में लगने वाला लोहे का टुकड़ा-2
2.धारा के बीच में,अधर में-2,2
3.आफत,आपदा-3
4.एक समान-2
5.गृहपति,चांसलर-4
6.दाना-2
8.प्रतिकृति,प्रतिरूप-3
10.रोकर धनराशि-3
12.प्रेम ,आसक्ति-3
13.नीर,जल-2
15.भाग्य,तकदीर-3
17.जंबुल,जांब-3
18.टेंशन,परेशानी-3
20.काया,बदन-2
21.उष्णता-3
22.नाश होने योग्य-4
23.साम्राज्ञी,रानी-3
25.रमण करने योग्य-4
26.अदा,चोंचला-3
27.पूड़ी,गोलगप्पा-2
29.पिता की बहन-2
31.उर्वरक,गाय के गोबर से बना पदार्थ जो खेत में डाला जाता है-2

शब्द पहेली -3847 का हल

	श	म	शा	न		म	ति	मं	द	
क			य		वी		रं			शै
र		प	र	व	र	दि	गा	र		ता
ता	ड़	ना			वा			ज	वा	न
र		ह		प	र	दा		त	री	
	नी		गै	र		म	जा		स	
	र	वि		म	न	न		स		आ
ग	ज	रा			फा			ह	की	म
र		म	ह	सू	स	क	र	ना		द
म			रा		त		खै			नी
	सो	म	ना	थ		य	ल	गा	र	

भारत के एलपीजी आयात में मार्च में तेज गिरावट, अमेरिका बड़ा आपूर्तिकर्ता बना

– पिछले दो महीनों की तुलना में आयात में 40 फीसदी से अधिक की कमी आई

नई दिल्ली ।

भारत के एलपीजी (एलपीजी) आयात में मार्च 2026 में अचानक गिरावट दर्ज की गई है। शिप-ट्रैकिंग डेटा के अनुसार पिछले दो महीनों की तुलना में आयात में 40 फीसदी से अधिक की कमी आई है। इस कमी ने देश की ऊर्जा सुरक्षा पर असर पड़ने की आशंका पैदा कर दी है। मार्च में भारत का कुल एलपीजी आयात लगभग 1.22 मिलियन टन रहा, जो जनवरी की तुलना में 46 फीसदी और फरवरी की तुलना में 40 फीसदी कम है। इस बीच, अमेरिका ने भारत को मार्च में सबसे अधिक एलपीजी सप्लाई की, कुल 420 हजार टन। संयुक्त अरब अमीरात और कतर ने समान रूप से 226 हजार टन आपूर्ति की, जबकि सऊदी अरब 130 हजार टन और कुवैत 90 हजार टन योगदान दे सके। ईरान ने करीब सात साल बाद आपूर्ति फिर से शुरू की और 43 हजार टन भेजा। विशेषज्ञों के अनुसार, फरवरी के अंत में ईरान से जुड़ा सैन्य तनाव बढ़ने के बाद स्ट्रेट आफ होर्मुज के रास्ते समुद्री यातायात प्रभावित हुआ।

इससे एलपीजी आपूर्ति पर असर पड़ा और आयात में कमी आई। ऊर्जा विशेषज्ञ चेतावनी दे रहे हैं कि यदि वैश्विक आपूर्ति अस्थिर बनी रहती है, तो भारत को वैकल्पिक स्त्रोतों और रणनीतिक भंडारण पर ध्यान केंद्रित करना होगा। इससे किसी भी आपातकालीन स्थिति में घरेलू आपूर्ति सुनिश्चित की जा सकेगी।

बजाज ऑटो की बिक्री मार्च में 20 प्रतिशत बढ़कर 4,45,377 इकाई

नई दिल्ली ।

बजाज ऑटो लिमिटेड ने मार्च 2026 में कुल बिक्री 4,45,377 इकाई दर्ज की, जो पिछले साल इसी महीने 3,69,823 इकाई थी। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि घरेलू बिक्री भी 2,66,290 इकाई तक बढ़ी। दोपहिया वाहनों की घरेलू बिक्री मार्च में 20 फीसदी बढ़कर 2,21,021 इकाई हुई, जबकि निर्यात 21 फीसदी बढ़कर 1,59,452 इकाई रहा। वाणिज्यिक वाहन भी मजबूत प्रदर्शन करते हुए

कुल बिक्री में 20 फीसदी वृद्धि दर्ज की, जो 64,904 इकाई तक पहुंची। घरेलू वाणिज्यिक बिक्री 45,269 इकाई और निर्यात 19,635 इकाई रही। कंपनी के मुताबिक, मजबूत मांग और निर्यात में तेजी से मार्च 2026 बजाज ऑटो के लिए बेहतर महीना साबित हुआ।

भारत के एलपीजी आयात में मार्च में तेज गिरावट, अमेरिका बड़ा आपूर्तिकर्ता बना
- पिछले दो महीनों की तुलना में आयात में 40 फीसदी से अधिक की कमी आई

नई दिल्ली ।
भारत के एलपीजी (एलपीजी) आयात में मार्च 2026 में अचानक गिरावट दर्ज की गई है। शिप-ट्रैकिंग डेटा के अनुसार पिछले दो महीनों की तुलना में आयात में 40 फीसदी से अधिक की कमी आई है। इस कमी ने देश की ऊर्जा सुरक्षा पर असर पड़ने की आशंका पैदा कर दी है। मार्च में भारत का कुल एलपीजी आयात लगभग 1.22 मिलियन टन रहा, जो जनवरी की तुलना में 46 फीसदी और फरवरी की तुलना में 40 फीसदी कम है। इस बीच, अमेरिका ने भारत को मार्च में सबसे अधिक एलपीजी सप्लाई की, कुल 420 हजार टन। संयुक्त अरब अमीरात और कतर ने समान रूप से 226 हजार टन आपूर्ति की, जबकि सऊदी अरब 130 हजार टन और कुवैत 90 हजार टन योगदान दे सके। ईरान ने करीब सात साल बाद आपूर्ति फिर से शुरू की और 43 हजार टन भेजा। विशेषज्ञों के अनुसार, फरवरी के अंत में ईरान से जुड़ा सैन्य तनाव बढ़ने के बाद स्ट्रेट आफ होर्मुज के रास्ते समुद्री यातायात प्रभावित हुआ। इससे एलपीजी आपूर्ति पर असर पड़ा और आयात में कमी आई। ऊर्जा विशेषज्ञ चेतावनी दे रहे हैं कि यदि वैश्विक आपूर्ति अस्थिर बनी रहती है, तो भारत को वैकल्पिक स्त्रोतों और रणनीतिक भंडारण पर ध्यान केंद्रित करना होगा। इससे किसी भी आपातकालीन स्थिति में घरेलू आपूर्ति सुनिश्चित की जा सकेगी।
बजाज ऑटो की बिक्री मार्च में 20 प्रतिशत बढ़कर 4,45,377 इकाई
नई दिल्ली ।
बजाज ऑटो लिमिटेड ने मार्च 2026 में कुल बिक्री 4,45,377 इकाई दर्ज की, जो पिछले साल इसी महीने 3,69,823 इकाई थी। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि घरेलू बिक्री भी 2,66,290 इकाई तक बढ़ी। दोपहिया वाहनों की घरेलू बिक्री मार्च में 20 फीसदी बढ़कर 2,21,021 इकाई हुई, जबकि निर्यात 21 फीसदी बढ़कर 1,59,452 इकाई रहा। वाणिज्यिक वाहन भी मजबूत प्रदर्शन करते हुए कुल बिक्री में 20 फीसदी वृद्धि दर्ज की, जो 64,904 इकाई तक पहुंची। घरेलू वाणिज्यिक बिक्री 45,269 इकाई और निर्यात 19,635 इकाई रही। कंपनी के मुताबिक, मजबूत मांग और निर्यात में तेजी से मार्च 2026 बजाज ऑटो के लिए बेहतर महीना साबित हुआ।

गुड फ्राइडे पर चांदी के भाव में 5,000 रुपये की गिरावट

– दिल्ली और दक्षिण भारत में कीमतों में अंतर

नई दिल्ली ।

गुड फ्राइडे के अवसर पर भारत के बुलियन मार्केट में शुक्रवार को चांदी की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई। दिल्ली, मुंबई, राजस्थान, यूपी और मध्यप्रदेश में एक किलोग्राम चांदी का भाव 2,49,100 रुपये पर रहा, जबकि दक्षिण भारत में यह 2,54,900 रुपये तक पहुंच गया। बाजार में क्षेत्रीय अंतर और मामूली उतार-चढ़ाव देखने को मिला। दिल्ली, मुंबई, अहमदाबाद, जयपुर, भोपाल, लखनऊ और चंडीगढ़ में 10 ग्राम चांदी का भाव 2,491 रुपये और 1 किलोग्राम 2,49,100 रुपये रहा। निवेशकों ने बताया कि पिछले दिन की तुलना में शुक्रवार को लगभग 5,000 रुपये प्रति किलोग्राम की गिरावट देखने को मिली। दिल्ली के सर्राफा बाजार में एक दिन पहले चांदी का भाव 2,37,000 रुपये था, जो अब थोड़ा सुधारते हुए 2,49,100 रुपये तक आ गया। चेन्नई और हैदराबाद में चांदी का भाव उत्तर भारत से अधिक रहा। यहां 10 ग्राम चांदी का भाव 2,549 रुपये और 1 किलोग्राम 2,54,900 रुपये रहा। विशेषज्ञों का कहना है कि दक्षिण भारत में मांग और वितरण लागत के कारण यहां चांदी की कीमतें ऊंची बनी रहती हैं। गुड फ्राइडे के चलते शुक्रवार को एमसीएक्स और शेयर बाजार दोनों बंद रहे। इस दौरान निवेशक और व्यापारी बाजार की गतिविधियों पर नजर रखेंगे और अगले खुलने वाले दिन के लिए रणनीति बनाएंगे। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चांदी का हाजिर भाव 69.57 डॉलर प्रति औंस है। इस साल जनवरी में चांदी की कीमत 4 लाख रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर को पार कर चुकी थी। इसके बाद बाजार में उतार-चढ़ाव का सिलसिला जारी है। विशेषज्ञों का कहना है कि आगामी सप्ताह में वैश्विक और घरेलू दोनों बाजार की स्थितियां चांदी के रेट को प्रभावित करेंगी।

आरबीआई ने एमिरेट्स एनबीडी को आरबीएल में 74 फीसदी हिस्सेदारी की मंजूरी दी

– विदेशी निवेश से आरबीएल बैंक विदेशी बैंक के रूप में वर्गीकृत होगा

नई दिल्ली।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने दुबई स्थित एमिरेट्स एनबीडी बैंक को आरबीएल बैंक में 74 प्रतिशत तक हिस्सेदारी खरीदने की अनुमति दे दी है। यह कदम बैंक को विदेशी बैंक के रूप में संचालित करने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगा। आरबीएल बैंक ने शेयर बाजार को जानकारी दी कि आरबीआई ने यह मंजूरी 1 अप्रैल 2026 को दी थी, और इसकी वैधता एक वर्ष तक रहेगी। अक्टूबर 2025 में ईएनबीडी ने आरबीएल बैंक में 60 प्रतिशत हिस्सेदारी लगभग 26,853 करोड़ रुपये में खरीदने का प्रस्ताव रखा था। मंजूरी के तहत, ईएनबीडी को बैंक की चुकता पूंजी का कम से कम 51 प्रतिशत* बनाए रखना होगा। इसके बाद बैंक को सब्सिडी मॉडल के तहत विदेशी बैंक के रूप में वर्गीकृत किया जाएगा। इसके अलावा, बैंक को फुल स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी मॉडल के नियमों के अनुसार संचालित करना होगा। आरबीआई ने कहा कि निदेशक मंडल में कम से कम आधे स्वतंत्र निदेशक होने की शर्त लागू नहीं होगी। बैंक को अपने ओर्टिकल्स आफ एसोसिएशन में आवश्यक संशोधन कर आरबीआई से मंजूरी लेनी होगी। वेशक के मताधिकार को आरबीएल बैंक के कुल मतदान अधिकारों का 26 प्रतिशत

तक सीमित रखा जाएगा। 'सिंगल मोड ऑफ प्रेजेंस' की शर्त पर अस्थायी छूट दी गई है, जब तक कि भारत में शाखाओं का विलय या अधिकतम एक वर्ष की अवधि पूरी नहीं हो जाती। सके अलावा, इस प्रस्तावित निवेश को भारत सरकार फेमा, सेबी नियमों और अन्य लागू कानूनों के अनुपालन में पूरा करना होगा। जनवरी में, प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने भी इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी थी। इस निवेश के बाद, आरबीएल बैंक अब विदेशी बैंक के रूप में वर्गीकृत होगा और एमिरेट्स एनबीडी का बहुलांश स्वामित्व रहेगा, जो भारत में विदेशी निवेश और बैंकिंग क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण बदलाव माना जा रहा है।

हिंदुस्तान जिंक का खनन और परिष्कृत धातु उत्पादन बढ़ा

- चांदी और पवन ऊर्जा में मामूली गिरावट

नई दिल्ली ।

वेदांता समूह की कंपनी हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड (एचजेडएल) ने वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में खनन और परिष्कृत धातु उत्पादन में वृद्धि दर्ज की है, जबकि चांदी और पवन ऊर्जा उत्पादन में थोड़ी गिरावट देखी गई। जनवरी से मार्च तक खनन धातु उत्पादन 3,15,000 टन यानी पिछले साल की इसी अवधि से 2 फीसदी अधिक रहा। परिष्कृत धातु उत्पादन 2,82,000 टन, जो 5 फीसदी की वृद्धि दर्शाता है। खनन धातु में कच्चे अयस्क से संकेंद्रित धातु तैयार की जाती है, जबकि परिष्कृत धातु 99 फीसदी से अधिक शुद्धता तक पहुंचती है। चौथी तिमाही में चांदी का उत्पादन 176 टन रहा, जो पिछले साल की तुलना में 0.2 फीसदी कम है। वहीं, पवन ऊर्जा उत्पादन 11 फीसदी घटकर 5.6 करोड़ यूनिट रह गया। एचजेडएल भारत में जस्ता बाजार में लगभग 75 फीसदी हिस्सेदारी रखती है और विश्व स्तर पर शीर्ष पांच चांदी उत्पादकों में शामिल है। कंपनी अपने उत्पादों को 40 से अधिक देशों में आपूर्ति करती है।

भारत में डिजिटल पेमेंट क्रांति, यूपीआई ने बनाया नया रिकॉर्ड

– मार्च 2026 में यूपीआई के माध्यम से कुल 22.64 अरब ट्रांजैक्शन दर्ज किए गए

नई दिल्ली ।

भारत में डिजिटल पेमेंट का नया कीर्तिमान स्थापित हो गया है। मार्च 2026 में यूपीआई के माध्यम से कुल 22.64 अरब ट्रांजैक्शन दर्ज किए गए, जो अब तक का उच्चतम स्तर है। पिछले साल मार्च 2025 में यह आंकड़ा 18.3 अरब था, जिससे सालाना आधार पर लगभग 24 फीसदी की वृद्धि हुई है। फरवरी 2026 में ट्रांजैक्शन की संख्या 20.39 अरब थी, जिससे स्पष्ट है कि हर महीने यूपीआई का इस्तेमाल लगातार बढ़ रहा है। यूपीआई की सफलता का मुख्य कारण इसकी सरलता और सुरक्षा है। यह आरबीआई के दो-स्तरीय सुरक्षा सिस्टम पर काम करता है, मोबाइल नंबर और यूपीआई पिन। इस डबल सुरक्षा उपाय के कारण ट्रांजैक्शन सुरक्षित रहते हैं और धोखाधड़ी का खतरा न्यूनतम होता है। यही कारण है कि लोग भरोसे के साथ कैशलेस भुगतान करना पसंद कर रहे हैं। ज भारत में डिजिटल ट्रांजैक्शन का लगभग 85 फीसदी हिस्सा यूपीआई के जरिए किया जाता है। वैश्विक स्तर पर रियल-टाइम डिजिटल पेमेंट्स में इसका योगदान लगभग 50 फीसदी तक पहुंच गया है। यूपीआई अब केवल भारत तक सीमित नहीं रहा।

यह यूएई, सिंगापुर, भूटान, नेपाल, श्रीलंका, फ्रांस और मॉरीशस जैसे देशों में भी उपलब्ध

है। विशेष रूप से फ्रांस में इसका लॉन्च यूरोप में पहला कदम माना जा रहा है। इससे विदेश में रहने वाले भारतीय आसानी से पैसे ट्रांसफर और भुगतान कर सकते हैं।

यूपीआई का संचालन नेशनल पेमेंट कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) करता है

, जो आरबीआई और इं

डियन बैंक एसोसिएशन की पहल से संचालित है।

टायर कंपनियों पर बढ़ती लागत का दबाव, कीमतों में तेजी संभव

मुंबई ।

मार्च 2026 में कच्चे तेल और प्राकृतिक रबर की कीमतों में तेजी से टायर कंपनियों के लिए लागत बढ़ गई है। भारत की प्रमुख कंपनियां जैसे एमआरएफ, अपोलो, जेके टायर और सीएट टायर की कीमतों में बढ़ोतरी पर विचार कर रही हैं। टायर बनाने में इस्तेमाल होने वाले कच्चे माल की कीमत में भारी उछाल इसकी मुख्य वजह है। कच्चे तेल की बढ़ती कीमत से सिंथेटिक रबर, कार्बन ब्लैक और प्रोसेसिंग ऑयल 15 -40 फीसदी तक महंगे हो गए हैं। प्राकृतिक रबर, जो टायर लागत का लगभग 40-45 फीसदी हिस्सा है, 18,500 से बढ़कर 21,600 रुपए प्रति 100 किलो हो गया है। विश्लेषकों का कहना है कि इस लागत वृद्धि से कंपनियों के मार्जिन पर लगभग 4 फीसदी तक असर पड़ सकता है। इसलिए कई कंपनियां अप्रैल 2026 से 2-5 फीसदी तक कीमतें बढ़ाने की योजना बना रही हैं। बाइक और स्कूटर के टायर 200-500 रुपए, कार के टायर 1,000-3,000 रुपए तक महंगे हो सकते हैं। ट्रक-बस और ट्रैक्टर टायर महंगे होने से ट्रांसपोर्ट और खेती की लागत भी बढ़ सकती है।

अमेरिका में पेटेंट दवाओं पर भारी टैरिफ का खतरा, ट्रंप का बड़ा फैसला

– समझौता न करने वाली फार्मा कंपनियों पर 100 फीसदी तक शुल्क संभव

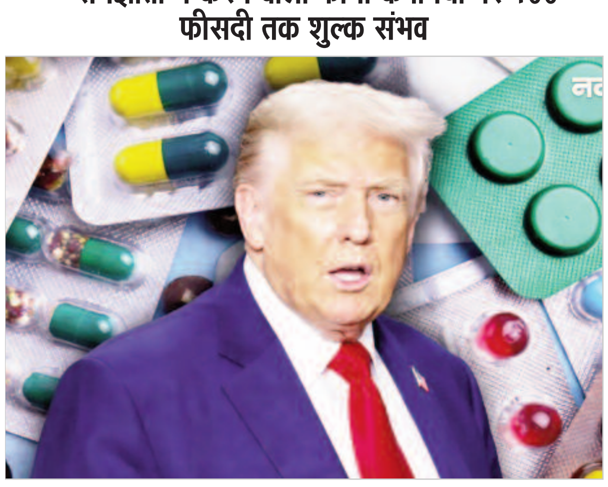

नई दिल्ली ।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पेटेंट दवाओं के आयात को लेकर सख्त रुख अपनाते हुए नया कार्यकारी आदेश जारी किया है, जिससे वैश्विक फार्मा उद्योग में हलचल मच गई है। अमेरिका में दवाओं की कीमतों को नियंत्रित करने और घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक अहम कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए हैं। इस आदेश के तहत उन फार्मा कंपनियों पर 100 प्रतिशत तक टैरिफ लगाया जा सकता है, जो अमेरिकी सरकार के साथ ÷मोस्ट फेवर्ड नेशन÷ प्राइसिंग समझौता नहीं करेंगी। सरकारी अधिकारियों के अनुसार, जो कंपनियां अमेरिका में पेटेंट दवाओं और उनके कच्चे माल का उत्पादन शुरू करेंगी और कीमत समझौते पर सहमत होंगी, उन्हें टैरिफ से छूट दी जाएगी। वहीं, जो कंपनियां उत्पादन तो शुरू करेंगी लेकिन समझौता नहीं करेंगी, उन पर शुरुआती 20 प्रतिशत टैरिफ लगेगा, जो चार वर्षों में बढ़कर 100 प्रतिशत तक पहुंच सकता है। कंपनियों को समझौते के लिए समय भी दिया गया है, बड़ी कंपनियों को 120 दिन और अन्य को 180 दिन। बताया गया है कि सरकार पहले ही कई बड़ी कंपनियों के साथ समझौते कर चुकी है। इस फैसले के पीछे राष्ट्रीय सुरक्षा का हवाला दिया गया है, क्योंकि सरकार का मानना है कि दवाओं के आयात पर अत्यधिक निर्भरता जोखिम पैदा कर सकती है।

मार्च 2026 में बाजार की गिरावट के बीच आर्बिट्राज फंड ने दिखाया संतुलन

– निफ्टी, मिडकैप और स्मॉलकैप में भारी गिरावट के बावजूद आर्बिट्राज सेगमेंट रहा स्थिर

नई दिल्ली ।

मार्च 2026 का महीना शेयर बाजार के लिए चुनौतीपूर्ण रहा। वैश्विक अनिश्चितता और पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के चलते बाजार में व्यापक गिरावट देखने को मिली। इस उथल-पुथल के बीच आर्बिट्राज फंड सेगमेंट ने अपेक्षाकृत स्थिर प्रदर्शन किया, हालांकि निवेशकों की सतर्कता साफ नजर आई। रिपोर्ट के अनुसार निफ्टी 50 में 12 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई, जबकि मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांकों में भी करीब 10 प्रतिशत तक कमजोरी देखी गई। बाजार के लगभग सभी सेगमेंट इस दबाव से प्रभावित रहे। इसके बावजूद आर्बिट्राज फंड सेगमेंट ने संतुलन बनाए रखा। इस श्रेणी के फंड बाजार की दिशा पर दांव लगाने के बजाय कैश और फ्यूचर्स बाजार के बीच मूल्य अंतर का लाभ उठाते हैं, जिससे गिरावट के दौर में भी इनका प्रदर्शन अपेक्षाकृत स्थिर रहता है। रिपोर्ट के मुताबिक, एडेलवे सिस ओ बिंट्रेज फंड के डायरेक्ट प्लान ने 1 साल में 6.73 प्रतिशत और 3 साल में 7.72 प्रतिशत का रिटर्न दिया, जो इसकी स्थिरता को दर्शाता है। डेरिवेटिव डेटा भी मिश्रित संकेत देता है। सिंगल स्टॉक फ्यूचर्स में रोलओवर करीब 93 प्रतिशत रहा, जो बताता है कि

बड़े निवेशक बाजार में बने हुए हैं। हालांकि रोल स्प्रेड सीमित दायरे में रहे, जिससे कमाई के अवसर सीमित रहे। दूसरी ओर, अप्रैल सीरीज के लिए ओपन इंटरेस्ट में 11 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। कुल आर्बिट्राज निवेश घटकर लगभग 3.16 लाख करोड़ रुपये रह गया। विदेशी और घरेलू निवेशकों दोनों ने एक्सपोजर कम किया, जो घटती जोखिम लेने की क्षमता को दर्शाता है। कम वोलैटिलिटी के चलते आर्बिट्राज स्प्रेड भी सीमित रहे, जिससे रिटर्न पर दबाव बना। कुल मिलाकर, गिरते बाजार में आर्बिट्राज फंड ने स्थिरता तो दी, लेकिन ऊंचे रिटर्न की उम्मीदें पूरी नहीं हो सकीं।

प्रधानमंत्री ने संजू सैमसन की जमकर प्रशंसा की

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने टी20 विश्वकप में शानदार प्रदर्शन करने वाले क्रिकेटर संजू सैमसन की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि जब टीम को उनकी सबसे ज्यादा जरुरत थी तब वह अच्छा प्रदर्शन कर भरोसे पर खरे उतरे। प्रधानमंत्री ने केरल दौरे से पहले सैमसन की प्रशंसा करते हुए कहा कि सैमसन का दबाव में भी शांत रहना सबसे बड़ी खूबी है। उनका आत्मविश्वास और जोश बड़े मुकाबलों के दौरान अपने शीर्ष स्तर पर था। यही एक एक सच्चे खिलाड़ी के सबसे विशेष गुण हैं। ऐसा खिलाड़ी उस समय और अच्छा प्रदर्शन करता है जब टीम को उसकी अधिक जरुरत रहती है।

प्रधानमंत्री ने सैमसन का उदाहरण देते हुए कहा, आजकल आईपीएल चल रहा है। लोगों के लिए संजू के प्रदर्शन से सीखने लायक बहुत कुछ है। जैसा कि हमने सैमसन के प्रदर्शन में देखा है। विश्व कप में जैसे-जैसे टूर्नामेंट में मुश्किल हालात आए, नॉकआउट चरण आया, उनका प्रदर्शन अचानक से अपने बेहतरीन स्तर पर पहुंच गया। शुरू से अंत तक, उनका ध्यान, उनका आत्मविश्वास और उनका जोश लगातार बढ़ता गया। यही एक सच्चे खिलाड़ी की पहचान है। जब टीम को उनकी सबसे ज्यादा जरूरत थी, तब उन्होंने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। सैमसन ने विश्वकप की 5 पारियों में 80.25 की औसत और 199.37 के स्ट्राइक रेट से कुल 321 रन बनाए। उन्होंने 27 चौके और 24 छक्के लगाए और टी20 विश्व कप में सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले तीसरे खिलाड़ी बने। सैमसनअपने पहले दो मैचों में कोई बड़ा स्कोर नहीं बना पाए थे पर इसके बाद भी वह निराश नहीं हुए , ने वेस्टइंडीज के खिलाफ सुपर 8 के अहम मैच में उन्होंने एक बेहतरीन पारी खेलकर भारतीय टीम को बड़ी जीत दिलायी।

रहाणे ने आलोचकों को दिया करारा जवाब

कोलकाता । कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के कप्तान अजिंक्य रहाणे ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मिली हार के बाद अपने आलोचकों पर जमकर निशाना साधा है। रहाणे के अनुसार उनके खिलाफ अभियान चल रहा है और एक प्रकार का भ्रम फैलाया जा रहा है। रहाणे ने ये बात तब कही जब कम स्ट्राइक रेट को लेकर बीच पत्रकार वार्ता में उनसे सवाल किया गया। केकेआर को हैदराबाद के हाथों आईपीएल 2026 में लगातार दूसरी बार हार मिली है। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए सनराइजर्स ने 226 रन बनाए जिसके सामने केकेआर की पूरी टीम 161 रनों पर ही सिमट गयी। रहाणे ने कहा, साल 2020 से अब तक का मेरा सबसे स्ट्राइक–रेट काफी अच्छा रहा है। मुझे लगता है कि जो लोग मेरे बारे में बात कर रहे हैं, वे शायद मेरा खेल नहीं देख रहे हैं। उन्हें मेरा खेलना पसंद नहीं है, वे मुझे खेलते हुए देखना पसंद नहीं करते। मुझे जितनी सफलता मिली है, मुझे लगता है कि वे मुझसे जलते हैं पर मैं इससे ज्यादा परेशान नहीं हूं। साथ ही कहा कि कभी–कभी एक बल्लेबाज के तौर पर आपको लय नहीं मिलती पर मैं एक अलग तरह की पारी खेलना चाहता हूं। उन्होंने साथ ही कहा, उनके विरोधियों को उम्मीद नहीं थी कि रहाणे इतना बेहतर खेलेगा। इसलिए मुझे खुशी है कि वे मेरे बारे में बात कर रहे हैं, नेगेटिव या पॉजिटिव – जो भी हो, मैं सच में खुश हूं कि वे बात कर रहे हैं।

आईपीएल में आज दिल्ली कैपिटल्स का मुकाबला मुम्बई से

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में शनिवार को अक्षर पटेल की कप्तानी में दिल्ली कैपिटल्स की टीम का मुकाबला पांच बार की विजेता हार्दिक पांड्या की मुम्बई इंडियंस से होगा। इस मैच में दोनो ही टीमों का लक्ष्य जीत हासिल करना रहेगा। मैच दोपहर 3ः30 बजे शुरू होगा। इस मैच में दिल्ली को घरेलू मैदान का लाभ मिलेगा पर इसके बाद भी उसकी दावेदारी कमजोर नजर आती है। आंकड़ों पर नजर डालें तो अब तक दोनो के बीच 37 मुकाबले हुए है जिसमें से मुम्बई ने 21 जबकि दिल्ली ने 16 जीते हैं। दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में मुकाबला काफी कड़ा है, लेकिन दिल्ली कैपिटल्स को थोड़ी बढ़त हासिल है, क्योंकि उसने 13 में से 7 मैच जीते हैं। इन दोनों ही टीमों के बीच पिछले आईपीएल सत्र में दो मुकाबले हुए थे जो कि दोनों ही मुंबई इंडियंस ने जीतकर अपने नाम किए। इनके बीच हुए अंतिम मुकाबले की तो वो मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में हुआ था जिसमें मुम्बई ने जीत दर्ज की।

दिल्ली की पिच बल्लेबाजों के अनुकूल हैं । ऐसे में यहां अधिक स्कोर वाला मैच होने की संभावना है। छोटी बाउंड्री से भी रन अधिक बनने की संभावना है। यहां लक्ष्य का पीछा करने वाली टीम अधिक लाफ में रहती है1 इस मैच में दिल्ली की बल्लेबाजी केएल राहुल के अलावा अक्षर पटेल और डेविड मिलर पर निर्भर करेगी। वहीं गेंदबाजी की कमान लुंगी एनगिडी, कुलदीप यादव, टी नटराजन, मुकेश कुमार के पास रहेगी। वहीं मुम्बई की बल्लेबाजी रोहित शर्मा के अलावा रयान रिकेलटन तिलक वर्मा पर आधारित रहेगी। गेंदबाजी की जिम्मेदारी ट्रेंट बोल्ट, जसप्रीत बुमराह के पास रहेगी।

टीम इस प्रकार है

दिल्ली कैपिटल्स : अक्षर पटेल (कप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), पथुम निसांका, नीतीश राणा, ट्रिस्टन स्टब्स, डेविड मिलर, विपराज निगम, लुंगी एनगिडी, कुलदीप यादव, टी नटराजन, मुकेश कुमार

मुम्बई इंडियंस: हार्दिक पंड्या (कप्तान), रोहित शर्मा, रयान रिकेलटन (विकेटकीपर), तिलक वर्मा, शेरफेन रदरफोर्ड, नमन धीर, शार्दुल ठाकुर, मयंक मारकंडे, एएम गजनफर, ट्रेंट बोल्ट, जसप्रीत बुमराह

अंगक्रिश, उनादकट ऑरेंज व पर्पल कैप की दौड़ में शीर्ष पर पहुंचे

मुम्बई (एजेंसी)। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को सनराइजर्स हैदराबाद के हाथों हार का सामना करना पड़ा है पर इस मैच में आक्रामक बल्लेबाजी करने वाले उसके बल्लेबाज अंगक्रिश रघुवंशी ऑरेंज कैप की रैस में अब सबसे आगे हो गये हैं। वहीं पर्पल कैप की दौड़ में सनराइजर्स हैदराबाद के गेंदबाज जयदेव उनादकट नंबर एक पर पहुंच गये हैं। 19वें सत्र में लगातार दो अर्धशतक लगाने वाले केकेआर के रघुवंशी ने अब तक सबसे अधिक रन बनाये हैं। वहीं सनराइजर्स के कप्तान ईशान किशन एक बार फिर दूसरे स्थान पर रहे। पर्पल कैप की बात करें तो सनराइजर्स के जयदेव उनादकट नंबर एक पर हैं।

अंगक्रिश ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ आईपीएल 2026 के अपने पहले ही मुकाबले में 51 रनों की पारी खेलने के बाद दूसरे मैच में सराइजर्स के खिलाफ 52 रन बनाए। अब उनके नाम 2 मैचों में सबसे अधिक 103 रन हो गए हैं, जो उन्होंने 51.50 की औसत और 177.59 के स्ट्राइक रेट से बनाए हैं। वहीं ईशान किशन अपने दूसरे मैच में 14 रन ही बना पाए, जिस कारण से वह सूची में दूसरे स्थान पर आ गये हैं। वहीं हैदराबाद के हेनरिक क्लासेन ने अर्धशतक लगाकर शीर्ष 5 में स्थान बनाया। अब वह रोहित शर्मा और रायन रिकल्टेन के ऊपर तीसरे स्थान पर हैं। वहीं सनराइजर्स के तेज गेंदबाज उनादकट ने केकेआर के खिलाफ 3 विकेट लेकर पर्पल कैप हासिल की है। उनके नाम अब आईपीएल 2026 में कुल 4 विकेट हो गई है। वहीं कोलकाता के ब्लेसिंग मुजाराबानी के भी 4 विकेट हैं पर बेहतर इकॉनमी रेट के चलते उनादकट नंबर-1 पर हैं। पर्पल कैप की दौड़ में शीर्ष-5 गेंदबाजों में आरसीबी के जैकब डफी, दिल्ली कैपिटल्स के टी नटराजन और गुजरात टाइटंस के प्रसिद्ध कृष्णा भी शामिल हैं।

आईपीएल में आज होगा गुजरात टाइटंस और राजस्थान रॉयल्स में मुकाबला

अहमदाबाद (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में शनिवार शाम को गुजरात टाइटंस और राजस्थान रॉयल्स के बीच मुकाबला होगा। इस मैच में दोनो ही टीमें जीत के लिए कोई कसर नहीं रखेंगी। गुजरात की कप्तानी जहां शुभमन गिल के पास है। वहीं रॉयल्स की कमान युवा रियान पराग संभालेंगे। इस सत्र में गुजरान की टीम को जहां अपने पहले ही मैच में हार का सामना करना पड़ा था। वहीं रॉयल्स ने अपना पहले ही मैच जीता था। ऐसे में जहां गुजरात सत्र की पहले जीत दर्ज करने उतरेगी। वहीं राजस्थान अपनी जीत के सिलसिले को बरकरार रखना चाहेगी। इन दोनों ही टीमों के बीच पिछले आईपीएल सीजन दो मुकाबले हुए थे जिसमें से एक गुजरात ने जबकि एक राजस्थान ने जीता था। इनके बीच अंतिम मुकाबला जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में खेला गया था जिसमें राजस्थान रॉयल्स की टीम ने जीत हासिल की थी।

वहीं यहां के मैदान की बात करें तो इसपर बड़े स्कोर बनते हैं और पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम लाभ में रहती है। यहां पिछले पांच में से तीन मुकाबले पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम ने जीते हैं। आंकड़ों पर नजर डालें तो दोनो ही टीमों ने अबतक कुल 8 मैच खेले हैं। जिसमें से गुजरात टाइटंस ने 6 जबकि राजस्थान ने 2 मैच जीते हैं।

गुजरात टाइटंस की बात करें तो टीम की बल्लेबजा कप्तान शुभमन के अलावा साईं सुदर्शन, जोस बटलर राहुल तेवतिया जैसे बल्लेबाजों पर निर्भर करेगी। वहीं गेंदबाजी की कमान प्रसिद्ध कृष्णा के अलावा राशिद खान, कगिसो रबाडा के पास रहेगी। टीम के पास वाशिंग्टन सुंदर जैसा ऑलराउंडर भी है। वहीं अगर राजस्थान रॉयल्स टीम की बात करें तो उसके पास कप्तान रियान के अलावा यशस्वी जायसवाल, वैभव सूर्यवंशी के पास रहेगी। वैभव ने पहले ही मैच में आक्रामक बल्लेबाजी की थी और ये सिलसिला वह इस मैच में भी बनाये रखना चाहेंगे। वहीं गेंदबाजी की जिम्मेदारी जोफ्रा आर्चर संदीप शर्मा, रवि बिश्नोई के पास रहेगी।

दोनो ही टीमों की संभावित अंतिम ग्यारह

गुजरात टाइटंस : शुभमन गिल (कप्तान), साईं सुदर्शन, जोस बटलर (विकेटकीपर), ग्लेन फिलिप्स, वाशिंगटन सुंदर, शाहरुख खान, राहुल तेवतिया, राशिद खान, कगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा।

राजस्थान रॉयल्स : रयान पराग (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, वैभव सूर्यवंशी, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), शिमरोन हेटमायर, रविंद्र जडेजा, जोफ्रा आर्चर, नंद्रे बर्गर, संदीप शर्मा, रवि बिश्नोई, बृजेश शर्मा।

अभिषेक आईपीएल मे 100 छक्के लगाने वाले सनराइजर्स के दूसरे खिलाड़ी बने

कोलकाता । सनराइजर्स हैदराबाद के ओपनर बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ मैच में अपनी पारी के दौरान चार छक्के लगाने के साथ ही एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया है। अब अभिषेक आईपीएल में 100 से अधिक छक्के लगाने वाले सनराइजर्स के दूसरे बल्लेबाज बन गये हैं ।वहीं पहले नंबर पर डेविड वार्नर हैं। अभिषेके के नाम अब 101 छक्के हैं जबकि वार्नर ने अब तक 143 छक्के लगाये हैं। अभिषेक ने पारी की शुरुआत करते हुए 21 गेंदों पर 48 रन बनाए जिसमें 4 चौके और 4 छक्के शामिल थे। इसके साथ ही उन्होंने हैदराबाद की से अपना 100 छक्का लगाया। ब्लेसिंग मुजारबानी की गेंद पर वरुण चक्रवर्ती ने उनका कैच पकड़ा।

एक दशक बाद जिम्बाब्वे का दौरा करेगी ऑस्ट्रेलियाई टीम

सिडनी । ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम इसी साल सितंबर में जिम्बाब्वे का दौरा करेगी। इस दौरे में ऑस्ट्रेलिया तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज खेलेगी। ऑस्ट्रेलियाई टीम एक दशक के बाद जिम्बाब्वे जा रही है। इससे पहले वह साल 2014 में जिम्बाब्वे गयी थी। सीरीज 15 सितंबर को शुरू होगी, जबकि दूसरा और तीसरा मैच 18 और 20 सितंबर को खेला जाएगा। ये सभी मैच हरारे स्पोर्ट्स क्लब में खेले जाएंगे। वहीं इस दौरे को लेकर जिम्बाब्वे बोर्ड उत्साहित हैं। उसका मानना है कि इससे टीम को आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2027 की तैयारी का अवसर मिलेगा। टी20 विश्कप के मेजबानों में दक्षिण अफ्रीका और नामीबिया के साथ जिम्बाब्वे, भी शामिल है। जिम्बाब्वे क्रिकेट के मैनेजिंग डायरेक्टर गिवमोर माकोनी ने कहा कि यह दौरा टीम के लिए एक अहम मोड़ पर आया है। उन्होंने कहा, हमें ऑस्ट्रेलिया का जिम्बाब्वे में फिर से स्वागत करते हुए बहुत खुशी हो रही है। यह एक बेहद रोमांचक एकदिवसीय सीरीज होने की उम्मीद है। शीर्ष स्तर की टीम के खिलाफ मैच से ही हमारी टीम आगे बढ़ेगी। ये टीम के विकास के लिए भी बहुत जरूरी हैं। पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2027 नजदीक आ रहा है, ऐसे में यह दौरा हमें अपनी तैयारियों को मजबूत करने का एक अच्छा अवसर देता है। हम दक्षिण अफ्रीका और नामीबिया के साथ मिलकर इस टूर्नामेंट की मेज़बानी की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, यह हमारे प्रशंसकों के लिए भी एक अच्छा अवसर है कि वे अपने घर पर ही विश्व स्तरीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का आनंद उठा सकें। हमें उम्मीद है कि हरारे स्पोर्ट्स क्लब में हमें अपने प्रशंसकों का जोरदार समर्थन मिलेगा। हाल के दिनों में जिम्बाब्वे ने ऑस्ट्रेलिया को कई बार टक्कर दी है। इसी साल फरवरी में हुए टी20 विश्व कप में जिम्बाब्वे ने ऑस्ट्रेलिया की टी20 टीम को 23 रनों से हराया था। इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया की 50 ओवरों की टीम को भी जिम्बाब्वे के खिलाफ अपने पिछले मैच में हार का सामना करना पड़ा था। सितंबर 2022 में टाउन्सविले में खेले गए इस मैच में ऑस्ट्रेलिया तीन विकेट से हार गयी थी। ऑस्ट्रेलिया के जिम्बाब्वे दौरे पर सभी मुकाबले हरारे में खेले जाएंगे। पहला एकदिवसीय 15 सितंबर, दूसरा 18 सितंबर और तीसरा 20 सितंबर को खेला जाएगा।

टाइगर वुड्स ने राइडर कप से नाम वापस लेने के साथ ही खेल से ब्रेक लिया, इलाज के लिए विदेश जाएंगे

न्यूयार्क । विश्व के नंबर एक दिग्गज रहे गोल्फर टाइगर वुड्स फिट नहीं होने के कारण राइडर कप गोल्फ टूर्नामेंट में भाग नहीं लेंगे। वुड्स ने खराब सेहत का हवाला देते हुए खेल से ब्रेक लेने की भी घोषणा कर दी है। वुड्स ने कहा है कि वह इलाज के लिए विदेश जा रहे हैं। वह पिछले कुछ समय से गोल्फ से जुड़ी गतिविधियों से दूर थे पर गुरुवार को उन्होंने औपचारिक रूप से राइडर कप की कप्तानी ठुकरा दी साथ ही कहा कि वह इलाज के लिए विदेश जा रहे हैं। उन्हें अदालतन ने इलाज के लिए देश से बाहर जाने की अनुमति भी दे दी है। वुड्स को पिछले सप्ताह नशे में गाड़ी चलाने के संदेह के कारण गिरफ्तार किया गया था हालांकि कुछ घंटे बाद ही उन्हें जमानत पर रिहा कर दिया गया था। इसी कारण उन्हें विदेश जाने से पहले अदालत से अनुमति लेनी पड़ी हैं। वुड्स ने एक बयान जारी कर कहा कि वह 'इलाज कराने और अपने स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित करने के लिए' अनिश्चित काल के लिए खेल से दूर जा रहे हैं। उनके वकील डगलस डंकन ने दायर एक याचिका में न्यायाधीश से वुड्स को उपचार के लिए विदेश जाने की अनुमति देने का अनुरोध किया था। उन्होंने कहा कि वुड्स को इलाज के लिए विदेश इसलिए जाना पड़ रहा है क्योंकि अमेरिका में उनके लिए अपनी निजता बनाये रखना संभव नहीं है।

मैं आईपीएल चेयरमैन होता तो संजीव गोयनका पर प्रतिबंध लगा देता : ललित मोदी

लंदन । आईपीएल के संस्थापक रहे ललित मोदी ने कहा है कि जिस प्रकार लखनऊ सुपर जाएंट्स के मालिक संजीव गोयनका ने टीम के कप्तान ऋषभ पंत से व्यवहार किया है। ऐसे में अगर वह आईपीएल चेयरमैन होते तो गोयनका पर प्रतिबंध लगाने के साथ ही उनसे टीम का मालिकाना अधिकार भी वापस ले लेते। ललित मोदी ने ये बात दिल्ली कैपिटल्स से पहला ही मैच हारने के बाद गोयनका के कप्तान ऋषभ पंत और सहयोगी स्टाफ से मैदान में ही हो रही बातों को देखकर कही है। प्रशंसकों को इसी के साथ ही आईपीएल 2024 याद आ गया जब गोयना इसी प्रकार से केएल राहुल पर भड़क गये थे। इसके बाद राहुल ने सुपर जाएंट्स टीम छोड़ दी थी। अब ऋषभ के साथ वही व्यवहार हुआ है। जिससे प्रशंसक नाराज हैं। ऐसे में मोदी ने गोयनका को आईपीएल से प्रतिबंबधिक करने के साथ ही मालिकाना अधिकार वापस लेने की मांग की है। वहीं इस मामले की आलोचना इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने इस भी की है। उन्होंने कहा, 'टूर्नामेंट में इस प्रकार की बातों के लिए जगह नहीं है।' वॉन के इस पोस्ट पर मोदी ने लिखा कि अगर वह अभी भी आईपीएल कमिश्नर होते तो वह संजीव गोयनका को प्रतिबंधित करने के साथ ही टीम का मालिकाना अधिकार भी वापस ले लेते। ललित ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'मैंने तुमसे कहा था कि संजीव जो लखनऊ सुपर जाएंट्स के मालिक है उनके व्यवहार से मुझे शर्म आ रही है। मैंने आईपीएल प्रशंसककों और खिलाड़ियों दोनों के लिए बनाया था। ऐसा हर साल हर बार नहीं होना चाहिए। साथ ही कहा कि आईपीएल नियमों में इसका नियम भी है जिससे बीसीसीआई को लागू करना चाहिये।' वहीं दूसरी ओर इस मामले को बढ़ता देख लखनऊ सुपर जाएंट्स ने इस बातचीत का एक वीडियो सोशल मीडिया पर जारी किया है। वीडियो में बहसबाजी जैसी बात नहीं दिख रही है। संजीव, ऋषभ और सहायोगी स्टाफ के साथ हंसते हुए बातें करते हैं। फ्रैंचाइजी ने इसका एक वीडियो भी जारी किया है।'

अभिषेक शर्मा ने मैच के दौरान किया अश्लील शब्दों का इस्तेमाल, एक डिमेरिट पॉइंट सहित लगा भारी जुर्माना

नई दिल्ली (एजेंसी)। सनराइजर्स हैदराबाद के ऑलराउंडर अभिषेक शर्मा को गुरुवार को कोलकाता नाइट राइडर्स (चयक्र) के खिलाफ मैच के बाद इंडियन प्रीमियर लीग द्वारा पुष्टि की गई एक कार्रवाई के तहत एक डिमेरिट पॉइंट और मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है।

अभिषेक इस मैच में शानदार फॉर्म में लौटे और उन्होंने 21 गेंदों में 48 रन बनाए जिसमें 4 छक्के और 4 चौके शामिल थे। जहां मैच में उनके प्रदर्शन ने फैंस को रोमांचित कर दिया। वहीं उनके व्यवहार ने अधिकारियों को निराश कर दिया। IPL के आधिकारिक बयान में उस घटना का ठीक-ठीक जिक्र नहीं किया गया था, लेकिन इसमें बताया गया कि इस ओपनिंग बल्लेबाज ने आर्टिकल 2.3 के तहत लेवल 1 का अपराध स्वीकार किया है, जो मैच के दौरान जोर से अश्लील शब्दों का इस्तेमाल करने से संबंधित है।

अपने आधिकारिक बयान में IPL ने कहा, 'सनराइजर्स हैदराबाद के ऑलराउंडर अभिषेक शर्मा पर गुरुवार को कोलकाता के ईडन गार्डन्स में कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ अपनी टीम के मैच के दौरान IPL की आचार संहिता का उल्लंघन करने के लिए उनकी मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है और उन्हें एक डिमेरिट पॉइंट भी दिया गया है। उन्होंने आर्टिकल 2.3 के तहत लेवल 1 का अपराध स्वीकार किया और मैच रेफरी की कार्रवाई को मान लिया। आचार संहिता के लेवल 1 के उल्लंघन के मामलों में, मैच रेफरी का फैसला अंतिम और बाध्यकारी होता है।'

इस कार्रवाई का मतलब है कि शर्मा अपनी मैच की कमाई का एक चौथाई हिस्सा गंवा देंगे और अब उनके अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डिमेरिट पॉइंट जुड़ गया है। हालांकि IPL के अनुशासनात्मक ढांचे के भीतर लेवल 1 के अपराध सबसे कम गंभीर माने जाते हैं, लेकिन बार-बार उल्लंघन करने पर कड़ी सजा मिल सकती है, जिसमें निलंबन भी शामिल है।

KKR vs SRH मैच

हेनरिच क्लासेन (52) के जुझारू अर्धशतक और नीतिश कुमार रेड्डी (दो विकेट और 39 रन) के हरफनमौला खेल के दम पर सनराइजर्स हैदराबाद ने इंडियन प्रीमियर लीग टी20 मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को 65 रन से हराकर मौजूदा सत्र में जीत का खाता खोला। सनराइजर्स ने 8 विकेट पर 226 रन बनाने के बाद जयदेव उनादकट (21 रन पर तीन विकेट), इशान मलिंगा (14 रन पर दो विकेट) और 'प्लेयर ऑफ द मैच' रेड्डी (17 रन पर दो विकेट) की शानदार गेंदबाजी से केकेआर की पारी को 16 ओवर में 161 रन पर समेट दिया।

आईपीएल में टीमों को बढ़ाने पर विचार कर रहा बीसीसीआई : अरुण धूमल

–टूर्नामेंट की गुणवत्ता से समझौता नहीं करेंगे

मुम्बई (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) साल 2008 में शुरु होने के बाद से ही लगातार छाया हुआ है। यहां तक कि आज आईपीएल दुनिया में सबसे बड़ी क्रिकेट लीग है। इसके मैचों का प्रसारण दूनिया भर में होता है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की सबसे अधिक कमाई आईपीएल से ही होती है। ऐसे में बोर्ड अब इसमें टीमें बढ़ाने पर विचार कर रहा है। आईपीएल चेयरमैन अरुण धूमल के अनुसार बोर्ड टीमों की संख्या बढ़ाने का कोई भी फैसला, टूर्नामेंट की गुणवत्ता से समझौता करते हुए नहीं लेगा। धूमल ने कहा, टीम बढ़ाने का फैसला इस बात पर निर्भर करेगा कि इसके लिए कितना समय मिलता है। निवेशकों की इसमें कितनी रुचि है क्योंकि आईपीएल में निवेश पर असाधारण रिटर्न मिल रहा है। मैचों की संख्या बढ़ाने के पहले कई बातों का ध्यान रखना होता है। साथ ही कहा कि अगर इस लीग को नियमित रूप से आयोजित किया जाना है, तो नई व्यवस्था होगी। आईसीसी कार्यक्रम में कम द्विपक्षीय मैच रखने होंगे। तभी लीग क्रिकेट बढ़ सकता है। साथ ही कहा कि जब बोर्ड ने प्रसारण अधिककार 48,390 करोड़ रुपए में बेचे थे, तो योजना यह थी कि धीरे-धीरे मैचों की संख्या बढ़ाई जाएगी। इसके अनुसार साल 2023 और 2024 में 74 मैच, 2025 और 2026 में 84 मैच, और अंत में साल 2027 तक 94 मैच खेले जाने थे पर ये योजना अभी रुकी हुई है। साल 2026 में भी 74 मैच ही खेले जाएंगे। इसके पीछे को कारण आईसीसी का मौजूदा भविष्य दौरा कार्यक्रम (एफटीपी) है, जो अप्रैल 2027 तक चलेगा, इससे मैचों के बीच बहुत कम खाली समय मिलता है। धूमल ने आईपीएल के विस्तार को लेकर कहा, लीग को 74 से 94 मैचों तक ले जाने के लिए हमें एक बड़ी विंडो की जरूरत है। ज़्यादातर अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर पहले से ही बुक है। मार्च के बीच से मई के आखिर तक का समय ही हमारे पास सीमित उपलब्ध है। वहीं जून में बारिश शुरु हो जाती है। तब र्नामेंट को आगे नहीं बढ़ाया जा सकता है। अगर हम मौजूदा विंडो में ही 74 से 94 मैच करवाने की कोशिश करेंगे तो हमें अधिक डबल-हेडर करवाने पड़ेंगे। जो कि प्रसारण कर्ता के लिए फायदे का सौदा नहीं होते। हमें सभी के हितों का ध्यान रखना होता है। इसीलिए हमने अब तक 74 मैच ही रखे हैं।

पीटरसन बोले, इस बार मुंबई इंडियंस सहित ये चार टीमें पहुंच सकती हैं प्लेऑफ में

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान क्रिकेटर केविन पीटरसन ने कहा है कि इस बार मुंबई इंडियंस , दिल्ली कैपिटल्स , राजस्थान रॉयल्स और पंजाब किंग्स आईपीएल के प्लेऑफ में पहुंच सकती हैं। पीटरसन पिछले सत्र में दिल्ली कैपिटल्स के मेंटर रहे हैं। उनका मानना है कि है ये सब टीमों के खिलाड़ियों की फिटनेस पर भी काफी कुछ निर्भर करेगा। पीटरसन ने सोशल मीडिया में लिखा, इस सत्र में अब तक के प्रदर्शन के आधार पर उन्हें इन चारों ही टीमों के प्लेऑफ में पहुंचने की प्रबल संभावना है। हैरान की बात है कि पीटरसन ने इस सूची में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को शामिल नहीं किया है जबकी आरसीबी गत सत्र की विजेता रही है। आरसीबी ने इस सत्र में भी सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ शानदारजीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की थी। पीटरसन के अनुसार आरसीबी के मिडिल क्रम का फॉर्म और तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड के फिट नहीं होने के कारण वह उसे इस बार दावेदार नहीं मानते हैं। उन्होंने सोशल मीडिय में लिखा, आरसीबी को लेकर मेरी चिंता उनके मध्य के ओवर और स्पिनर्स हैं और हेजलवुड की फिटनेस भी इसमें अहम है क्योंकि अंत में गेंदबाज ही जीत दिलाते हैं। वहीं पीटरसन ने कहा कि इस बार जिस प्रकार से 200 से ज्यादा के लक्ष्य को भी टीमें आसानी से हासिल कर रही हैं। उससे साफ है कि इस सत्र में कोई भी लक्ष्य सुरक्षित नहीं है। उनके अनुसार टॉस बहुत ज्यादा अहम हो गया है। उन्होंने साथ ही कहा, इस सत्र की सबसे अजीब बात यह है कि बल्लेबाजों को यह नहीं पता कि पहली पारी में जीत के लिए उन्हें कितने रन बनाने होंगे। इसस खिलाड़ी के अनुसार 5 बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स , तीन बार की विजेता कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और 2016 की टाइटल विजेता सनराइजर्स हैदराबाद को बदलावों के साथ ही असाधारण खेल दिखाना होगा।

प्याज एवं लहसुन फसल में कीटों से सुरक्षा

आस्था शर्मा, पिंकी शर्मा, डॉ. दीपक गुप्ता
श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविधालय, जोबनेर-जयपुर (राज.)

प्याज एवं लहसुन भारत में उगाई जाने वाली महत्वपूर्ण फसलें है। इनकों सलाद के रूप में, सब्जी में, आचार या चटनी बनाते समय प्रयोग में लाते हैं। प्याज एवं लहसुन की खेती रबी मौसम में की जाती है लेकिन इनको खरीफ(वर्षा ऋतु) में भी उगाया जाता है। प्याज एवं लहसुन की फसल में विभिन प्रकार के रोग एवं कीट लगते हैं जिससे उत्पादन प्रभावित होता है। अच्छी गुणवत्ता वाली उच्च विपणन योग्य कन्द उपज पाने के लिए उचित तरीकों से कीट और रोग प्रबंधन करना बहुत आवष्यर्क है। इसके अलावा, निम्नलिखित बातें ध्यान में रखनी चाहिए।

1 कीटनाशक का छिड़काव रोपाई से 30 दिनों बाद या जैसे ही कीट रोग प्रकट हो, आरंभ कर देना चाहिए।

2 कीट की तीव्रता के आधार पर 10-15 दिनों के अंतराल पर छिड़काव किया जाना चाहिए।

3 हमेशा छिड़काव करते समय चिपकने वाले पदार्थ (स्टीकर) ड़ाले।

4 एक ही वर्ग के कीटनाशकों का बार बार इस्तेमाल नहीं करना चाहिए।

प्याज व लहसुन के प्रमुख कीट

चूसक कीट (थ्रिप्स टेबेसाई)

ये प्याज का प्रमुख रुप से हानि पहुंचाने वाला कीट है। इनका आक्रमण तापमान में वृद्धि के साथ तीव्रता से बढ़ता है और मार्च में अधिक स्पष्ट दिखाई देता है। इनका रंग हल्का पीले से भूरे रंग का तथा छोटे-छोटे गहरे चकत्ते युक्त होता है। इस कीट के निम्फएवं प्रौढ़ दोनों ही अवस्थायें मुलायम पत्तियों का रस चूस कर उन्हें क्षति पहुँचाती है। इस कीट से प्रभावित पत्तियों में जगह जगह पर सफेद धब्बे दिखाई देते हैं। अधिक प्रकोप होने पर पत्तियां सिकुड़ जाती है और पौधों की बढ़वार रुक जाती है तथा प्रभावित पौधों के कंद छोटे रह जाते हैं जिससे उपज मे कमी हो जाती है।

रोकथामः

1. सर्वप्रथम रोपाई के पूर्व पौधों की जड़ों को दो घंटे तक कार्बोसल्फान एक मिली प्रति लीटर पानी के घोल से उपचारित करना चाहिए।
2. इन कीटों का संक्रमण दिखाई देने पर नीम द्वारा निर्मित कीटनाशी (जैसे ईकोनीम, निरिन या ग्रेनीम) 3-5 मि.ली. प्रति लीटर पानी की दर से आवश्यकतानुसार घोल तैयार कर शाम के समय फसल पर 10-12 दिनों के अंतराल पर 2-3 छिड़काव करें
3. डाईमेथोऐट 30 ई.सी. 650 मि.ली. प्रति 600 ली. पानी के साथ या मेटासिस्टॉक्स 25 ई.सी. 1 ली. प्रति 600 ली. पानी के साथ या इमिडाक्लोप्रिड 17.8 एस.एल. 30 ई. सी. 5 मि.ली. प्रति 15 ली. पानी के साथ छिड़काव करें। कीटनाशक के सही प्रभाव हेतु चिपकने वाले पदार्थ (स्टिकर) जैसे सेन्डोविट या टीपॉल (2.5 ग्राम प्रति लिटर) का प्रयोग करना चाहिए।

प्याज की मक्खीः मैगट (हाईलिमिया ऐंटीकुआ)

यह मक्खी प्याज की फसल का प्रमुख हानिकारक कीट है जो अपने मैगट पौधों के भूमि के पास वाले भाग, आधारीय तने में दिए जाते हैं। मैगटों की संख्या 2-4 तक हो सकती है। इनसे भूमि के पास वाले तने का भाग सड़कर नष्ट हो जाने से पूरा पौधा सूख जाता है। कभी-कभी इस कीट द्वारा फसल को भारी मात्रा मे क्षति होती हैं

रोकथामः

1. फसल की रोपाई पूर्व, खेत की तैयारी करते समय नीम की खली/खाद 3-4 क्विं. प्रति एकड़ की दर से जुताई कर भूमि मे मिलाएं।
2. खेत की तैयारी करते समय कीटनाशी क्लोरोपाइरिफॉस 5 प्रतिशत की दर से जुताई करते समय भूमि मे मिलाएं तत्पश्चात फसल की रोपाई करें।
3. खड़ी फसल मे इस कीट (मैगट) का संक्रमण दिखाई देने पर कीटनाशी क्यूनालफॉस 2 मि.ली. प्रति लीटर पानी की दर से आवश्यकतानुसार मात्रा में घोल तैयार कर शाम के समय 2-3 छिड़काव करें।

कटवा

इस कीट की सूंडियाँ या इल्ली जो कि 30-35 मिली मीटर लंबी एवं राख के रंग की होती है, पौधों की जमीन के अंदर वाले भाग को कुतर कर नुकसान पहुंचाती हैं। इससे पौधे पीले पड़ने लगते हैं एवं आसानी से उखड़ जाते हैं।

रोकथामः

1. फसल चक्र अपनाना चाहिए।
2. आलू के बाद प्याज की फसल नहीं लगाना चाहिए।
3. रोपाई के पूर्व थीमेट 10 जी 4 कि.ग्रा. एकड़ की दर से खेत में मिलाना चाहिए।

शीर्ष छेदक (हेलिओथिस आर्मिजेरा)

इस कीट का लार्वा पत्तियों को काटकर फसल को हानि पहुँचाता है। यह कीट प्याज की बीज वाली फसल में ज्यादा क्षति पहुँचाता है।

रोकथामः

इनके नियंत्रण हेतु मिथाइल डेमेटोन या साइपरमेथ्रिन 0.5-1.0 मि.ली. दवा प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें। घोल में 0.1 प्रतिषत ट्राइट्रोन या सैन्डोविट नामक चिपचिपा पदार्थ अवश्य मिलायें।

जैविक पशुपालन, स्वास्थ्यवर्धक एवं ज्यादा मुनाफे की तकनीक

जैविक पशुपालन से तात्पर्य है कि पशुओ को खिलाये जाने वाला चारा व दाना पुर्ण रूप से जैविक हो तथा पशुओ से प्राप्त उत्पाद संश्लेषित रासायनिक पदार्थ व खादों से पूर्णतरू मुक्त होना चाहिए द्य

जैविक पशुपालन के फायदे, मनुष्य व अन्य प्राणियों को जैविक उत्पादों का उपयोग कर घातक बिमारियों से बचाया जा सकता हैद्य स्थायी कृषि व पशुपालन को बढावा मिलता है द्य यह स्वास्थ्यवर्धक है द्य कम लागत से अधिक मात्रा व गुणवता वाले उत्पाद प्राप्त होना द्य मृदा का स्थायी स्वास्थ्यवर्धन करता है द्य जैविक खाद्य पदार्थो का बाजार मूल्यए सामान्य खाद्य पदार्थो से कई गुना अधिक है जिससे पशुपालक को ज्यादा मुनाफा मिलेगा।

जैविक पशुपालन के लिये क्या करे रू. जैविक पशुधन फार्म का प्रमाणीकरण अधिकृत जैविक प्रमाणीकृत एजेंसी से ही करवाए द्य पशुओ को पूर्णतरू जैविक चारा व दाना खिलाये तथा चारा उत्पादन के लिये प्रमाणित जैविक बीजो का उपयोग करे द्य जैविक पशुधन फार्म मेंए अन्य पशुओ को नही आने दे द्य कीटोव पीडको का नियंत्रण जैविक विधि से करे द्य पशुओ को प्राकृतिक चरागाहो में ही चराये द्य इन पशुओ से प्राप्त उत्पादों को अन्य पशुओ से प्राप्त उत्पादों से अलग रखे तथा इनमे किसी भी प्रकार का रासायनिक संरक्षक व फीड एड़ीटिव नही मिलाये द्यउत्पादों की पैकेजिंग जैविक तरीके से करेए उत्पादों को प्रमाणीकृत एजेंसी से प्रमाणित करवाकर जैविक उत्पाद होने का मार्का लगाकर ही बेचे जिससे ज्यादा लाभ मिल सके द्य बीमार पशुओ के लिये जहा तक संभव हो होम्योपेथिक व आयुर्वेदिक दवाओ का उपयोग करे।

जैविक पशुपालन के लिये क्या नहीं करेरू. मृदा में संश्लेषित रासायनिक पदार्थो जेसे. कीटनाशी व पीडकनाशी आदि तथा रासायनिक खादों का उपयोग नहीं करे द्य पशुओ में जहा तक संभव हो एलोपेथिक दवाओ का उपयोग नही करे द्य जेनेटिकली मॉडिफाइड वैक्सीन व चारा उत्पादन के लिये जेनेटिकली मॉडिफाइड बीजो का उपयोग नही करे।

डॉ.नरेंद्र चौधरी, डॉ. शशि चौधरी
पशु विज्ञान केंद्र राजुवास बीकानेर

मुर्गियों के पेट में पानी भरने की बीमारी का ईलाज

मृत्युदर- 2-25 तेज बढ़ने वाले ब्रायलर नस्ल को अच्छा सन्तुलित आहार चाहिए और आज के परिवेश में सबसे अच्छा सन्तुलित आहार पिलेट फीड है परन्तु जब भी कोई किसान पिलेट फीड पहली बार शुरू करता हैं, तो तेज वजन बढ़ने के साथ-साथ उसे पेट में पानी भरने का भी सामना करना पड़ता है। यहां एक बार और साफ कर दें- लाट में तेज बढ़ने वाले ब्रायलर एसाईटिस से ज्यादा ग्रस्त होते है, विशेष रूप मे नर ब्रायलर, परन्तु जिनकी मृत्यु होती है, वह औरों के मुकाबले छोटे होते हैं। इसका तात्पर्य साफ है, कि यह तेज बढ़ने वाले ही थे, परन्तु पहले किसी समय इनके फेफड़े दिल एवं लीवर पर बुरा प्रभाव पड़ा, जिसके कारण इनके बढ़ने की रफतार धीमी पड़ गई और मरते समय औरों के मुकाबले छोटे रहे।

पेलट मिमक फीड और फीडिंग का मैनेजमेन्ट किस प्रकार करें कि एमाईटिस की समस्या से बचाएं रखा जाए।

लाभ की बात है पिलेट कम समय में अधिक खाया जाता हैं, इसलिए ब्रायलर तेज गति से बढ़कर कम समय में तैयार हो जाता हैं और एफ.सी.आर. भी कम आता है, परन्तु इसके लिए शरीर में मेटाबालिक क्रिया भी तेज हो जाती है। इस क्रिया की गति बनाए रखने के लिए ऑक्सीजन हवा एवं पानी की आवश्यकता भी बढ़ जाती हैं। यदि यह आवश्यकता पूरी न हुई तो मोटाबालिक गति बहुत तेज होने के कारण ब्रायलर कोशिश करता है कि अधिक से अधिक रक्त फेफड़ों के जरियें पम्प किया जाए, जिससे दिल के राईट वैन्ट्रीकल पर बहुत अधिक दबाव पड़ता हैं, जो वास्तव में बहुत छोटा होता हैं, परन्तु दबाव के कारण इसका आकार दोगुना हो जाता हैं और कमजोर होकर उल्टा प्रैशर डालता हैं, जिसके कारण लीवर से प्लाजमा रिसाव लीक कर पेट में एकत्रित होता है, जो सफेद या पीला तरल होता हैं और पेट फूलना शुरू हो जाता हैं, जिसे एसाईटिस या वाटर बेली के नाम से जाना जाता हैं। अब

यहां जो बहुत ही महत्वपूर्ण बाते सामने आई है वह है हवा और पानी।

हवा और पानी की बिल्कुल मुफ्त है, उस पर हम कितना ध्यान देते हैं? बढ़िया वजन कम से कम फीड पर बिना किसी बीमारी के हवा एवं पानी का योगदान किसी भी हालात में बढ़िया से बढ़िया फीड से कम नही। बढ़िया फीड अकेले वह फल नही दे सकती, जिसकी हमें अपेक्षा हैं।

पानी- पिलेट फीड के कारण पानी की आवश्यकता ज्यादा है, अतः पानी हमें हर समय उपलब्ध हो एवं पानी के बर्तन बढ़कर लगायें जायें।

- पानी स्वच्छ फफूंद एवं कीटाणु रहित हो साथ ही पानी में क्लोराईड और सोडियम की मात्रा अधिक न हो-ठण्डा रहे।
- पानी का तापमान जाड़े में कमरे के तापमान से कम न हो और गर्मी में 220 सैंटीग्रेड से अधिक न हो-ठण्डा रहें।

हवा- हवा से ही पक्षी को आक्सीजन प्राप्त होती हैं एवं इसकी कमी आमतौर से पहले दिन से ही शेड में होती है, विशेष रूप से जाड़े में।

- तापमान बनाये रखने के लिए हम शेड को चारों और से पोलिथीन से कवर कर देते हैं। हवा अन्दर जाये तो किधर से जायें। अन्दर बुखारी जलती है, उसे भी जलने के लिए आक्सीजन चाहिए। जो गलती से थोड़ी खींच लेती हैं।

जैविक खेती- एक बेहतर खेती का विकल्प

डॉ. प्रवीण कुमार जागा मृदा वैज्ञानिक/ सहा, प्राध्यापक कृषि महाविद्यालय, गंजबासौदा

किसानों को अपनी खेती को लाभ का व्यवसाय बनाने के लिए जैविक खादों के प्रयोग से अभियान को आगे बढ़ाने की शुरूआत करना चाहिए। इसके लिए हमारे किसानों को सबसे पहले अपने घर, आंगन, गली एवं खेत में उपस्थित कचरे को एक जगह इक्ट्ठा करें। इनमे से कांच, पत्थर और प्लास्टिक को निकालकर अलग कर ले। आमतौर पर गांव के कचरे में सूखे पत्ते डंठल टहनियां मिट्टी आदि शामिल होती हैं। यह कचरा नाडेप कंपोस्ट बनाने की प्राथमिक सामग्री हैं। इसमें अनुपात अनुसार गोबर मिट्टी और पानी डालकर नाडेप कंपोस्ट बना सकते हैं। मात्र एक गाय के वार्षिक गोबर से 80 से 100 टन अर्थात लगभग 150 बैलगाड़ी खाद प्राप्त किया जा सकता हैं। महाराष्ट्र के यवतमाल जिले के कृषक श्री नारायण पांडरी पांडे यानि नाडेप काका ने इस विधि को खोजा था। इसलिए इसे नाडेप कंपोस्ट नाम दिया गया हे। इस विध से तैयार खाद में नत्रजन 0.05 से 1.5 प्रतिशत स्फुर 0.5 से 0.9 प्रतिशत तथा पोटाश 1.2 से 1.4 प्रतिशत पाया जाता हैं। नाडेप की प्राकृतिक पद्धति पूर्णत्या अप्रदूषणकारी एंव जैविक है। इसमें गांव के कूड़े-कचरे का कल्याणकारी उपयोग होगा, साथ ही गांव स्वच्छ हर कर स्वास्थ्यवर्धक होगा तथा पोषक अन्न प्राप्त होगा। इससे मिट्टी की उर्वरा शक्ति भी बढेगी और रासायनिक खाद व कीटनाशक दवाओं पर निर्भरता भी कम होकर उनके दुष्परिणामों से भी बचा जा सकेगा। इस तरह से आप प्राकृतिक खाद का निर्माण कर सकते हैं और अपनी खेती को लाभ का धंधा भी बना सकते हैं।

नाडेप टांका बनाने की विधि- योग्य पाया भरकर जमीन के ऊपर ईंट का एक आयताकार टांका बनाया जाता हैं। जिसकी दीवारे 9 इंच चौड़ी होती हैं। टांके के अन्दर का माप लंबाई 12 फीट, चौड़ाई 5 फीट और ऊंचाई 3 फीट होती हैं। ईंटों की जुड़ाई मिट्टी से की जा सकती हैं। सिर्फ आखिरी रद्दा सीमेंट से जोड़िये ताकि टांका गिरने का डर नही रहेगा। टांके का फर्श ईंट पत्थर के टुकड़े डाल कर सीमेंट से पक्का करे। यह टांका हवादार होना आवश्यक है, क्योंकि खाद सामग्री को पकने के लिए कुछ मात्रा में हवा की आवश्यकता होती हैं। इसके लिए टांका बांधते समय चारों दीवारों में छेद रखें जाते हैं। ईंटों के हर दो रद्दों की जुड़ाई के बाद तीसरे रद्दे की जुड़ाई करे। इस प्रकार चारों दीवारों में छेद बनेगे। छेद इस प्रकार रखिए कि पहली लाईन के दो छेदों के मध्य में तीसरी लाईन के छेद आयें। इस प्रकार से तीसरे छटे एवं नौवें रद्दे में छेद बनेगें। छेदों की संख्या बढ़ाने से खाद जल्दी पक जाती हैं। इस टांके को अंदर बाहर दीवारों और फर्श को गोबर मिट्टी से लीप दें। टांका सूखने के बाद ही प्रयोग करें। बरसात व अत्यधिक गर्मी में नाडेप टांके के ऊपर अस्थाई छाया हैं।

नाडेप बनाने हेतु सामग्री

वानस्पति व्यर्थ पदार्थ- कुछ वनस्पति पदार्थ जैसे सूखे पत्ते छिलके डंठल टहनियां जड़े आदि जिसकी मात्रा 1400 से 1500 कि.ग्रा. या 400 घनफूट होना चाहिए, साथ ही इस बात का ध्यान रखना चाहिए, कि इसमें प्लास्टिक कांच एंव पत्थर नही होना चाहिए।

गोबर- पशुओं को गोबर जो 90 से 100 कि.ग्रा. या 8 से 10 टोकने गोबर का उपयोग करना चाहिए। गोबर को संयत्र से निकली स्लरी भी उपयोग में लाई जा सकती हैं।

सूखी छनी मिट्टी- खेत की या नाले आदि की मिट्टी के पहले उपयोग करना चाहिए। उपयोग के पहले इसमें से प्लास्टिक काचं एवं पत्थर आदि खाद न बनाने वाले पदार्थ निकाल लेना चाहिए। इसकी मात्रा करीब 2750 किलो या 120 टोकने गौमूत्र से सनी मिट्टी बहुत उपयोग होती हैं।

पानी- समयानुसार कम या ज्यादा पानी का उपयोग करना चाहिए, किंतु साधसरणतया सूखे वानस्पतिक पदार्थ के वजन बराबर 25 प्रतिशत वाष्पीकरण के लिए 1500 से 2000 लीटर प्रति कंपोस्ट खाद उपयोग में लाना चाहिए। जिसमें गौमूत्र एवं पशुओं का मूत्र भी मिट्टी में मिलाना चाहिए।

टांका भरने की पद्धति- सबसे पहले हमारे किसान उपरोक्त बताए अनुसार सामग्री की व्यवस्था लें। तत्पश्चात निम्नानुसार क्रम से टांका को भरे। जिस तरह अचार एक ही दिन या 24 घंटे में डाला जाता हैं। ढीक उसी तरह टांका एक दिन में भरकर सील कर देना चाहिए। अन्यथा खाद बनाने की क्रिया प्रभावित हो सकती हैं। भराई विधि निम्नानुसार क्रम से करें।

प्रथम उपचार- जिसके अंतर्गत प्रथम भराई का काम करने से पहले टांके के अंदर की दीवार को अच्छी तरह से पानी छिड़क कर गीला कर लेना चाहिए। अब बात करते है, दूसरी परत की जिसमें गोबर का घोल पहली परत इस प्रकार छिड़के कि पूरी वनस्पति अच्छी तरह भाग जाये। गर्मी के मौसम में पानी का अंश अधिक रखें। यदि आपने गोबर की स्लरी ली हो तो 2.5 गुना या 10 ली. पानी की मात्रा कम रखें। इसके बाद साफ छनी भीगी मिट्टी वनस्पति पर डाले। जिसकी मात्रा कम से कम 50 से 60 किलो या वनस्पति के वजन की 50 प्रतिशत काली मिट्टी समतल बिछा देना चाहिए और उस पर पानी छिड़क देना चाहिए। अब तीसरी परत के लिए साफ सूखी छनी मिट्टी भीगी हुई वनस्पति परत पर वनस्पति के वजन की 50 प्रतिशत यानि 50 से 60 किलो काली मिट्टी समतल बिछा दें। टांके को इस प्रकार तीन परतों को क्रम से टांके के मुंह के ऊपर 1.5 फीट ऊंचाई का झोपड़िनुमा आकार में भरते जाईए। साधारणत्या 11-12 तहों में टांका भर जायेगा। अब भरे टांका को सील कर दें। भरी सामग्री के ऊपर 3 इंच की मिट्टी की तह जमा दें और उसे गोबर के मिश्रण से व्यवस्थित रूप से लीप दें और यदि इस पर दरारे पड़े तो उन्हें लीप दें।

द्वितीय उपचार- इसे फिर से वनस्पति कचरे की उपरोक्त विधि से 6-6 इंच की परत से टांके से दो से ढ़ाई फीट ऊपर तक भर दें और टांके गोबर से लीपकर सील कर दें। सामग्री नम बनी रहे उसे सूखने न दे जरूरत के अनुसार इन्ही छेदों में पानी छीटते रहे। 70 से 90 दिन बाद, जब खाद पक गई हो और तापमान सामान्य हो जावे तब टांके में सब्बल से जगह-जगह 15 से 20 छेद करें। अब एक-एक किलो राईजोबियम एजेटोबेक्टर जीवाणु और पी.एस.एम. एक-एक बाल्टी पानी में अलग-अलग घोलकर अलग- अलग छेदों को फिर से बंद कर दें। उचित यह होगा कि जिस फसल में उत्पादित खाद का उपयोग किया जाना है, उसी फसल से संबंधित राईजोबियम कल्चर का उपयोग करें। खाद की गुणवत्ता बढेगी। नत्रजन स्फुर व पोटाश की मात्रा अधिक होगी और अधिक संख्या में जीवाणु भी होगें। 110-120 दिन बाद टांके से निकाले। खाद के ढेर को छांव में रखकर पत्ते से ढेक दें। इस पर पानी का हल्का छिड़काव करें। ऊपरी अधपका 10-15 प्रतिशत कचरा अलग कर उसे नया टांका भरते समय काम में लावे। एक टांके भरते समय काम में लावे। एक टांके से 2.5 से 2.7 टन खाद निकलती है, जो एक हैक्टेयर क्षेत्र के लिए पर्याप्त होगी।

दक्षता- नाडेप परिपक्व होने के लिए प्रथम भराई की तारीख से 90 से 120 दिन लगते है। इस पूरे समय में खाद में सार्द्रता बनी रहने के लिए और दरारे बंद करने के लिए गोबर पानी का छिड़काव करते रहना चाहिए। आवश्यक लगे तो छेदों में भी पानी छिड़क कर इस पर दरारे न पड़ने दे। घास उगे तो उसे निकाल दें। नमी कायम रखे यदि कड़ी धूप हो तो उस पर घास फूस की चटाई से छायां कर दें या अस्थाई छप्पर बना दें, जिससे धूप एवं वर्षा से सरंक्षण मिल सके।

खाद की परिपक्वता- तीन चार महीने में खाद गहरे भूरे रंग की बन जाती हैं और सब दुर्गन्ध समाप्त होकर एक अच्छी खुशबु आती हैं। खाद सूखना नही चाहिए। इसमें 15 से 20 प्रतिशत नमी रहना ही चाहिए। इस खाद को एक फीट से 35 तार वाली छलनी से आड़ी रखकर छान लेना चाहिए। छना हुआ नाडेप कंपोस्ट खाद उपयोग में लाना चाहिए और छलनी के ऊपर का अर्द्धपक्व कच्चा माल फिर से खाद बनाते समय वनस्पति पदार्थ के साथ उपयोग में लाना चाहिए। छना खाद प्रति एकड़ 20 से 25 घन फीट बोकर दिया जा सकता हैं।

खाद के उपयोग की पद्धति- यदि आपके पास प्रति एकड़ वर्ष 3 से 5 टन खाद बोनी के 15 दिवस पूर्व खेत में फैला कर बखर चला देना चाहिए। यदि पहले ही वर्ष रासायनिक खाद नही देना हो तो नाडेप कंपोस्ट की मात्रा की तीन गुनी यानी कम से कम 10 से 15 टन नत्रजन 50 से 70 टन स्फुर और 130 किलो पोटाश और 9700 किलो सूक्ष्म अन्नद्रयुक्त पोषण मिल सकता है, क्योंकि कोई खाद पहले वर्ष में 33 प्रतिशत दूसरे वर्ष में 45 प्रतिशत और शेष 22 प्रतिशत तीसरे, चौथे वर्ष में पूरा उपलब्ध नही हो सकता हैं।

अमृत पानी- देशी गाय के 10 किलो ग्राम ताजे गोबर की देशी गाय के दूध से बना नोनीया घी 250 ग्राम अच्छी तरह फेटे, इसके बाद इसमें 500 ग्राम शहद मिलाकर फेटे। इस मिश्रण में से करीब आधा किलो मिश्रण लेकर बड़ के पेड़ के नीचे की आधा कि.ग्रा. मिट्टी अच्छी तरह मिला दें। अब इसकी एक कि.ग्रा मिश्रण को पतला कर बोनी करे। बोवनी के बाद अमृत पानी का छिड़काव करें।

विधि- अमृत पानी को या तो बोवनी के पूर्व की सिंचाई के साथ या बोवनी के बाद की प्रथम सिंचाई के साथ करें।

अमृत संजीवनी- मोबिल आईल की खाली 200 लीटर वाली ढक्कन कोठी लेवे। जिसमें दो रिंग से तीन समान भाग होते हैं। इस ड्रम में देशी गाय बैल बछियां का ताजा 60 किलो गोबर डाले। जिसमें दो रिंग तक अर्थात 2/3 भाग पर जावेगा। इस गोबर पर तीन कि.ग्रा यूरिया, तीन कि.ग्रा. सिंगल सुपर फास्फेट तथा एक किलो ग्राम म्यूरेट ऑफ पोटाश कुल 7 कि.ग्रा. रासायनिक उर्वरक तथा दो किलो मूंगफली की खली डाले। अब इस टंकी में पानी भर दें। मात्र ऊपर के किनारे से तीन इंच खाली रखें। संपूर्ण मिश्रण को लकड़ी से अच्छी तरह चला दें और ढक्कन बंद करके 48 घंटे यानि दो दिन रखे। तत्पश्चात फसल में दें।

उपयोग विधि- प्रति कतार एक लीटर अमृत संजीवनी का मिश्रण देना चाहिए। मिश्रण को हाथ से मिलाकर महीन कर लेना चाहिए। पहले छिड़काव के 7 दिन बाद बदलाव दिखने लगेगा।

मटका खाद- 15 कि.ग्रा. ताजा गोबर, देशी गाय का 15 लीटर ताजा गोमूत्र तथा 15 लीटर पानी मिट्टी के घड़े में घोल लेवे। इसमें 250 ग्राम गुड़ भी मिला देवें। इस घोल को मिट्टी के बर्तन में ऊपर से कपड़ा या टाट मिट्टी से पैक कर देवें। 4-5 दिन बाद इस घोल में 200 लीटर पानी मिलाकर एक एकड़ खेत में समान रूप से छिड़क देवें। यह छिड़काव बोनी के 15 दिन बाद करें। पुनः सात दिन बाद दोहरावें। सामान्यतया फसल में 3-4 बार और लंबी अवधि की फसल जैसे गन्ना, केला, हल्दी में 8 बार छिड़के।

बायों गैस स्लरी- बायो गैस संयत्र में गोबर की पाचन क्रिया के बाद 25 प्रतिशत ठोस पदार्थ का रूपान्तर गैस के रूप में होता हैं और 75 प्रतिशत ठोस पदार्थ का रूपांतर खाद के रूप में होता है। 2 घन मीटर के गैस सयंत्र में जिसमें करीब 50 कि.ग्रा. गोबर राज या 18.25 टन गोबर एक वर्ष में डाला जाता हैं। उस गोबर से 80 प्रतिशत नमी युक्त करीब 10 टन बायों गैस स्लरी का खाद प्राप्त होता हैं। यह खेती के लिए अति उत्तम खाद है। इसमें 1.5-2.0 प्रतिशत नत्रजन स्फुर 1.0 प्रतिशत तक होता हैं। इसके अलावा सूक्ष्म पोषक तत्व एवं ह्यूमस भी पाया जाता हैं।

उपयोग विधि- यह खाद असिंचित खेती में करीब 5 टन व सिंचित खेती हेतु 10 टन प्रति हैक्टेयर के मान में डाला जाता हैं।

जीवाणु खाद- रासायनिक खेती के दीर्घकालीन परिणामों को देखते हुए कृषकों को वापिस जैविक खेती की ओर लौटना होगा। अगर देश को खाद्यान्न में आत्मनिर्भर बनाना है तो जैविक खेती में यू तो कई घटक है, लेकिन केंचुआ और उसके उत्पादों को प्रथम श्रेणी में रखा गया हैं। इसलिए टिकाऊ खेती के लिए खेती में केंचुओं की संख्या बढ़ाने के प्रयास करने की आवश्यकता हैं। केंचुआ न केवल खाद, मल आदि देता है, बल्कि यह आय का अच्छा स्त्रोत बन सकता हैं।

निर्माण एंव उपयोग विधि- केंचुआ खाद के उत्पादन की विधि एवं सरंचना पर वर्मी कंपोस्ट बनाने के लिए छायादार स्थान और मुख्य सामग्री के रूप में घास पत्तियां गोबर सब्जियों के छिलके आदि अपघटनशील पदार्थो का चुनाव करते है। फिर भी केंचुओं के अधिक एवं अच्छे उत्पादन के लिए कई विधियां अपनाई जाती हैं। पहली विधि है- टांका विधि

टांका विधि- जिसके अंतर्गत जमीन के ऊपर इंटों को टांका बनाया जाता हैं। टांके के तल में 1 इंच मोटी तब बिछाकर नम कर लें एवं कार्बनिक पदार्थ की 3 से 4 इंच की तह बिछाकर 2 से 3 इंच पकी गोबर की खाद डाले। तत्पश्चात 2000 केंचुए या 100 से 150 केंचुए/ वर्ग फुट के हिसाब से फैला दें एवं घास फूस से ढक दें तथा प्रतिदिन के हिसाब से पानी देते रहे। जबकि दूसरी विधि है-गड्ढा विधि।

गड्ढा विधि- इस विधि के अंतर्गत जमीन पर गड्ढा खोदकर इसके तल को पक्का करके पहली विधि के अनुसार ही मिट्टी, सामग्री तथा केंचुए डालकर टाट से ढक दें और पानी देते रहें।

मैं कभी एक्टिंग में नहीं आना चाहते था, मुझे म्यूजिक ज्यादा पसंद है

अक्षय कुमार और वामिका गब्बी की हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'भूत-बंगला' 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म को यूए-16 की रेटिंग के साथ रिलीज की अनुमति मिली है। फिल्म में बंगाली एक्टर जिशु सेनगुप्ता ने भी अहम किरदार निभाया है। अब उन्होंने फिल्म में अक्षय कुमार और डायरेक्टर प्रियदर्शन के साथ काम करने को किसी सपने के सच होने जैसा बताया है। बातचीत में जिशु सेनगुप्ता ने कहा, डायरेक्टर प्रियदर्शन के साथ काम करना उनके लिए सपने का सच होने जैसा है, क्योंकि जब वे सीरियस फिल्म बनाते हैं, तब सेट पर गंभीरता का पैमाना अपने आप सेट हो जाता है और जब वे कॉमेडी फिल्म बनाते हैं तो सेट पर कॉमेडी के नए आयाम स्थापित हो जाते हैं। मेरी पहली मुलाकात इनसे सीसीएल में हुई थी, जब मैंने उनके साथ काम करने की इच्छा जाहिर की थी। हालांकि समय ज्यादा लग गया, लेकिन उनके साथ काम करना मेरे लिए गर्व की बात है। डायरेक्टर प्रियदर्शन के साथ सेट पर काम करने के अनुभव पर जिशु सेनगुप्ता ने कहा, 'पहले कुछ दिन अजीब लगता है, मैं नर्वस नहीं था, लेकिन समझ नहीं पा रहा था क्योंकि सेट पर एक के बाद दूसरा शॉट हो रहा था और नहीं पता कि सीन में कोई कमी तो नहीं है। मैंने पूछा तो पता चला कि सब कुछ परफेक्ट है। जब सब कुछ परफेक्ट होता तो डायरेक्टर कुछ नहीं बोलते और जब कमी होती तो वे सामने से आकर बोलते थे। उन्होंने बताया कि डायरेक्टर सेट पर सबकी सुनते थे। अक्षय सर कुछ बताते तो वो तुरंत मान जाते थे।' 'भूत-बंगला' के लिए 'हां' करने के सवाल पर अभिनेता ने कहा कि भले ही फिल्म में बहुत सारे किरदार हैं, लेकिन हर किरदार का अपना अस्तित्व है और अलग कहानी है। मेरे लिए अच्छा किरदार बहुत मायने रखता है और यही कारण है कि मैंने फिल्म को करने के लिए 'हां' की।

फिल्मों में अपने करियर की शुरुआत को लेकर अभिनेता का कहना है कि वो कभी भी एक्टिंग में नहीं आना चाहते थे, क्योंकि उनके पिता थिएटर एक्टर थे। उन्होंने कहा, 'मेरी मां नहीं चाहती थी कि मैं फिल्मों में आऊं और न ही मैं आना चाहता था। मुझे म्यूजिक ज्यादा पसंद है और खुद का बैंड भी है, लेकिन किस्मत पता नहीं कैसे सिनेमा में ले आई।' अभिनेता ने खुलासा किया कि वे कभी अपनी खुद की फिल्में नहीं देखते हैं।

'भूल भुलैया 2' न सही तो 'भूत बंगला' से सपना सच हो गया'

बातचीत के दौरान वामिका ने इस फिल्म को लेकर अपनी खुशी, 'भूल भुलैया 2' से जुड़ा एक पुराना किस्सा, अक्षय और प्रियदर्शन की आपसी समझ, सेट पर अनुशासन और भविष्य की योजनाओं पर खुलकर बात की।

काफी वक्त से कॉमेडी फिल्म करना चाहती थी वामिका कहती हैं, 'मैं काफी समय से कह रही थी कि मुझे ऐसी फिल्म करनी है। मैं 'गरम मसाला', 'भूल भुलैया', 'हलचल' और 'भागम भाग' जैसी फिल्मों को देखकर बड़ी हुई हूं। हमेशा सोचती थी कि काश मैं भी ऐसी एक फिल्म का हिस्सा बनूं। जब पता चला कि प्रियदर्शन सर और अक्षय सर साथ में फिल्म कर रहे हैं तो मेरे लिए यही बात अपने आप में बहुत बड़ी थी।'

'भूल भुलैया 2' करते-करते रह गई थी

वामिका ने बातचीत के दौरान यह भी बताया कि वह पहले भी इस कॉमेडी स्पेस का हिस्सा बनने के करीब पहुंच चुकी थीं। उन्होंने कहा, 'जब 'भूल भुलैया 2' बन रही थी, तब मैंने भी उस फिल्म के लिए ऑडिशन दिया था। मैंने ऑडिशन दिया था, फिल्म करने के काफी करीब भी पहुंच गई थी लेकिन किसी वजह से यह होते-होते रह गया। अब देखो, मैं 'भूत बंगला' कर रही हूं। जो सपना इतने साल का था, वो आखिरकार पूरा हुआ।'

कभी-कभी लगता था, सेट पर दो पुराने दोस्त खड़े हैं

सेट पर अक्षय कुमार और प्रियदर्शन की आपसी समझ कैसी थी पूछा जाने पर वामिका ने कहा, 'इनको देखकर कभी-कभी मुझे लगता था कि दो पुराने दोस्त साथ खड़े हैं, जो एक-दूसरे के साथ मजाक कर रहे हैं। वहीं कभी-कभी ऐसा लगता था जैसे गुरु और शिष्य के बीच कोई अनकही समझ चल रही हो। प्रियदर्शन सर कुछ कहते थे और अक्षय सर तुरंत समझ जाते थे। उनकी यह समझ सेट पर सामने देखना अपने आप में बहुत दिलचस्प था।'

अक्षय समय पर है तो आप देरी नहीं कर सकते अक्षय कुमार के अनुशासन पर बात करते हुए वामिका ने कहा, 'सेट पर समय से पहुंचने का दबाव तो होता था। जब आपको पता हो कि अक्षय सर सेट पर समय से आते हैं, अनुशासित हैं, तो आप आराम से या देर से नहीं पहुंच सकते। लेकिन वह दबाव नकारात्मक नहीं होता। वह आपको प्रोफेशनल बनाता है।'

अक्षय सर के साथ एक्शन फिल्म करूंगी

बातचीत के अंत में वामिका ने यह भी कहा कि 'भूत बंगला' के बाद अब उनकी इच्छा अक्षय कुमार के साथ एक्शन फिल्म करने की भी है। फिल्म 'भूत बंगला' को वामिका गब्बी अपने लिए यादगार मानती हैं। वह कहती हैं, 'मेरे लिए ये सिर्फ एक फिल्म नहीं थी। ये बहुत खास अनुभव था। जिस तरह की फिल्में मुझे पसंद हैं, उसी तरह की फिल्म में काम करना, प्रियदर्शन सर जैसे निर्देशक और अक्षय सर जैसे कलाकार के साथ काम करना यादगार रहा है।

धनुष के साथ काफी कंफर्टेबल महसूस करती हैं संयुक्ता

धनुष के साथ फिल्म 'वाथी' में अपने अभिनय से सुर्खियां बटोरने वाली अभिनेत्री संयुक्ता इस साल कई फिल्मों में नजर आने वाली हैं। हालांकि, एक्ट्रेस ने फिर से धनुष के साथ काम करने की संभावनाओं के बारे में बात की। साथ ही उन्होंने बताया कि क्यों धनुष के साथ वो काफी कंफर्टेबल महसूस करती हैं।

बातचीत में जब संयुक्ता से पूछा गया कि वह किस अभिनेता के साथ दोबारा काम करना चाहेंगी? इस पर एक्ट्रेस ने कहा कि मैं उन सभी मलयालम अभिनेताओं के साथ काम करना चाहूंगी, जिनके साथ मैंने काम किया है। साथ ही धनुष के साथ भी मैं दोबारा काम करना चाहूंगी। वह शानदार अभिनेता हैं। जब वो कोई स्क्रिप्ट चुनते हैं, तो आप समझ जाते हैं कि वो अच्छी कहानी है। 'वाथी' में धनुष के साथ काम करने के अनुभव को याद करते हुए एक्ट्रेस ने कहा कि उनके साथ काम करना बहुत बढ़िया था। मेरा मतलब है मुझे यकीन है कि आपने इसे देखा होगा। उनके साथ एनर्जी लेवल अलग ही होता है। वो कम बोलने वाले, बेहद पढ़ने वाले व्यक्ति हैं। वो अपने काम में मग्न रहते हैं। कैमरे के सामने उनका शांत स्वभाव, पर्दे पर उनकी ताकत को दिखाता है। ऐसा लगता है जैसे वो अपना सारा जोश कैमरे के सामने वाले उस एक पल के लिए बचाकर रखते हैं। जब निर्देशक एक्शन कहते हैं, तो वो अपना पूरा जोर लगा देते हैं। वेंकी अटुलुरी द्वारा निर्देशित पीरियड एक्शन ड्रामा 'वाथी' 2023 में रिलीज हुई थी। यह उस साल की सबसे अधिक कमाई करने वाली तमिल फिल्मों में से एक है।

प्रियदर्शन की 100वीं फिल्म में नजर आएंगे मोहनलाल

मलयालम सिनेमा के दिग्गज अभिनेता मोहनलाल और डायरेक्टर प्रियदर्शन एक बार फिर साथ आ रहे हैं। यह प्रियदर्शन के करियर की 100वीं फिल्म होगी। खास बात यह है कि मोहनलाल ने ही प्रियदर्शन की पहली फिल्म में लीड रोल निभाया था और अब वे उनकी 'संचुरी' वाली फिल्म का भी हिस्सा बनेंगे। यह फिल्म एक 'म्यूजिकल ड्रामा' होगी, जिसे आशीर्वाद सिनेमाज के बैनर तले बनाया जाएगा। हालांकि इस प्रोजेक्ट का नाम अभी तय नहीं हुआ है। मोहनलाल ने सोशल मीडिया पर एक नोट लिखकर फिल्म पर अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने लिखा, 'कुछ उपलब्धियां किसी एक व्यक्ति की नहीं होतीं। मेरे प्रिय मित्र प्रियन (प्रियदर्शन) अपनी 100वीं फिल्म की ओर कदम बढ़ा रहे हैं और मेरे पास शब्द नहीं हैं कि यह मेरे लिए क्या मायने रखता है। 100 फिल्में सिर्फ एक नंबर नहीं हैं, बल्कि कहानियों से भरा एक जीवन है। मैं इस सफर का हिस्सा बनकर खुद को सम्मानित महसूस कर रहा हूं।'

एंथोनी पेरुम्बावूर करेंगे प्रोड्यूस

इस फिल्म को मोहनलाल के करीबी और मशहूर प्रोड्यूसर एंथोनी पेरुम्बावूर प्रोड्यूस कर रहे हैं, जबकि बिनू जॉर्ज अलेक्जेंडर को-प्रोड्यूसर होंगे। फिल्म की कहानी को लेकर अभी ज्यादा जानकारी साझा नहीं की गई है,लेकिन मेकर्स ने साफ किया है कि यह प्रियदर्शन की सिग्नेचर कॉमेडी फिल्मों से अलग एक म्यूजिकल फिल्म होगी। फिल्म की शूटिंग जल्द ही शुरू होने की उम्मीद है।

भारतीय सिनेमा में बनेगा नया रिकॉर्ड

यह फिल्म भारतीय सिनेमा में एक नया रिकॉर्ड सेट कर सकती है। बहुत कम ऐसा देखा गया है कि जिस अभिनेता ने किसी डायरेक्टर की पहली फिल्म में काम किया हो, वही उसकी 100वीं फिल्म में भी मुख्य भूमिका निभाए। मोहनलाल और प्रियदर्शन की जोड़ी ने पिछले चार दशकों में 'बोइंग बोइंग', 'चित्रम', 'कालापानी' और 'ओप्पम' जैसी कई क्लासिक फिल्में दी हैं।

पुराने दोस्त हैं प्रियदर्शन और मोहनलाल

प्रियदर्शन ने अपने करियर की शुरुआत 1980 के दशक में की थी। उन्होंने न केवल मलयालम बल्कि बॉलीवुड में भी 'हेरा फेरी', 'भूल भुलैया' और 'हंगामा' जैसी सुपरहिट फिल्में दी हैं। मोहनलाल के साथ उनकी जोड़ी को मलयालम इंडस्ट्री की सबसे सफल जोड़ी माना जाता है। उनकी पिछली बड़ी फिल्म 'मरक्कर: लॉयन ऑफ द अरेबियन सी' थी, जिसने नेशनल अवॉर्ड जीता था।

मुझे स्टोरी और लोगों की भावनाएं उत्साहित करती हैं

आमिर खान ने फिल्मों में ना सिर्फ अपनी अदाकारी का लोहा मनवाया बल्कि जब उन्होंने बेहतरीन फिल्में बनाईं, तो कहा जाने लगा कि आमिर हर काम बड़े तरीके से करते हैं। यहीं से उन्हें मिस्टर परफेक्शनिस्ट का टैग भी मिला। लेकिन आमिर कहते हैं कि उनके लिए सफलता का पैमाना बॉक्स ऑफिस पर फिल्म ने कितने करोड़ कमाए, इससे तय नहीं होता। हाल ही में इंटरनैशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ दिल्ली) में आए आमिर खान ने कहा, 'मेरे लिए पैसों की अहमियत उतनी ही रही है, जितना मैं उसको इस्तेमाल कर सकता हूं। आमिर खान कहते हैं कि मुझे उत्साह पैसों से नहीं बल्कि कहीं और से मिलता है। वह कहते हैं, 'मेरे पिता फिल्ममेकर थे, तो अक्सर लोग सोचते हैं कि एक फिल्ममेकर का बेटा है तो पैसे वाले परिवार से है। लेकिन हमारे लिए वो समय आर्थिक तौर पर बहुत मुश्किल वक्त था। मेरे पिता फिल्ममेकर बहुत अच्छे थे, लेकिन वो बिजनेसमैन अच्छे नहीं थे। इसलिए ऐसा बिल्कुल भी नहीं है कि मैं पैसे वाली फैमिली से हूं तो मेरे लिए पैसों की वैल्यू नहीं है। मुझे स्टोरी उत्साहित करती हैं, मुझे लोगों को हंसाना, अपने काम से उनकी आंखों में खुशी के आंसू देखना, उनके दिल का छूना एक्साइट करता है।'

'मैंने शेड्यूल बनाकर बचपन नहीं जीया'

आजकल के बच्चे पढ़ाई, ट्यूशन, टेनिस क्लास, म्यूजिक क्लास में ही पूरा दिन निकाल देते हैं। उनका पूरा दिन का शेड्यूल पहले से ही पैक रहता है। आमिर कहते हैं, 'मेरा क्रिकेट या फुटबॉल क्लास का कोई शेड्यूल नहीं था। मैं क्रिकेट खेलता था, मैं फुटबॉल खेलता था, उनकी क्लास नहीं लेता था। मेरी मां ने भी कभी भी मेरे लिए ऐसा करने के लिए कोई शेड्यूल नहीं बनाया था। लेकिन आज ये शेड्यूल का हिस्सा बन गया है। हमें एक तो पहले से ही पढ़ाई से तकलीफ होती थी। स्कूल से एक बजे घर आते थे, मुझे टेनिस में रुचि थी, तो मैं टेनिस खेलता था, लेकिन जैसे ही मैं फ्री हो गया और मैं टेनिस के लिए नहीं गया हूं तो मैं बिल्डिंग के नीचे जाता था, और बोलता था स्वीटी, केवल, विकी, दरअसल मैं अपने दोस्तों का नाम लेता था, और वो भी मुझे मेरे नाम से बुलाते थे (हंसते हुए) उस समय शेड्यूल फॉलो नहीं करते थे, हम एक साथ जुटते थे और खेलने लग जाते थे।'

'नॉलेज ऑनलाइन मिल रही है तो उसे क्लास में क्यों पढ़ाएं'

आमिर को लगता है कि आज की शिक्षा प्रणाली को बदलने की जरूरत है। वह कहते हैं, 'मुझे सच में लगता है कि शिक्षा के क्षेत्र में सचमुच एक बदलाव की जरूरत है। जब आप घर बैठे ही जान सकते हैं कि कितने ग्रह हैं, हमारा सौरमंडल कैसा है, राजा शिवाजी के समय क्या हुआ था, उस समय लीडर कैसे थे, ये सब चीजें हमें स्कूल में पढ़ाई जाती है। मुझे नहीं पता कि आज ये जमाने में ये कितना उपयुक्त है। आज जो नॉलेज है वो मेरी उंगलियों पर है। मुझे जानना है कि किसी व्यक्ति का जन्म कब हुआ था, तो मैं वह तुरंत देख सकता हूं। मुझे अपने दिमाग में वो नॉलेज जमा ही क्यों करनी है, जब उसकी अभी जरूरत ही नहीं है। एक जमाने में जरूरत थी, तो स्कूल में नॉलेज मिलती थी। नॉलेज तो अब फ्री हो गई है, लेकिन उस नॉलेज का प्रयोग कैसे करना है, इसकी ट्रेनिंग हम नहीं दे रहे हैं। हम स्कूल में बच्चों को चीजों को समझना नहीं सिखा रहे हैं, कैसे लोगों का ध्यान रखें और कैसे अच्छा इंसान बने ये सिखाने की जरूरत है।

आज डे ड्रीमिंग बहुत जरूरी

आमिर का कहना है कि आज के दौर में डे ड्रीमिंग बहुत जरूरी है। वह कहते हैं, 'आजकल तो हर आदमी ज्यादातर समय फोन पर ही रहता है। हम डे ड्रीमिंग की कला को खोते जा रहे हैं। जब भी हम फ्री होते हैं, हमारा फोन हमारे हाथ में आ जाता है और हम अलग-अलग एप्स पर कुछ शॉर्ट्स देखने लगते हैं। वो बहुत मजेदार भी होते हैं लेकिन वो आपके दिमाग और समय को ऑब्जर्व कर रहे होते हैं। एक वक्त था जब फोन नहीं था, तो जब हम गाड़ी में बैठे होते थे और सिर्फ सोच रहे होते थे। बाहर जिंदगी को गुजरते हुए देख रहे होते थे। ये थी डे ड्रीमिंग। मुझे लगता है कि डे ड्रीमिंग बहुत जरूरी है। यह आपके दिमाग को कई चीजों को एक्सप्लोर करने और उन्हें गहराई से समझने का मौका देता है। आज हमारे पास खुद के बारे में या किसी भी चीज के बारे में सोचने का वक्त ही नहीं है। हमारे चारों तरफ बस डेटा घूम रहा है।'

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान में आइईडी धमाका, चार पुलिसकर्मियों समेत नौ लोग घायल

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में एक बड़ा धमाका हुआ है, जिसमें चार पुलिसकर्मियों समेत कुल नौ लोग घायल हो गए। यह घटना लक्की मरवत जिले के सेराई नौरंग इलाके में एक व्यस्त सड़क पर हुई। पुलिस के अनुसार, हमलावरों ने पुलिस की गश्ती टीम को निशाना बनाया था। बताया जा रहा है कि हमलावरों ने एक मोटरसाइकिल में आइईडी फिट कर रखा था। जैसे ही पुलिस की गाड़ी वहां से गुजरी, धमाका कर दिया गया। इस विस्फोट में पुलिस की गाड़ी को भी नुकसान पहुंचा है। घटना के तुरंत बाद सभी घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने अस्पताल जाकर घायलों का हाल जाना और बेहतर इलाज के निर्देश दिए। पुलिस ने इस हमले को कायराना बताया है और कहा है कि ऐसे हमलों से सुरक्षा बलों का मनोबल नहीं टूटेगा। अधिकारियों ने यह भी कहा कि आतंकियों के मंसूबों को नाकाम करने के लिए पुलिस पूरी तरह तैयार है और इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

सिंगापुर में सिंगर जुबीन गर्ग की मौत, पुलिस ने बताई वजह

सिंगापुर , एजेंसी। सिंगापुर पुलिस ने भारतीय गायक जुबीन गर्ग की मौत की जांच पूरी कर ली है और साफ किया है कि इसमें किसी भी तरह की साजिश या गड़बड़ी नहीं थी। जांच के अनुसार, उनकी मौत दुर्घटनावश डूबने से हुई थी। पुलिस के मुताबिक, जुबीन गर्ग सितंबर 2025 में एक यॉट ट्रिप पर गए थे। उन्होंने पहले लाइफ जैकेट पहनकर पानी में तैराकी की, लेकिन बाद में उसे उतार दिया। दूसरी बार जब वे पानी में उतरे, तो अकेले और बिना लाइफ जैकेट के तैरने लगे। इसी दौरान वे अचानक बेहोश हो गए। उन्हें तुरंत बचाकर यॉट पर लाया गया और सीपीआर दिया गया, लेकिन अस्पताल ले जाने के बाद उनकी मौत हो गई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में भी डूबने को ही मौत का कारण बताया गया है। जांच में यह भी सामने आया कि उनके खून में अल्कोहल की मात्रा ज्यादा थी, जिससे उनकी स्थिति और खराब हो सकती थी। पुलिस ने कहा कि यह पूरी तरह एक हादसा था। उन्होंने परिवार के प्रति संवेदना भी जताई है।

जजीरा एयरवेज ने भारत के चार नए शहरों के लिए शुरू की उड़ानें

कुवैत सिटी, एजेंसी। कुवैत की एयरलाइन जजीरा एयरवेज ने भारत में अपने नेटवर्क का विस्तार करते हुए चार नए शहरों, कोझिकोड, तिरुचिरापल्ली, मंगलूरू और कन्नूर, को जोड़ा है। इस विस्तार के बाद अब एयरलाइन भारत के कुल 12 शहरों के लिए उड़ानें संचालित कर रही है और हर हफ्ते 49 फ्लाइट्स चला रही है। यह पहल 'प्रोजेक्ट वंदे भारत' के तहत की गई है, जिसका उद्देश्य कुवैत में रहने वाले भारतीयों को बेहतर यात्रा सुविधा देना है। इससे पहले एयरलाइन अहमदाबाद, दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, हैदराबाद और अन्य शहरों के लिए उड़ानें चला रही थी। कंपनी के सीईओ ने कहा कि भारत उनका महत्वपूर्ण बाजार है और वे भारतीय समुदाय को बेहतर कनेक्टिविटी देना चाहते हैं। नए रूट्स से खासकर दक्षिण भारत के यात्रियों को अपने घर तक पहुंचने में आसानी होगी। यह विस्तार ऐसे समय में हुआ है जब अंतरराष्ट्रीय यात्रा में कई तरह की बाधाएं आ रही हैं। इससे न केवल यात्रियों को फायदा होगा, बल्कि व्यापार और कार्गो सेवाओं को भी मजबूती मिलेगी।

नेपाल ने कुवैत से 318 नागरिकों को निकाला, नौ शव भी लाए गए

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल सरकार ने एक बड़े राहत अभियान के तहत कुवैत में फंसे अपने 318 नागरिकों को सुरक्षित वापस देश लाया है। इसके साथ ही नौ प्रवासी मजदूरों के शव भी नेपाल लाए गए। यह अभियान बुधवार रात को सफलतापूर्वक पूरा किया गया। सरकार ने इसके लिए एक विशेष चार्टर्ड विमान का इस्तेमाल किया, जो कुवैत एयरवेज का बोइंग 777-300 था। यह विमान भैरहवा स्थित गौतम बुद्ध अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरा। बताया जा रहा है कि ये सभी लोग कई कारणों से कुवैत में फंसे हुए थे और उन्हें वापस लाने के लिए सरकार लगातार प्रयास कर रही थी। इस ऑपरेशन के जरिए न केवल जीवित नागरिकों को सुरक्षित घर पहुंचाया गया, बल्कि मृतकों के शव भी उनके परिवारों तक पहुंचाए गए। सरकार ने इस मिशन को मानवीय दृष्टिकोण से बेहद महत्वपूर्ण बताया है। अधिकारियों का कहना है कि भविष्य में भी विदेशों में फंसे नागरिकों की मदद के लिए ऐसे प्रयास जारी रहेंगे, ताकि किसी भी नेपाली नागरिक को मुश्किल हालात में अकेला न छोड़ा जाए।

ईरान के सर्वोच्च नेता ने लोगों से युद्ध पीड़ितों के सम्मान में पौधे लगाने का किया आग्रह

तेहरान , एजेंसी। ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई ने ईरानी लोगों से अपील की है कि वे अमेरिका-इज़राइल हमलों में मारे गए लोगों की स्मृति में पौधे लगाएं और इसे समृद्धि, आशा और 'दुश्मनों' के खिलाफ एक राष्ट्रीय प्रतिक्रिया का प्रतीक बनाएं। शिन्हुआ समाचार एजेंसी ने बताया कि उन्होंने ये बातें दिए गए एक संदेश में कहीं, जो इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान की स्थापना की 47वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में था। साथ ही यह पारंपरिक अवसर 'सिज़्दाह बेदार' या 'नेचर डे' से पहले दिया गया, जो नवरोज़ त्योहार के समापन का प्रतीक है और 2 अप्रैल को मनाया जाता है। खामेनेई ने अमेरिका और इज़रायल के खिलाफ संघर्ष में ईरानी जनता की बहादुरी की सराहना करते हुए कहा कि 'निर्दयी दुश्मन' अपनी क्रूरता में कोई सीमा नहीं जानते और उन्होंने अपने हमलों में ईरान की प्रकृति और पर्यावरण को भी नुकसान पहुंचाया है।

उन्होंने सभी ईरानी शहरों और गांवों के लोगों से अपील की कि वे संबंधित सरकारी संस्थानों के सहयोग से नेचर डे से लेकर वसंत ऋतु के अंत (21 जून) तक पौधे लगाने का अभियान जारी रखें। 28 फरवरी को इज़रायल और अमेरिका ने तेहरान और ईरान के कई अन्य शहरों पर संयुक्त हमले किए थे, जिसमें ईरान के पूर्व सर्वोच्च नेता अली खामेनेई सहित वरिष्ठ सैन्य कमांडरों और नागरिकों की मौत हो गई थी। इसके जवाब में ईरान ने इज़राइल और मध्य पूर्व में अमेरिकी ठिकानों और संपत्तियों को निशाना बनाते हुए मिसाइल और ड्रोन हमलों की श्रृंखला शुरू की। इस बीच, ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेज़ेशकियन ने कहा कि ईरानी जनता अमेरिकी लोगों के प्रति कोई दुश्मनी नहीं रखती है जबकि उन्होंने अमेरिकी प्रशासन पर ईरान के खिलाफ 'इज़राइल के प्रॉक्सी' के रूप में लड़ने का आरोप लगाया। उन्होंने ये टिप्पणियां अमेरिकी जनता को संबोधित एक पत्र में कीं, जिसमें उन्होंने अमेरिका और इज़रायल के साथ चल रहे युद्ध को लेकर ईरान के रुख को विस्तार से बताया। पेज़ेशकियन ने कहा, 'ईरानी लोग अमेरिका, यूरोप या पड़ोसी देशों के लोगों सहित किसी भी अन्य राष्ट्र के प्रति दुश्मनी नहीं रखते।' उन्होंने कहा, 'अपने गौरवशाली इतिहास के दौरान बार-बार विदेशी हस्तक्षेप और दबावों का सामना करने के बावजूद ईरानियों ने हमेशा सरकारों और उनके लोगों के बीच स्पष्ट अंतर किया है।' पेज़ेशकियन ने कहा कि ईरान ने 'अपने आधुनिक इतिहास में कभी भी आक्रामकता, विस्तारवाद, उपनिवेशवाद या प्रभुत्व का रास्ता नहीं चुना,' जबकि उसे वैश्विक शक्तियों द्वारा कब्जे, आक्रमण और दबाव का सामना करना पड़ा है।

उन्होंने कहा कि ईरान को खतरे के रूप में प्रस्तुत करना इज़रायल द्वारा गढ़ी गई कहानी है, जिसका उद्देश्य 'फिलिस्तीनियों के खिलाफ अपने अपराधों से वैश्विक ध्यान हटाना' है। पेज़ेशकियन ने ईरान के आसपास अमेरिकी सैन्य जमावड़े और ठिकानों का जिक्र करते हुए कहा कि इन ठिकानों से शुरू हुई अमेरिकी 'आक्रामकताएं' यह दिखाती हैं कि ऐसी सैन्य मौजूदगी कितनी खतरनाक हो सकती है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा आने वाले दिनों में ईरान के ऊर्जा ठिकानों पर बड़े पैमाने पर हमले की धमकी के जवाब में उन्होंने कहा कि देश के महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे पर हमला सीधे ईरानी जनता को निशाना बनाता है। उन्होंने जोर दिया कि ऐसे कदम 'युद्ध अपराध' हैं और इनके प्रभाव ईरान की सीमाओं से बाहर तक जाएंगे। उन्होंने सवाल किया, 'क्या 'अमेरिका फर्स्ट' वास्तव में आज अमेरिकी सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है? उन्होंने कहा कि दुनिया इस समय 'एक चौराहे पर खड़ी है,' जहां उसे टकराव और संवाद के बीच चयन करना होगा।

अमेरिका ने वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति पर से प्रतिबंध हटाए

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज पर लगे प्रतिबंध हटा दिए हैं। यह फैसला अमेरिकी ट्रेजरी विभाग की ओर से लिया गया है। माना जा रहा है कि यह कदम इस बात का संकेत है कि अमेरिका अब रोड्रिगेज को वेनेजुएला की वैध नेता मान रहा है। इससे पहले भी अमेरिका उन्हें कई कूटनीतिक और कानूनी मामलों में देश का प्रमुख मान चुका है। यह फैसला ऐसे समय में आया है जब ट्रंप प्रशासन वेनेजुएला की अंतरिम सरकार के साथ लगातार बातचीत कर रहा है। इसी साल 3 जनवरी को अमेरिकी सेना ने वेनेजुएला के पूर्व राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी को कराकास से गिरफ्तार किया था। दोनों पर ड्रग तस्करी के आरोप लगे हैं और उन्हें न्यूयॉर्क ले जाया गया, जहां उन्होंने खुद को निर्दोष बताया है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस फैसले से वेनेजुएला की राजनीति में बड़ा बदलाव आ सकता है। अमेरिका का समर्थन मिलने से रोड्रिगेज की स्थिति मजबूत होगी और देश में स्थिरता लाने की कोशिश तेज हो सकती है। हालांकि, यह कदम अंतरराष्ट्रीय राजनीति में भी नए समीकरण बना सकता है और आने वाले समय में इसके बड़े असर देखने को मिल सकते हैं।

इंडोनेशिया में आया 7.4 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप, तटीय क्षेत्रों में सुनामी की चेतावनी

जकार्ता, एजेंसी। इंडोनेशिया में जबरदस्त भूकंप आया है। संयुक्त राज्य अमेरिका के भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) ने बताया कि गुरुवार तड़के पूर्वी इंडोनेशिया के तट से दूर समुद्र में 7.4 तीव्रता का एक शक्तिशाली भूकंप आया। इसके बाद एक अमेरिकी निगरानी एजेंसी ने भूकंप के केंद्र से 1,000 किलोमीटर के दायरे में सुनामी की संभावना को लेकर चेतावनी जारी की। यूएसजीएस के अनुसार, भूकंप का केंद्र 1.20 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 126.35 डिग्री पूर्वी देशांतर पर स्थित था। चीन के भूकंप नेटवर्क केंद्र की रिपोर्ट के मुताबिक, यह भूकंप लगभग 30 किलोमीटर की गहराई पर आया। यूएसजीएस ने आगे बताया कि यह भूकंप, जिसकी तीव्रता शुरू में 7.8 मापी गई थी, स्थानीय समय के अनुसार सुबह लगभग 6:48 बजे मोलुक्का सागर में आया। हवाई स्थित पैसिफिक सुनामी वार्निंग सेंटर ने एक अलर्ट जारी करते हुए कहा कि भूकंप के केंद्र से 1,000 किलोमीटर के दायरे में खतरनाक सुनामी लहरें उठ सकती हैं, खासकर इंडोनेशिया, फिलीपींस और मलेशिया के तटीय इलाकों में। यूएसजीएस ने भी भूकंप के केंद्र से उतनी ही दूरी पर स्थित क्षेत्रों में खतरनाक सुनामी लहरों की संभावना के संबंध में चेतावनी दी। इंडोनेशिया दुनिया के सबसे अधिक भूकंपीय रूप से सक्रिय क्षेत्रों में से एक है, क्योंकि यह 'प्रशांत अग्नि वलय' पर स्थित है। यह

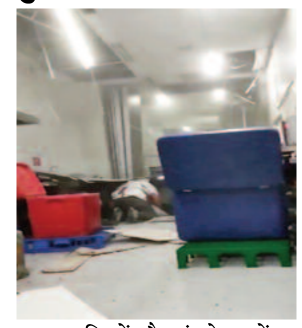

ज्वालामुखियों और भ्रंश रेखाओं का एक विशाल 40,000 किलोमीटर लंबा चाप है, जो टेक्टोनिक प्लेटों की आपसी हलचल से बना है। प्रशांत महासागर को घेरने वाली यह घोड़े की नाल के आकार की बेल्ट दुनिया के लगभग 90 प्रतिशत भूकंपों का कारण बनती है और यह अपनी लगातार होने वाली भूकंपीय और ज्वालामुखी गतिविधियों के लिए जानी जाती है। यूएसजीएस के अनुसार, अभी पिछले महीने ही 3 मार्च को सुमात्रा के तट से दूर समुद्र में 6.1 तीव्रता का भूकंप आया था। इससे वहां के लोग सहम गए थे, लेकिन कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ था। वह भूकंप सुमात्रा के उत्तर-पूर्वी सिरे के पास समुद्र में उत्पन्न हुआ था, जिसके कारण उस क्षेत्र में, जहां अक्सर भूकंप के झटके आते रहते हैं, कई लोग घबराकर अपने घरों से बाहर भाग निकले थे। इसी बीच, इंडोनेशिया की मौसम विज्ञान, जलवायु विज्ञान और भूभौतिकी एजेंसी ने इस भूकंप की तीव्रता 6.4 दर्ज की और बताया कि यह 13 किलोमीटर की गहराई पर आया था।

अपने ही घर में घिरे ट्रंप: डेमोक्रेटिक सांसदों ने यूएस के भविष्य पर उठाए सवाल

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी संसद की विदेश मामलों की समिति के वरिष्ठ डेमोक्रेटिक सांसदों ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ईरान नीति पर कड़े सवाल उठाए हैं। उन्होंने चेतावनी दी है कि आगे चलकर इस युद्ध की मानवीय, आर्थिक और भू-राजनीतिक कीमत बहुत भारी पड़ रही है। राष्ट्रपति के राष्ट्र के नाम संबोधन से पहले सांसदों ने एक साझा बयान जारी कर अपनी चिंताएं जाहिर की। सांसद ग्रेगरी मीक्स, एडम स्मिथ और जिम हाइम्स ने कहा राष्ट्रपति ट्रंप ने अपनी मर्जी से ईरान के खिलाफ यह युद्ध शुरू किया था। इसे शुरू हुए एक महीने से ज्यादा का समय बीत चुका है, लेकिन ट्रंप अपने लक्ष्यों को हासिल करने के करीब भी नहीं पहुंचे हैं। सांसदों का तर्क है कि इस सैन्य कार्रवाई से ईरान के शासन में कोई बुनियादी बदलाव नहीं आया है। ईरान अब भी परमाणु कार्यक्रम चलाने, मिसाइलें बनाने और आतंकी समूहों की मदद करने में सक्षम है। इसके अलावा, ट्रंप ईरान के आम लोगों को भी कोई राहत नहीं दे पाए हैं। सांसदों ने इस युद्ध में हुए जान-माल के मानवीय और भौतिक नुकसान को उजागर करते हुए बयान में आगे कहा, अब तक 13 अमेरिकी सैनिक अपनी जान गंवा चुके हैं और सैकड़ों घायल हुए हैं।

युद्ध में अरबों डॉलर के हथियार और सैन्य उपकरण या तो बर्बाद हो गए हैं या उन्हें भारी नुकसान पहुंचा है। मानवीय नुकसान का जिक्र करते हुए सांसदों ने कहा कि हजारों ईरानी नागरिक मारे गए हैं, जिनमें 150 से ज्यादा स्कूली छात्राएं भी शामिल हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि ट्रंप की इस विनाशकारी कार्रवाई की वजह से बहुत से लोग अमेरिका के खिलाफ हो गए हैं और कट्टरपंथ बढ़ रहा है। बयान में कहा गया कि इस युद्ध की वजह से दुनिया भर में तेल, खाद और हीलियम जैसी जरूरी चीजों की सप्लाई कम हो गई है। इससे अमेरिका और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर बुरा असर पड़ा है। सांसदों ने यह भी आरोप लगाया कि ट्रंप ने अपने पुराने और वफादार सहयोगियों का अपमान किया, उन पर दबाव डाला है और उन्हें नीचा दिखाया है।

ट्रंप ने ईरान के खिलाफ कार्रवाई बच्चों के भविष्य में निवेश जैसी, हमले तेज करने की दी चेतावनी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आने वाले हफ्तों में ईरान के खिलाफ हमले और तेज करने की बात कही और चेतावनी दी है कि ये हमले अभी कुछ हफ्तों तक और चलेगा। ट्रंप ने कहा कि हम अगले दो से तीन हफ्तों में उन पर बहुत जोरदार हमला करने वाले हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने ईरान के खिलाफ इन हमलों को बच्चों के भविष्य में निवेश बताया। देश के नाम अपने संबोधन में स्थानीय समयानुसार बुधवार को ट्रंप ने कहा कि ईरान के खिलाफ ऑपरेशन एक महीने से थोड़ा ज्यादा चला है, लेकिन अमेरिका ने पहले ही उस चीज को खत्म कर दिया है जिससे बड़ा खतरा बताया था। उन्होंने कहा, 'हम इस सैन्य ऑपरेशन में 32 दिनों से हैं और देश को पूरी तरह खत्म कर दिया गया है और असल में अब कोई खतरा नहीं है।' उन्होंने कैंपेन की रफ्तार में तेजी को दिखाने के लिए

इसकी तुलना पिछले अमेरिकी युद्धों के समय से की। ट्रंप ने कहा, 'पहले विश्व युद्ध में अमेरिका की भागीदारी एक साल, सात महीने और पांच दिन तक चली। दूसरा वर्ल्ड वॉर तीन साल, आठ महीने और 25 दिन तक चला। कोरियाई युद्ध तीन साल, एक महीने और दो दिन तक चला। वियतनाम युद्ध 19 साल, पांच महीने और 29 दिन तक चला और इराक युद्ध आठ साल, आठ महीने और 28 दिन तक चला।

ईरान ऑपरेशन को बहुत तेज बताते हुए उन्होंने कहा कि अमेरिकी सेना ने ऐसी रफ्तार से नतीजे दिए हैं जो मॉडर्न लड़ाई में बहुत कम देखी गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, 'लड़ाई के इतिहास में कभी किसी दुश्मन को कुछ हफ्तों में इतना साफ, भयानक और बड़े पैमाने पर नुकसान नहीं हुआ।' उन्होंने कहा कि लड़ाई का कम समय सैन्य ताकत और रणनीतिक स्पष्टता दोनों को दिखाता है।

ट्रंप ने कहा, 'हम अमेरिका और दुनिया के लिए ईरान के खतरे को खत्म करने की कगार पर हैं।' अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, 'हम तब तक काम करते रहेंगे, जब तक हमारे मकसद पूरी तरह पूरे नहीं हो जाते। हमने जो प्रक्रिया की है, उसकी वजह से मैं कह सकता हूं कि हम बहुत जल्द अमेरिका के सभी मकसद पूरे करने की राह पर हैं।'

उन्होंने ईरान को यह भी चेतावनी दी है कि अगर कोई समझौता नहीं हुआ, तो हम उनके हर बिजली बनाने वाले प्लांट पर बहुत जोरदार हमला करेंगे और शायद एक साथ। अमेरिकी राष्ट्रपति ने इस लड़ाई को अमेरिका के लिए बेहतर और सुरक्षित भविष्य पक्का करने की कोशिश बताया है। ट्रंप ने कहा, 'यह आपके बच्चों और आपके नाती-पोतों के भविष्य में एक सच्चा निवेश है।

उन्होंने दोहराया कि ईरान को न्यूक्लियर हथियार हासिल करने से रोकने के लिए जंग जरूरी है। हालांकि ट्रंप के अपने इंटेलिजेंस चीफ ने पिछले साल माना था कि तेहरान ऐसा नहीं चाहता है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपने संबोधन के आखिरी में कहा, 'जंग पहले ही जीत ली गई है और लगभग खत्म हो चुकी है। हम अमेरिका और दुनिया के लिए ईरान के खतरनाक खतरे को खत्म करने की कगार पर हैं।'

यूएन चीफ ने भारत की शालिनी बहुगुणा को पापुआ न्यू गिनी में रेजिडेंट कोऑर्डिनेटर नियुक्त किया

न्यूयार्क, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) पर काम कर चुकीं शालिनी बहुगुणा को पापुआ न्यू गिनी में निवासी समन्वयक (रेजिडेंट कोऑर्डिनेटर) नियुक्त किया है। यूएन महासचिव गुटेरेस के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने बुधवार को कहा कि उनके पास अंतरराष्ट्रीय संगठन के साथ काम करने का दशकों का अनुभव है। एक रेजिडेंट कोऑर्डिनेटर के रूप में वह पापुआ न्यू गिनी में संयुक्त राष्ट्र की सर्वोच्च अधिकारी होंगी और वहां चल रहे 192 कार्यक्रमों के समन्वय का नेतृत्व करेंगी। रेजिडेंट कोऑर्डिनेटर किसी देश में यूएन के सबसे ऊंचे रैंक के अधिकारी

होते हैं, जो संयुक्त राष्ट्र प्रोग्राम पर काम करने वाले संगठनों की टीमों का नेतृत्व करते हैं। यूएन के मुताबिक, हाल ही में शालिनी बहुगुणा ने यूनिसेफ के साथ काम किया और एक्सेंचर के साथ पार्टनरशिप में एक एआई रणनीति विकसित की। इससे पहले, वह तंजानिया में यूनिसेफ की रिप्रजेंटेटिव थीं, जहां उन्होंने बच्चों के अधिकारों और देश के विकास की प्राथमिकता को आगे बढ़ाया। वह इथियोपिया और म्यांमार में यूनिसेफ की डिप्टी रिप्रजेंटेटिव और नाइजीरिया में सामाजिक नीतियों और लिंग की प्रमुख रह चुकी हैं। शालिनी बहुगुणा ने भारत के विकास, पानी और सफाई के मुद्दों पर एक एनजीओ के लिए काम करने के साथ अपना करियर शुरू किया था और बाद में भारत सरकार और विश्व बैंक के वॉटर सेक्टर रिफॉर्म प्रोग्राम के साथ काम किया। ब्रिटेन के अंतरराष्ट्रीय विकास विभाग (डीएफआईडी) के साथ काम करने के दौरान उन्हें चीन, इंडोनेशिया और अफगानिस्तान भी जाना पड़ा। इसके अलावा उन्होंने तंजानिया में यूनिसेफ की प्रतिनिधि के रूप में बच्चों के अधिकारों और देश की विकास प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाया। शालिनी ने दिल्ली विश्वविद्यालय के लेडी श्री राम कॉलेज से ग्रेजुएशन किया। उनके पास ब्रिटेन की स्वानसी यूनिवर्सिटी से डेवलपमेंट इकोनॉमिक्स और इंटरनेशनल डेवलपमेंट में मास्टर डिग्री है। उनके पास अंतरराष्ट्रीय संगठनों, विशेष रूप से विकास, मानवीय और शांति स्थापना के क्षेत्रों में 20 से अधिक वर्षों का अनुभव है। उन्होंने एशिया और अफ्रीका के विभिन्न देशों में जटिल और सांस्कृतिक रूप से विविध टीमों का नेतृत्व किया है।

क्लब जाकर ईरान युद्ध की खुफिया जानकारी लीक कर रहे अमेरिकी सैनिक?

सैन डिएगो , एजेंसी। सैन डिएगो अमेरिका के बड़े सैन्य केंद्रों में से एक है, जहां कई बड़े नौसैनिक और सैन्य ठिकाने हैं, और आम तौर पर ऐसे इलाकों के पास स्ट्रिप क्लब और बार भी होते हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हालिया राष्ट्र के नाम संबोधन में इस बात को साफ कर दिया है कि ईरान युद्ध अभी जारी रहेगा। ट्रंप ने संकेत दिए हैं कि आने वाले हफ्तों में अमेरिका ईरान पर और तगड़े हमले करने वाला है। इससे पहले यह खबरें थीं कि अमेरिका जल्द ही ईरान में जमीनी अभियान शुरू कर सकता है और इसके लिए ट्रंप ने हजारों अमेरिकी सैनिकों की तैनाती शुरू कर दी है। अब इन सैनिकों को लेकर एक हैरतअंगेज खबर सामने आई है। अमेरिका की एक जानी मानी टिकटॉकर ने अपनी एक वीडियो में दिखाया है कि किस तरह अमेरिकी सैनिक इस जंग से निराश हो गए हैं और इस निराशा में वह खुफिया जानकारियां भी लीक कर देते हैं। पेशे से क्लब में डांस करने वाली एक टिकटॉकर ने दावा किया है कि कई अमेरिकी जवान अपनी तैनाती से जुड़ी बातें लोगों को बता रहे हैं। वायरल वीडियो में सैन डिएगो की डांसर चार्म डेज, जिनके करीब नौ लाख फॉलोअर्स हैं, ने बताया कि पास के सैन्य ठिकानों से आने वाले कई सैनिक क्लब में आते हैं और खूब पैसे लुटाते हैं। वायरल वीडियो में क्या दावा? वीडियो में चार्म ने बताया, 'मैंने हाल में देखा है कि बहुत सारे सैन्य लोग आ रहे हैं और अपना सारा पैसा खर्च कर रहे हैं। वे थोड़े उदास लगते हैं। कहते हैं 'हम मजे करेंगे', लेकिन साफ दिखता है कि कुछ ठीक नहीं है। फिर बताते हैं कि 'हम अगले हफ्ते अभियान शुरू करने वाले हैं'।' डांसर आगे कहती है, 'इनमें से कई बहुत अच्छे हैं, लेकिन इतने कम उम्र के लड़कों को देखना और फिर उन्हें अलविदा कहना मुझे भावुक कर देता है।' बता दें कि सैन डिएगो अमेरिका के बड़े सैन्य केंद्रों में से एक है, जहां कई बड़े नौसैनिक और सैन्य ठिकाने हैं, और आम तौर पर ऐसे इलाकों के पास स्ट्रिप क्लब और बार भी होते हैं। ग्राउंड ऑपरेशन की तैयारी तेज इस वीडियो के बाद अब यह चर्चा तेज हो गई है कि अमेरिका ईरान में बड़े स्तर पर ग्राउंड ऑपरेशन शुरू करने की तैयारी कर रहा है। संभावित अमेरिकी जमीनी अभियान की अटकलों के बीच, अमेरिका ने मंगलवार को आक्रमण पोत यूएसएस ट्रिपोली को हिंद महासागर में तैनात कर दिया है। अमेरिकी केंद्रीय कमान (सेंटकॉम) ने यह जानकारी दी है। सेंटकॉम द्वारा जारी एक तस्वीर में 45,000 टन वजनी युद्धपोत को हिंद महासागर में नौवहन करते हुए दिखाया गया, हालांकि ईरान से इसकी सटीक दूरी का खुलासा नहीं किया गया। अमेरिका के रक्षा विभाग द्वारा 26 मार्च को साझा की गयी तस्वीरों के अनुसार, ट्रिपोली पर 31वें समुद्री अभियान दल के लगभग 1,800 नौसैनिक तैनात हैं। कुछ फोटोज में मरीन 'जहाज रक्षा अभ्यास' में भाग लेते नजर आए। अमेरिकी नौसेना के आंकड़ों के मुताबिक यह पोत लगभग 1,850 नौसैनिकों के साथ करीब 1,200 नाविकों के दल को ले जाने में सक्षम है। इसी बीच, सैन्य जमावड़े के तहत लगभग 2,200 नौसैनिकों के साथ 11वां नौसैनिक अभियान दल को भी पश्चिम एशिया की ओर भेजे जाने की खबर है। इसके अलावा 82वीं वायुसेना इकाई के करीब 1,000 सैनिकों को क्षेत्र में तैनात किए जाने की सूचना है।

नासा ने ऐतिहासिक आर्टेमिस-2 मानवयुक्त चंद्र मिशन का किया शुभारंभ

फ्लोरिडा, एजेंसी। नासा का आर्टेमिस 2 चंद्र मिशन अमेरिका के फ्लोरिडा से प्रक्षेपित हुआ। इसमें चार अंतरिक्ष यात्रियों को लेकर 50 से अधिक वर्षों में पहली बार चंद्रमा के चारों ओर मानवयुक्त उड़ान भरी गई। स्पेस लॉन्च सिस्टम रॉकेट जिसके शीर्ष पर ओरियन अंतरिक्ष यान लगा था, बुधवार को शाम 6:35 बजे (ईस्टर्न टाइम) नासा के कैनेडी स्पेस सेंटर से प्रक्षेपित किया गया। यह आर्टेमिस कार्यक्रम के तहत नासा का पहला मानवयुक्त मिशन है। चार सदस्यीय दल में नासा के अंतरिक्ष यात्री रीड वाइसमैन, विक्टर ग्लोवर और क्रिस्टीना कोच शामिल हैं। साथ ही कनाडाई अंतरिक्ष एजेंसी के अंतरिक्ष यात्री जेरेमी हैनसेन भी दल का हिस्सा हैं। लॉन्च काउंटडाउन को टी-10 मिनट के समय पर थोड़ी देर के लिए रोका गया था, जिसके बाद कुछ मिनटों में इसे फिर से शुरू कर दिया गया। आर्टेमिस 2 मिशन गहरे अंतरिक्ष अभियानों के लिए आवश्यक कई क्षमताओं का प्रदर्शन करेगा। नासा के अनुसार, इसका उद्देश्य ओरियन के जीवन-समर्थन प्रणालियों को सत्यापित करना और अंतरिक्ष यात्रियों को आर्टेमिस III और आगामी चंद्र मिशनों की सफलता के लिए आवश्यक महत्वपूर्ण संचालन का अभ्यास करने का अवसर देना है। दल चंद्रमा के दूरस्थ हिस्से से लगभग 7,400 किलोमीटर आगे तक यात्रा करेगा और फिर पृथ्वी पर लौटेगा। यह मिशन अंतरिक्ष यात्रियों को पृथ्वी से पहले से कहीं अधिक दूर और चंद्रमा के पहले से कहीं अधिक निकट ले जाएगा, जैसा कि पिछले आधे शताब्दी में कभी नहीं हुआ। पुनः प्रवेश (री-एंट्री) इस मिशन के सबसे चुनौतीपूर्ण चरणों में से एक होगा। ओरियन के पृथ्वी के वायुमंडल में लगभग 25,000 मील प्रति घंटे की गति से प्रवेश करने की उम्मीद है, जहां उसे लगभग 5,000 डिग्री तापमान का सामना करना पड़ेगा, इसके बाद यह प्रशांत महासागर में

उतरेगा। मिशन के दौरान, अंतरिक्ष यात्री अंतरिक्ष यान के प्रदर्शन का मूल्यांकन करेंगे, आपातकालीन प्रक्रियाओं का अभ्यास करेंगे और चंद्रमा के दूरस्थ हिस्से की तस्वीरें लेंगे। यह दल कई ऐतिहासिक उपलब्धियों का भी प्रतिनिधित्व करता है। इस मिशन में पहली महिला, पहला अफ्रीकी-अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री और चंद्रमा की ओर यात्रा करने वाला पहला कनाडाई शामिल है। आर्टेमिस 2 को नासा की व्यापक योजना के शुरुआती कदम के रूप में देखा जा रहा है, जिसका उद्देश्य चंद्रमा पर दीर्घकालिक मानव उपस्थिति स्थापित करना और अंततः अंतरिक्ष यात्रियों को मंगल ग्रह तक भेजना है। आर्टेमिस कार्यक्रम अपोलो मिशनों के बाद शुरू किया गया है, जिनके तहत 1968 से 1972 के बीच 24 अंतरिक्ष यात्रियों को चंद्रमा पर भेजा गया था, जिनमें से 12 ने उसकी सतह पर कदम रखा था। नासा इस विरासत को आगे बढ़ाते हुए चंद्रमा पर एक दीर्घकालिक आधार (लूनर बेस) स्थापित करना चाहता है और इस दशक के अंत तक चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर मिशनों की योजना बना रहा है। इसके बाद मंगल की ओर आगे बढ़ेगा।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)